शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

www.lagatar.in

बुधवार 06 मार्च 2024 ● फाल्गुन कृष्ण पक्ष 11 , संवत 2080 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~6~~ ● वर्ष : 1, अंक : 318

आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	32.9	20.7
जमशेदपुर	31.6	18.2
डालटनगंज	29.4	16.5

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

*

झारखण्ड सरकार GOVERNMENT OF JHARKHAND

सर्वजन पेंशन योजना

के लाभुकों को प्रथम किस्त का भुगतान एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का सम्मान समारोह

अब तक कुल स्वीकृत लाभुक **1,58,600**

मुख्य अतिथि

श्री चम्पाई सोरेन
माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

विशिष्ट अतिथि

श्री आलमगीर आलम
माननीय मंत्री,
ग्रामीण विकास विभाग, ग्रामीण कार्य विभाग, पंचायती राज विभाग

श्री सत्यानंद भोक्ता
माननीय मंत्री,
श्रम नियोजन प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग एवं उद्योग विभाग

श्रीमती बेबी देवी
माननीय मंत्री,
महिला बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग

दिनांक: 6 मार्च 2024 (बुधवार)

समय- मध्याह्न 12:00 से

स्थान : हरिवंश टानाभगत इंडोर स्टेडियम, राँची

- न्यूनतम उम्र सीमा 60 वर्ष से घटाकर 50 वर्ष
- राज्य की महिलाओं तथा अनुसूचित जनजाति (ST) एवं अनुसूचित जाति (SC) वर्ग के लिए

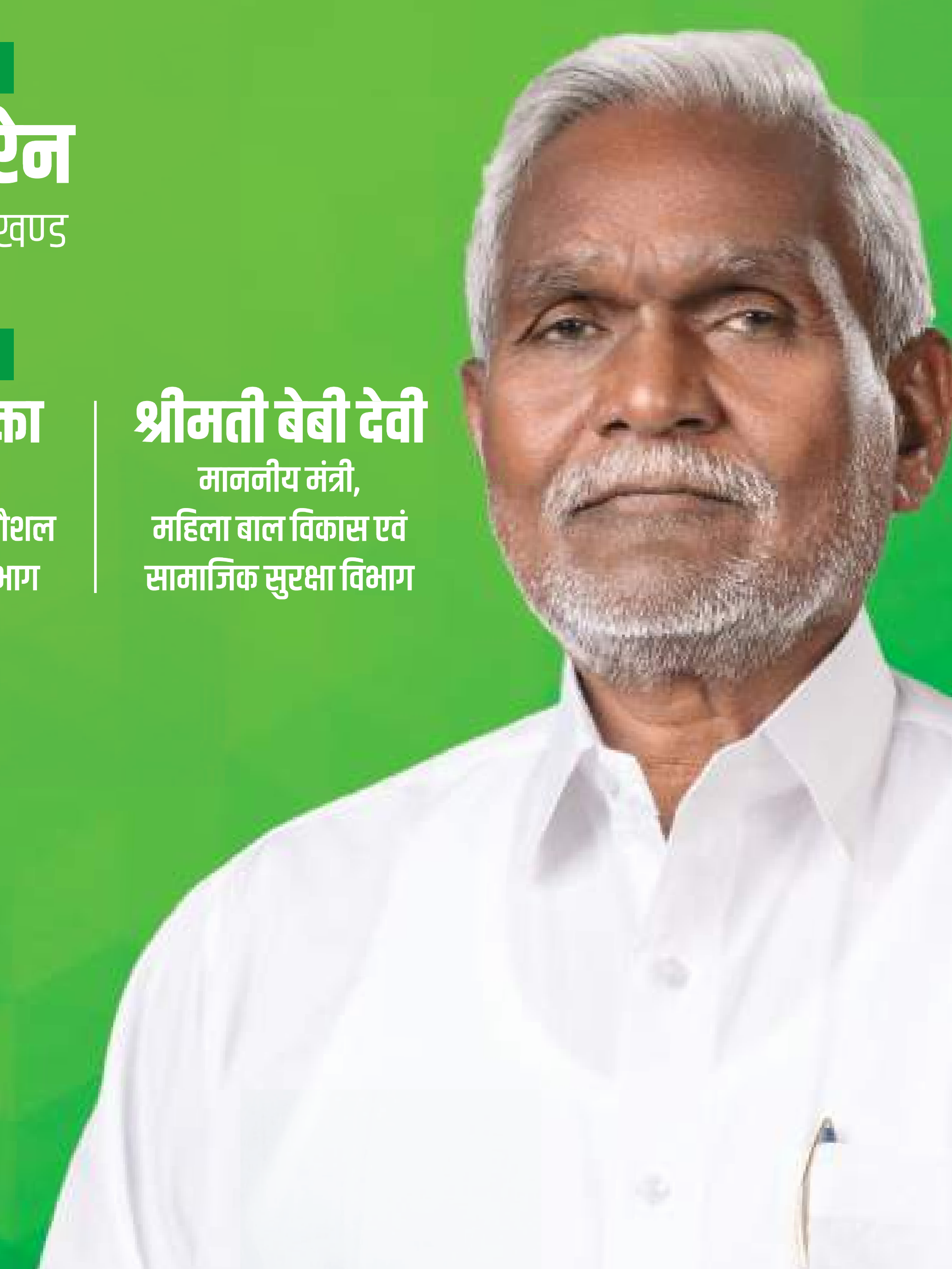

श्री चम्पाई सोरेन
माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग, झारखण्ड सरकार

झारखंड में दम तोड़ रहीं कौशल विकास योजनाएं

ट्रेंड हुए 388104 और ऑफर मिला 149254 अभ्यर्थियों को, आरपीएल योजना में एक भी अभ्यर्थी को ऑफर नहीं

रवि भारती। रांची

झारखंड में कौशल विकास योजनाएं दम तोड़ती नजर आ रही हैं. श्रम विभाग के आंकड़ों के अनुसार राज्य में चल रही दक्षता विकास की चार योजनाओं में 611898 अभ्यर्थी रजिस्टर्ड हुए. जिसमें 441848 अभ्यर्थी इनरोल्ड हुए. इनमें से 388104 अभ्यर्थियों को ट्रेंड किया गया. जिसमें 257003 अभ्यर्थियों को सर्टिफिकेट मिला. इसमें से 149254 अभ्यर्थियों को नौकरी का ऑफर मिला. राज्य में कौशल विकास के लिए इंप्लोयबिलिटी एक्सीलेंस विथ कॉलेज एजुकेशन एंड लर्निंग, सक्षम झारखंड कौशल विकास योजना, दीनदयाल उपाध्याय कौशल विकास और रिकोगनाइजेशन ऑफ प्रियोर लर्निंग योजनाएं चल रही हैं.

सिर्फ 2325 को ही ऑफर : इंप्लोयबिलिटी एक्सीलेंस विथ कॉलेज एजुकेशन एंड लर्निंग, योजना के तहत 7274 अभ्यर्थियों की काउंसिलिंग की गई. 7081 अभ्यर्थी इनरोल्ड हुए. 6482 ट्रेंड किये गये. इसमें 3895 को सर्टिफिकेट मिला. 2325 को नौकरी का ऑफर मिला.

आरपीएल योजना में एक को भी ऑफर नहीं

रिकोगनाइजेशन ऑफ प्रियोर लर्निंग(आरपीएल) योजना के तहत एक भी अभ्यर्थी को ऑफर नहीं मिला. इस योजना के तहत 5249 अभ्यर्थियों की काउंसिलिंग की गई. इसमें 4828 अभ्यर्थी इनरोल्ड हुए I4453 अभ्यर्थी को ट्रेंड किया गया. 373 को सर्टिफिकेट मिला. इसमें से किसी को भी ऑफर नहीं मिला.

सक्षम झारखंड कौशल विकास योजना

सक्षम झारखंड कौशल विकास योजना के तहत 198947 अभ्यर्थियों की काउंसिलिंग की गई. इसमें 180874 इंरोल्ड हुए. जिसमें से173122 अभ्यर्थियों को ट्रेंड किया गया.111020 को सर्टिफिकेट मिला. जिसमें से 67349 को जॉब का ऑफर मिला.

पिछले 8 साल में क्या रहा जॉब ऑफर का ट्रेंड

वर्ष 2017	में 19811 हुए ट्रेंड,	प्लेसमेंट हुआ 1242
वर्ष 2018	में 43258 हुए ट्रेंड,	प्लेसमेंट हुआ 25649
वर्ष 2019	में 50999 हुए ट्रेंड,	प्लेसमेंट हुआ 10500
वर्ष 2020	में 11358 हुए ट्रेंड,	प्लेसमेंट हुआ 5808
वर्ष 2021	में 20929 हुए ट्रेंड,	प्लेसमेंट हुआ 1954
वर्ष 2022	में 109212 हुए ट्रेंड,	प्लेसमेंट हुआ 18013
वर्ष 2023	में 112186 हुए ट्रेंड,	प्लेसमेंट हुआ 85179
वर्ष 2024	में 20321 हुए ट्रेंड,	प्लेसमेंट हुआ 1987

दीनदयाल उपाध्याय कौशल विकास में 2.55 लाख की काउंसिलिंग

दीनदयाल उपाध्याय कौशल विकास योजना के तहत 255788 अभ्यर्थियों की काउंसिलिंग हुई. इसमें 227370 इनरोल्ड हुए. 196176 लोगों को ट्रेंड किया गया. 141715 को सर्टिफिकेट मिला, जिसमें 79580 को ऑफर मिला.

ब्रीफ खबरें

आज होगी झारखंड कैबिनेट की बैठक

रांची। सीएम चंपाई सोरेन की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक गुरुवार यानि छह मार्च को होगी. बैठक शाम चार बजे से प्रोजेक्ट भवन में शुरू होगी. यह जानकारी मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी विभाग ने दी.

तीन आप्त सचिव का हुआ तबादला

रांची। राज्य सरकार ने तीन आप्त सचिव का तबादला कर दिया है. अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के प्रधान आप्त सचिव रंजीत कुमार को स्थानांतरित करते जल संसाधन विभाग में पदस्थापित करने के साथ पथ निर्माण विभाग व भवन निर्माण विभाग व जल संसाधन विभाग कोषाग में प्रतिनियुक्त किया गया है. प्रधान आप्त सचिव, कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग उदय शंकर को स्थानांतरित करते हुए जल संसाधन विभाग में पदस्थापित किया गया है. आप्त सचिव कमलेश कुमार को कार्मिक से स्थानांतरित करते हुए अनुचित जनजाति अनुसूचित जाति अत्यंत व पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग में पदस्थापित किया गया है. कार्मिक ने इसका आदेश जारी कर दिया है.

960 पदाधिकारियों को मिलेगी ट्रेनिंग

रांची। झारखंड पुलिस अपने 960 पदाधिकारियों को तीन नए आपराधिक कानूनों में प्रशिक्षित करेगी. राज्य के अलग-अलग जिलों में तैनात 960 इंस्पेक्टर और एसआई को दो दिवसीय प्रशिक्षण दिया जाएगा. रांची स्थित अनुसंधान प्रशिक्षण विद्यालय और झारखंड पुलिस अकादमी हजारीबाग में यह दो दिवसीय प्रशिक्षण छः चरणों में दिया जाएगा. रांची में 360 इंस्पेक्टर और एसआई को, जबकि पुलिस अकादमी हजारीबाग में 600 इंस्पेक्टर और एसआई को यह प्रशिक्षण दिया जाएगा. छह मार्च से चलने वाला यह प्रशिक्षण 28 मार्च तक छः चरणों में चलेगा. राज्य के 24 जिलों में तैनात थाना प्रभारी समेत पुलिस के अन्य विंग के इंस्पेक्टर और एसआई को यह प्रशिक्षण दिया जाएगा.

'मनरेगाकर्मियों से दूसरे काम न कराएं'

रांची। चंपाई सरकार पूरी तरह से एक्शन मोड में है. खास कर मनरेगा की योजनाओं को समय पर पूरा कराने पर जोर दे रही है. इस बाबत ग्रामीण विकास विभाग ने सभी जिलों के डीसी और डीडीसी को पत्र लिखा है. पत्र में कहा गया है कि मनरेगा कर्मियों को कोई भी दूसरे कामों में नहीं लगाया जाए. यह पत्र विभाग के ज्वाइंट सेक्रेट्री अरुण कुमार सिंह के हस्ताक्षर से जारी हुआ है. पत्र में कहा गया है कि मनरेगा के तहत बिरसा हरित ग्राम योजना और बिरसा सिंचाई कूप संवर्द्धन मिशन योजनाएं चल रही हैं.

कोर्ट के अहम फैसले : मंगलवार को अदालत में हुई अहम सुनवाई

शिबू सोरेन और झामुमो की संपत्ति की जांच 6 माह में पूरी करे सीबीआई

संवाददाता। रांची/दिल्ली

झारखंड में सत्ता धारी दल जेएमएम के अध्यक्ष, पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सदस्य शिबू सोरेन को बड़ा झटका लगा है. लोकपाल ने आय से अधिक संपत्ति मामले में शिबू सोरेन के खिलाफ दाखिल शिकायत पर सोमवार को फैसला सुनाते हुए सीबीआई को जल्द से जल्द जांच करने का आदेश दिया है. लोकपाल ने सीबीआई को इस मामले की प्रारंभिक जांच छह महीने के अंदर पूरी करने का निर्देश दिया है. साथ ही लोकपाल के समक्ष जांच रिपोर्ट की एक प्रति सौंपने का भी निर्देश दिया गया है. लोकपाल ने इस मामले की सुनवाई पूरी करने के बाद पिछले दिनों अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था.

निशिकांत ने दर्ज कराया था शिकायतवाद : दरअसल बीजेपी के गोड्डा सांसद डॉ निशिकांत दुबे ने 2020 में लोकपाल के समक्ष शिकायतवाद दर्ज करायी थी. गोड्डा से बीजेपी सांसद डॉ निशिकांत दुबे ने राज्यसभा सांसद व झारखंड के पूर्व सीएम शिबू सोरेन व जेएमएम के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने का आरोप लगाया था. इसी शिकायतवाद पर लोकपाल ने फैसला सुनाते हुए सीबीआई को प्रारंभिक जांच छह माह के अंदर पूरा करने का आदेश दिया है.

अमीषा पटेल कोर्ट में नहीं हुईं हाजिर निजी कारणों का दिया हवाला

रांची। फिल्म अभिनेत्री अमीषा पटेल मंगलवार को रांची सिविल कोर्ट नहीं पहुंची. पिछली सुनवाई में कोर्ट ने उन्हें हाजिर होने का निर्देश दिया था. लेकिन निजी कारणों का हवाला देते हुए वह मंगलवार को उपस्थित नहीं हुई. रांची सिविल कोर्ट के जेएमएफसी (ज्यूडीशियल मजिस्ट्रेट फ़र्स्ट क्लास) दिग्विजय नाथ शुक्ला की अदालत इस मामले में सुनवाई कर रहा है. बता दें कि अमीषा पटेल पर चेक बाउंस का केस चल रहा है. यह मामला वर्ष 2017 का है. आरोपों के मुताबिक, फिल्म देसी मैजिक बनाने के नाम पर अजय सिंह ने ढाई करोड़ अमीषा पटेल के खाते में ट्रांसफर कर दिये. अजय कुमार सिंह लवली वर्ल्ड इंटरटेनमेंट के प्रोपराइटर हैं. फिल्म नहीं बनाने और पैसे वापस नहीं होने के बाद अजय कुमार सिंह ने अमीषा पटेल पर धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कराया है. इस मामले में अमीषा पटेल ने 17 जून 2023 को रांची सिविल कोर्ट में सरेंडर किया था.

सैप कर्मियों को 60 वर्ष की उम्र में सेवानिवृत्त आदेश पर हाईकोर्ट ने लगाई रोक

रांची। सैप (स्पेशल ऑग्जीलियरी पुलिस) कर्मियों को 60 वर्ष की उम्र में सेवानिवृत्त किए जाने संबंधी मामले में सैप कर्मी सूबेदार की ओर से दाखिल याचिका की सुनवाई झारखंड हाईकोर्ट में हुई. मामले में हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति एसएन पाठक की कोर्ट ने प्रार्थी एवं सैप कर्मियों को 60 वर्ष की उम्र में सेवानिवृत्त करने के आदेश पर रोक लगा दी. सुनवाई के दौरान कोर्ट को प्रार्थी की ओर से बताया गया कि डीआईजी सैप ने एक चिट्ठी निकाली है, जिसमें कुछ लोग जिनकी उम्र 60 वर्ष पूरी हो गई है, उन्हें सेवानिवृत्त करने को लिखा है. जबकि समादेस्टा एवं डीआईजी, सैप ने खुद आदेश निकाला है की सैप कर्मियों का सर्विस काल 62 वर्ष तक बढ़ाया जाएगा. सैप कर्मियों को 60 वर्ष में सेवानिवृत्त करना उचित नहीं है. जिस पर कोर्ट ने सैप कर्मियों की 60 वर्ष में सेवानिवृत्त करने के निर्णय पर रोक लगा दी है. प्रार्थी की ओर से सेवानिवृत्ति की निर्धारित सीमा 62 वर्ष करने का आग्रह किया गया है.

झारखंड विस नियुक्ति घोटाला मामले में अब 20 को सुनवाई

रांची । झारखंड विधानसभा में अवैध नियुक्ति की जांच की मांग को लेकर दाखिल जनहित याचिका पर मंगलवार को हाईकोर्ट में सुनवाई हुई. सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से कोर्ट को बताया गया कि इस मामले में जो रिपोर्ट आयी है, उसे कैबिनेट के समक्ष प्रस्तुत किया गया है. लेकिन फिलहाल कैबिनेट ने उस पर कोई निर्णय नहीं लिया है. सरकार के इस जवाब पर अदालत ने नाराजगी जाहिर करते हुए विस्तृत और बिंदुवार जानकारी शपथ पत्र के मध्यम से पेश करने का निर्देश दिया. हाईकोर्ट अब इस मामले में 20 मार्च को सुनवाई करेगा.

राज्यपाल के निर्देश के बाद दूसरी जांच कमेटी क्यों बनी : जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान अदालत ने यह जानना चाहा कि जब इस मामले में एक कमिश्नर बनाया जा चुका है और उसने जो जांच रिपोर्ट दी है, वह राज्यपाल को सौंपा दी गयी है. इस रिपोर्ट के आधार पर राज्यपाल ने कार्रवाई के लिए विधानसभा अध्यक्ष को निर्देशित किया है. उसके बावजूद दूसरी जांच कमेटी क्यों और किस प्रोविजन पर बनायी गयी. विधानसभा की ओर से अधिवक्ता अनिल कुमार ने बहस की.

2005 से 2007 के बीच में विधानसभा में हुई नियुक्ति में हुई गड़बड़ी

झारखंड विधानसभा में अवैध नियुक्ति की जांच को लेकर शिव शंकर शर्मा ने हाईकोर्ट में जनहित याचिका दाखिल की है. याचिका में कहा गया है कि वर्ष 2005 से वर्ष 2007 के बीच में विधानसभा में हुई नियुक्ति में गड़बड़ी हुई है. मामले की जांच के लिए पहले जस्टिस विक्रमादित्य प्रसाद आयोग का गठन किया गया. आयोग ने जांच कर वर्ष 2018 में राज्यपाल को रिपोर्ट भी सौंपी थी. जिसके बाद राज्यपाल ने विधानसभा अध्यक्ष को कार्रवाई करने का निर्देश दिया था. लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई.

बाइक-ऑटो व कार से कोयले की हुई थी फर्जी ढुलाई

कार्रवाई नहीं : इन वाहनों से की गयी थी ढुलाई

गाड़ी नंबर	चालान नंबर	वाहन
जेएच-05एसी1320	112	ऑटो
जेएच-05ए 2828	250	कार
जेएच-02एक्यू 1170	13	बाइक
जेएच-04ए 0689	210	बाइक
जेएच-05ए 2618	364	बाइक
जेएच-05ए 2619	428	बाइक
जेएच-05एसी 9791	316	बाइक
जेएच-05ए 2622	449	बाइक
जेएच-05एसी 1359	150	बाइक
जेएच-05एसी 1502	270	बाइक
जेएच-02एई 9031	04	बाइक
जेएच-02एएप 0526	02	बाइक

सौरभ सिंह। रांची/हजारीबाग

हजारीबाग जिले के बड़कागांव थाना क्षेत्र में चारा घोटाले की तर्ज पर बाइक, कार और ऑटो से कोयले की ढुलाई करने का मामला सामने आया था. इस मामले में सात जनवरी 2019 को हजारीबाग के तत्कालीन जिला खनन पदाधिकारी नितेश गुप्ता ने बड़कागांव थाना में शिकायत की थी. लेकिन पांच साल बीत जाने के बाद भी इस मामले में अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गयी. हजारीबाग जिला खान पदाधिकारी ने 12 जून 2023 को प्राथमिकी दर्ज करने को लेकर रिमाइंडर भी भेजा गया, इसके बाद भी इस मामले में प्राथमिकी दर्ज नहीं की गयी.

कोयला के ई-परिवहन चालान में पायी गयी अनियमितता : शिकायत में पदाधिकारी ने कहा था कि विभाग की जेआइएमएस प्रणाली के तहत कोयला के ई-परिवहन चालान में अनियमितता पायी गयी है. मेसर्स एनटीपीसी परियोजना को कोयला आपूर्ति के लिए बिक्री आदेश मिला है. बनादाग रेलवे साइडिंग से कोयले की आपूर्ति करने वाले डीओ होल्डर व ट्रांसपोर्टर लिफ्टर ने जिन वाहनों का इस्तेमाल किया, वो नंबर ऑटो, कार व बाइक के हैं. नियम के विरुद्ध संबंधित व्यक्तियों द्वारा कोयला परिवहन के लिए व्यावसायिक वाहनों के नाम पर ऑटो आदि के नंबर को पंजीकृत कर अवैध रूप से परिवहन चालान का उपयोग कोयले की ढुलाई में किया गया. इसलिए मामले की जांच कर अवैध कार्य में लिप्त लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाये.

80 उत्कृष्ट विद्यालयों में 9वीं 11वीं की वार्षिक परीक्षा 12 से

प्रमुख संवाददाता। रांची

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएससी) से मान्यता प्राप्त राज्य में संचालित 80 जिलास्तरीय मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालयों में 12 मार्च से नवीं और बारहवीं की वार्षिक परीक्षा शुरू होगी. 22 मार्च तक परीक्षाएं चलेंगी. परीक्षा की अवधि 3 घंटे की होगी. परीक्षा के दौरान छात्र मोबाइल, स्मार्ट वॉच या किसी भी तरह के इलेक्ट्रॉनिक गैजेट अपने साथ परीक्षा हॉल में नहीं ले जा सकेंगे. 30 मार्च तक परीक्षा परिणामों का प्रकाशन व रिपोर्ट कार्ड का वितरण कर दिया जाएगा.

इसके बाद 1 अप्रैल, 2024 से नया शैक्षणिक सत्र आरंभ हो जाएगा. सीबीएससी मानकों के आधार पर इन परीक्षाओं के सफल संचालन के लिए राज्य शिक्षा परियोजना द्वारा सभी जिलों के जिला शिक्षा पदाधिकारियों, उत्कृष्ट विद्यालय प्रधानाध्यापकों और प्रबंधको को आवश्यक दिशा निर्देश जारी किया गया है. इन परीक्षाओ के लिए राज्य शैक्षिक अनुसंधान व प्रशिक्षण परिषद द्वारा प्रश्नपत्र तैयार कर जिलों को उपलब्ध कराया जाएगा. परीक्षाओ के आयोजन के लिए अनुभवी स्कूल प्रबंधको (भूतपूर्व सीबीएससी विद्यालयों के प्रधानाध्यापक और उप प्रधानाध्यापक) की कमिटी गठित की गयी है. कमेटी की अनुशंसा के आधार पर सीबीएससी के मानकों के अनुरूप प्रश्नपत्र तैयार कर विद्यालय सत्र की परीक्षाएं आयोजित की जाएंगी.

खास बातें

- पहली बार होगी सीबीएससी के मानकों के अनुसार परीक्षा
- शिक्षा परियोजना की निगरानी जेसीईआरटी बनाएगा प्रश्न

इंटरमीडिएट शिक्षक संघ के प्रतिनिधि मुख्यमंत्री से मिले

रांची । झारखंड इंटरमीडिएट शिक्षक संघ के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन से मिल कर अपनी समस्या को रखा. झारखंड में इंटर की पढ़ाई इस साल से बंद हो जाएगी. शिक्षक और कर्मचारियों ने मुख्य मंत्री से गुहार लगायी कि उन्हें प्लस टू स्कूल में समायोजित की जाए. जो शिक्षक और कर्मचारी 10 वर्षों से अधिक समय से कार्यरत हैं, उन्हें परमानेंट करने की बात भी कही. झारखंड शिक्षक संघ के अवधेश ठाकुर, डॉ. मुजफ्फर हुसैन,कर्मचारी संघ के अध्यक्ष रितु रानी, सोनी कुमारी, मीरा कुमारी और आनंद यादव शामिल रहे. दरअसल राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत झारखंड के डिग्री कॉलेजों में इसकी पढ़ाई बंद कर दी गई थी. इंटर में पढ़ाने वाले शिक्षकों और कर्मचारियों के हगांमें को देखते हुए तत्कालीन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सत्र 2023-25 तक के लिए डिग्री कॉलेजों में नामांकन लेने का निर्देश दिया था.

श्रम मंत्री ने कहा : मुख्यमंत्री सारथी योजना से सपने हो रहे साकार

'युवक-युवतियों को बनाया जा रहा हुनरमंद'

प्रमुख संवाददाता। रांची

श्रम मंत्री सत्यानंद भोक्ता ने कहा है कि उद्योग व श्रम विभाग साथ में मिलकर मज़दूरों के कल्याण के लिए काम करें.अपनी ज़िम्मेवारी को समझे और पूरी तत्परता के साथ परिणामोन्मुखी कार्य करें. उन्होंने कहा कि काम करने की इच्छाशक्ति होगी, तो उपलब्ध संसाधनों का उपयोग करते हुए बढ़िया काम कर सकते हैं. वे मंगलवार को रांची के एक स्थानीय होटल में झारखंड के निजी क्षेत्र में स्थानीय उम्मीदवारों का नियोजन अधिनियम 2021 व नियमावली 2022 व एप्रेंटिसेज एक्ट 1961 के क्रियान्वयन एवं उद्योग सुरक्षा दिवस/सप्ताह पर आयोजित कार्यशाला में बोल रहे थे. इस अवसर पर मंत्री सत्यानंद भोक्ता ने 7 युवतियों को विभिन्न निजी क्षेत्र में नियुक्ति पत्र प्रदान किया.

राज्य सरकार ने कोविड महामारी में अपनी जिम्मेवारी बखूबी निभायी : मंत्री सत्यानंद भोक्ता ने कहा कि राज्य सरकार ने कोविड के समय तत्कालीन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में राज्य के बाहर फंसे मजदूरों को हवाई जहाज, ट्रेन,बस से झारखंड लाने का काम किया. उन्होंने कहा कि कोविड के समय लगभग 8 लाख मजदूर, जो राज्य के बाहर काम करते थे, उनके खाते में डीबीटी के माध्यम से पैसा भेजने का काम किया. राज्य सरकार ने कोविड महामारी के समय तत्कालीन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में अपनी जिम्मेवारी को बखूबी निभाया और मजदूरों के कल्याण की कई योजनाएं चलायीं और उन्हें उन योजनाओं से जोड़कर उनकी जीविका को बढ़ाने का काम किया. श्रम सचिव मुकेश कुमार ने कहा कि सरकार मजदूरों के कल्याण के लिये कई योजनाएं चला रही हैं. उन्होंने कहा कि किसी मजदूर की मृत्यु विदेश में हो जाने पर राज्य सरकार 5 लाख तक की राशि देती है. मौजूद उद्योग एवं श्रम जगत के प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कहा कि श्रम सुधारों की चर्चा करना जरूरी है. इस अवसर पर उद्योग सचिव जितेंद्र सिंह ने भी अपने विचार रखे. कार्यशाला में विभाग के कई पदाधिकारी,उद्योग जगत के प्रतिनिधि,चैम्बर ऑफ कॉमर्स के सदस्य सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे.

मजदूरों के प्रति अपनी जिम्मेवारी पूरी तत्परता के साथ निभा रहा है श्रम विभाग

श्रम मंत्री सत्यानंद भोक्ता ने कहा कि श्रम विभाग मजदूरों के कल्याणार्थ कई योजनाएं चला रहे हैं. विभाग उन संसाधन एवं राशि का उपयोग कर उन तक सुख-सुविधाएं पहुंचाने का काम कर रहा है।श्रम विभाग की मजदूरों के प्रति जो जिम्मेवारी है, उसे पूरी तत्परता के साथ निभाया जा रहा है.

युवक-युवतियों को मिल रही है ट्रेनिंग

श्रम मंत्री ने कहा कि सारथी योजना के तहत युवक- युवतियों को हुनरमंद बनाने का काम किया जा रहा है. राज्य के 80 प्रखण्डों में प्रशिक्षण शुरू किया गया है. प्रमंडलों में भी प्रशिक्षण देकर राज्य के युवक-युवतियों को विभिन्न कंपनियों में रोजगार देने का काम किया गया है.

सरकार भले के लिए बनाती है नियमावली

विभागीय मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार मजदूरों के कल्याण के लिए कुछ नियमावली बनाती है. राज्य सरकार अभी झारखंड राज्य के निजी क्षेत्र में स्थानीय उम्मीदवारों का नियोजन अधिनियम 2021 व नियमावली 2022 को लागू कर रही है. उन्होंने कहा कि नियमावली लागू करने के साथ शुरू में कुछ दिक्कत आती है, लेकिन नियमावली को समझने पर वो समय के साथ एडजस्ट कर जाती है. उन्होंने उद्योग जगत एवं नियोजन देने वाली कंपनी के प्रतिनिधियों से कहा कि किसी भी तरह का कोई सुझाव हो या कोई समस्या हो, तो बेझिझक मुझसे मिले या विभाग के सचिव से मिल कर बात करें.

मार्च पास्ट | दुमका, साहिबगंज, देवघर, गोड्डा व पाकुड़ के प्रशिक्षुओं ने दी सलामी

198 प्रशिक्षु होमगार्ड ने की पासिंग आउट परेड

संवाददाता। रांची

झारखंड के पांच जिलों (दुमका, साहेबगंज, देवघर, गोड्डा और पाकुड़) के 198 प्रशिक्षु होमगार्ड का मंगलवार को पासिंग आउट परेड हुआ. यह पासिंग आउट परेड क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र नकटी दुमका में हुई. प्रशिक्षु होमगार्ड के 63 दिनों के प्रशिक्षण के बाद परेड हुई. इसमें मुख्य अतिथि दुमका डीसी आंजनेयुलू दोड्डे, एसपी पीतांबर सिंह खरवार, एस आईआरबी और होमगार्ड के सभी वरीय पदाधिकारी उपस्थित रहे.

अतिथियों को सलामी देकर किया गया मार्च पास्ट

इस कार्यक्रम में परेड कमांडर गोपाल टुडू और द्वितीय परेड कमांडर राजू मरांडी के नेतृत्व में सभी प्लाटून ने मंचासीन सभी अतिथियों को सलामी देकर मार्च पास्ट किया. इस प्रशिक्षण का प्रथम पुरस्कार-रोहित हेंब्रम, द्वितीय पुरस्कार चार्लेस मुर्मू और तृतीय पुरस्कार रामबरण यादव को दिया गया. सर्वश्रेष्ठ फायर का पुरस्कार क्रमशः सकल टुडू, कुलदीप कुजूर, कौशिक घोष और सन्नी कुमार यादव को दिया गया. वहीं सर्वश्रेष्ठ कमांडर का पुरस्कार गोपाल टुडू को मिला.

CLASSIFIED

EDUCATION TO-LET BUSINESS REAL ESTATE RECRUITMENT MATRIMONY & Many More
Book your CLASSIFIED ADS IN
हिन्दी दैनिक शुभम संदेश एक राज्य-एक अखबार
Contact : 9835511272, 9905709361, 9546277001, 7004715743

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	32.9	20.7
जमशेदपुर	31.6	18.2
डालटनगंज	29.4	16.5

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

शुभम संदेश

धनबाद, रांची एवं पटना से प्रकाशित

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in ● बुधवार 06 मार्च 2024 ● फाल्गुन कृष्ण पक्ष 11 , संवत 2080 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~6~~ ● वर्ष : 1, अंक : 318 ● आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

अब युवा, इलेक्टोरल बॉन्ड और चुनावी हिंसा बने हॉट टॉपिक

युवाओं को बढ़ावा देने से डरती है परिवारवादी कांग्रेस : मोदी

एजेंसियां। संगारेड्डी (तेलंगाना)

पीएम नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि वह युवा नेताओं को बढ़ावा देने से डरती है. कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा कि विपक्षी पार्टी अब 75-80 साल के व्यक्ति को अध्यक्ष बनाती है, ताकि कहीं से कोई चुनौती न मिले. कहा, परिवारवादी पार्टियां उन्हें निशाना बना रही हैं क्योंकि वह उनके हजारों करोड़ के घोटालों का पर्दाफाश कर रहे हैं. मोदी ने कहा कि उन्होंने कभी कोई निजी हमला नहीं किया, बल्कि परिवारवाद की राजनीति के खिलाफ आवाज उठाते रहे हैं. कांग्रेस और उसके दोस्त अब उन्हें और उनके 'परिवार' को गाली दे रहे क्योंकि वह जनता को दी गई 'गारंटी' को लागू करने को प्रतिबद्ध हैं. मैं परिवारवाद का विरोध करता हूं क्योंकि यह लोकतंत्र के लिए खतरनाक है और युवाओं को नए अवसर नहीं देता. तो वे इसका जवाब नहीं देते हैं लेकिन कहते हैं कि मोदी का कोई परिवार नहीं है. कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि वह युवाओं को कभी भी पदोन्नति नहीं देती. वे ऐसे व्यक्ति को लाते हैं, जो 75-80 वर्ष का हो, 85 वर्ष का हो. उन्हें डर है कि अगर युवा आगे बढ़ जाएगा, तो परिवार का क्या होगा.

- बूढ़ा अध्यक्ष रखती है परिवारवादी पार्टी, ताकि कहीं से चुनौती न मिले

देश के युवाओं को बेरोजगार बना दिया है मोदी ने : राहुल

एजेंसी। शाजापुर

कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा में मंगलवार को शाजापुर में रोड शो किया और पीएम मोदी पर निशाना साधा. कहा कि मोदी जी चाहते हैं कि आप मोबाइल देखो. जय श्री राम बोलो और भूखे मर जाओ. उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी जातिवाद व धर्मवाद को बढ़ावा देकर आपस में लड़वा रहे हैं. भाजपा भाषा को भाषा से लड़ाती है. धर्म को धर्म से और जाति को जाति से लड़ाती है. उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी ने देश के युवाओं को बेरोजगार बना दिया है और वह दिन भर रील्स देखते रहते हैं. सारा रोजगार तो चीन के युवाओं को मिल रहा है. इन युवाओं को न्याय दिलाने के लिए ही मैं यात्रा निकाल रहा हूं. इससे पहले शाजापुर में राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान भाजपा के कुछ कार्यकर्ता पार्टी का झंडा लेकर पहुंचे थे. उन्होंने राहुल गांधी का स्वागत मोदी-मोदी नारे लगाकर किया. इसे सुनकर राहुल गांधी खुद गाड़ी से उतरे. भाजपा कार्यकर्ताओं के पास पहुंचे. इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने जय श्री राम के नारे भी लगाए. कुछ भाजपा कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी के हाथ में आलू भी दिए. उनसे कहा कि आलू से सोना बना दीजिए.

- मोदी चाहते हैं कि आप मोबाइल देखो, जय श्री राम बोलो और भूखे मर जाओ

अब सबसे बड़े बैंक को ही ढाल बना रही मोदी सरकार : खड़गे

एजेंसी। नयी दिल्ली

कांग्रेस ने भारतीय स्टेट बैंक द्वारा चुनावी बॉन्ड विवरण का खुलासा करने के लिए समय मांगने के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर करने पर केंद्र पर हमला बोला है. कांग्रेस ने आरोप लगाया, मोदी अपने संदिग्ध लेनदेन को छिपाने के लिए देश के सबसे बड़े बैंक को ढाल के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं. स्टेट बैंक ने शीर्ष कोर्ट में याचिका पेश कर राजनीतिक दलों द्वारा चुनावी बॉन्ड का खुलासा करने के लिए 30 जून तक मोहलत मांगी है. कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, चुनावी बॉन्ड योजना को लेकर कांग्रेस का मानना है कि यह अपारदर्शी, अलोकतांत्रिक व समान अवसर को नष्ट करने वाली है. मोदी सरकार चुनावी बॉन्ड से अपने संदिग्ध लेनदेन को छिपाने के लिए हमारे बैंक को ढाल के रूप में इस्तेमाल कर रही है.भाजपा चाहती है कि यह लोस चुनाव के बाद किया जाए. इस लोकसभा का कार्यकाल 16 जून को खत्म होगा और एसबीआई 30 जून तक डेटा साझा करना चाहता है. खड़गे ने आरोप लगाया कि भाजपा इस धोखाधड़ी की मुख्य लाभार्थी है. उन्होंने एक्स पर लिखा, अब हताश मोदी, तिनके का सहारा लेकर, शीर्ष कोर्ट के फैसले को विफल करने के लिए एसबीआई का उपयोग करने की कोशिश कर रहे हैं.

- इलेक्टोरल बॉन्ड को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष का केंद्र पर हमला

चुनाव के दौरान बंगाल में हिंसा बर्दाश्त नहीं की जाएगी : सीईसी

एजेंसी। कोलकाता

मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार ने मंगलवार को कहा कि लोकसभा चुनाव के दौरान बंगाल में किसी भी प्रकार की हिंसा बर्दाश्त नहीं होगी. उन्होंने प्रशासन को सभी दलों के लिए समान अवसर सुनिश्चित कराने के कड़े निर्देश दिए हैं. कुमार ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि आयोग का लक्ष्य राज्य में स्वतंत्र, निष्पक्ष और हिंसा मुक्त चुनाव कराना है. इसमें भय या धमकी के लिए कोई जगह नहीं है. हमने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि चुनाव के दौरान प्रशासन का पक्षपातपूर्ण रवैया बर्दाश्त नहीं होगा. लोकतंत्र के उत्सव में किसी भी प्रकार की हिंसा को कतई बर्दाश्त नहीं करेंगे. कहा कि बंगाल में निष्पक्ष चुनाव के लिए पर्याप्त केंद्रीय बल तैनात होंगे. उन्होंने प्रशासन के अधिकारियों से पहले आओ पहले पाओ के सिद्धांत पर पार्टियों को प्रचार के लिए मैदान और बैठक स्थानों की अनुमति देने में पारदर्शिता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है. धन-बल और शराब के इस्तेमाल पर अंकुश लगाने के संबंध में उन्होने शराब सरगनाओं पर कड़ी कार्रवाई करने का भी निर्देश दिया. बंगाल में लोकसभा चुनाव की तैयारियों पर चर्चा करने के लिए निर्वाचन आयोग की पूर्ण पीठ पिछले दो दिनों से कोलकाता में है.

- चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल के प्रशासन को दिया निष्पक्ष रहने का निर्देश

सर्राफा

सोना (बिक्री)	60,800
चांदी (किलो)	77,000

ब्रीफ खबरें

10 साल के संघर्ष के बाद न्याय मिला

नयी दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्व प्रोफेसर जीएन साईबाबा को 10 साल बाद न्याय मिला है. मंगलवार को बंबई हाईकोर्ट की नागपुर पीठ ने साईबाबा को बरी करते हुए कहा कि वह सभी आरोपियों को बरी कर रही है क्योंकि अभियोजन पक्ष उनके खिलाफ मामला साबित करने में विफल रहा.

टीएमसी ने फैसले को शीर्ष अदालत में दी चुनौती

नयी दिल्ली। पश्चिम बंगाल सरकार ने मंगलवार को को संदेशखाली में ईडी के अधिकारियों पर हुए हमले की जांच सीबीआई को स्थानांतरित करने के कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती देने के लिए मंगलवार को शीर्ष अदालत का रुख किया है.

भर्ती प्रक्रिया पर कांग्रेस की ठोस योजना: राहुल

नयी दिल्ली। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने यूपी में पेपर लीक की हालिया घटनाओं की पृष्ठभूमि में मंगलवार को कहा कि उनकी पार्टी भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए एक ठोस योजना तैयार कर रही है और जल्द ही एक दृष्टिकोण लोगों के सामने रखेगी. -पूरी खबर पेज 12 पर

हिमाचल के 6 बागी पहुंचे सुप्रीम कोर्ट

नयी दिल्ली। हिमाचल प्रदेश में हाल के राज्यसभा चुनावों में क्रॉस वोटिंग के बाद अयोग्य घोषित किये गये छह कांग्रेस विधायकों ने अपनी अयोग्यता को मंगलवार को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी. इन अयोग्य विधायकों की बदौलत कांग्रेस के अधिकृत प्रत्याशी अभिषेक मनु सिंघवी राज्यसभा चुनाव हार गये थे.

प्रदेश में आयुष्मान योजना को बनाया अवैध कमाई का जरिया

अवैध कमाई का ऑपरेशन

13 जिलों में मोतियाबिंद ऑपरेशन का आंकड़ा शून्य के करीब पहुंच गया

कागजी आंकड़ा तैयार कर की गयी करोड़ों की हेराफेरी

शुभम संदेश खास

अमित सिंह। रांची

राज्य में प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना को षड़यंत्र के तहत अवैध कमाई का जरिया बना लिया गया है. सोची समझी साजिश के तहत इस योजना का फायदा स्वास्थ्य विभाग के अफसर और चंद अस्पताल प्रबंधन उठा रहे हैं. झारखंड आरोग्य सोसाइटी व दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल की जांच में यह सामने आया है. प्रदेश के कई चर्चित अस्पताल, चैरिटेबल संस्थाओं ने योजना के तहत इलाज के नाम पर करोड़ों के वित्तीय अनियमितता को अंजाम दिया है. जांच टीम ने कहां है कि अगर मामले की उच्चस्तरीय जांच हुई, तो वित्तीय अनियमितता का दायरा व्यापक हो सकता है.

प्रदेश में जांच कर रही टीम को पता चला है कि योजना राशि लूटने के लिए कागजों पर मोतियाबिंद ऑपरेशन दर्शाया गया है. इसमें फर्जी दस्तावेज का भी सहारा लिया गया है. ज्यादातर अस्पतालों में आयुष्मान योजना के तहत सिर्फ मोतियाबिंद का ही ऑपरेशन हुआ है. इतना ही नहीं, ज्यादातर अस्पतालों ने इजाल के लिए मोतियाबिंद को ही चुना है. जबकि उन अस्पतालों में कई अन्य गंभीर बीमारियों के भी इलाज होते हैं. जांच शुरू हुई होने के पहले प्रदेश में आयुष्मान योजन के तहत मोतियाबिंद के ऑपरेशन का आकड़ा 54 प्रतिशत तक पहुंच गया था. जांच के बाद यह आंकड़ा घटकर 20 से 25 प्रतिशत तक हो गया.

5 साल में हुए 3.80 लाख आंखों के ऑपरेशन

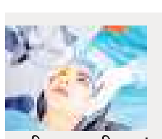

झारखंड स्वास्थ्य विभाग ने आदेश जारी करते हुए मोतियाबिंद ऑपरेशन के बाद भी मरीजों को हो रही परेशानियों का जिक्र किया है. प्रदेश में करीब 110 डॉक्टरों ने मिलकर पांच साल में 3.80 लाख लोगों की आंखों का ऑपरेशन किया, विभाग ने पहली नजर में इसे अत्यंत गंभीर और संवेदनशील बताया है. इस वित्तीय अनियमितता की जांच प्रमंडल स्तर पर क्षेत्रीय उप निदेशक की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय जांच समिति कर रही है. सभी जिले के सिविल सर्जन और सदर अस्पताल से आंख का ऑपरेशन कराने वाले मरीजों का आंकड़ा उपलब्ध कराने को कहा गया है.

जांच शुरू होते ही घट गया ऑपरेशन का आंकड़ा

मजेदार बात यह है कि गड़बड़ी की बात सामने आई, जांच शुरू हुई तो प्रदेश के 13 जिलों में मोतियाबिंद ऑपरेशन का आंकड़ा शून्य के करीब पहुंच गया. इन जिलों में चतरा ,गढ़वा, देवघर, दुमका ,हजारीबाग, जामताड़ा, कोडरमा, लातेहार, पलामू, रामगढ़, सरायकेला और सिमडेगा शामिल हैं. जबकि इन जिलों में आयुष्मान योजना के तहत इलाज हुए, उसमें 41 प्रतिशत मोतियाबिंद का ऑपरेशन का था. यह आंकड़ा अक्तूबर 22 में 38 प्रतिशत, नवंबर 22 में 53 प्रतिशत, दिसंबर 22 में 51 प्रतिशत, जनवरी 2023 में 51 प्रतिशत, फरवरी 23 में 55 प्रतिशत था. जांच शुरू हुई, कुछ नियमों में बदलाव होने के बाद अगस्त 23 में यह आंकड़ा घटकर 26 प्रतिशत पर पहुंच गया. वर्तमान में यह आंकड़ा पांच प्रतिशत तक पाया जा रहा है. राजधानी में 0 .9प्रतिशत ही मोतियाबिंद का आंकड़ा पाया गया. वहीं गोड्डा में 1.50 प्रतिशत, पाकुड में 9 प्रतिशत, पश्चिमी सिंहभूम में 1 प्रतिशत और साहिबगंज में 7 प्रतिशत मोतियाबिंद का आंकड़ा पहुंच गया है. इन पांच जिलों के अलावा अन्य किसी भी जिले में आयुष्मान भारत योजना के तहत हुए कुल इलाज के ऑपरेशन का आंकड़ा एक प्रतिशत भी नहीं पहुंच पाया है.

धनबाद में राशि हड़पने के लिए ऑपरेशन का कागजी दावा

केस 1

जांच के बद धनबाद में मोतियाबिंद का आंकड़ा तीन प्रतिशत पर पहुंचा गया है. इतना ही नहीं, जांच में पता चला है कि धनबाद में बंद पैथोलॉजिकल क्लीनिक के नाम पर सर्टिफिकेट लेकर एक क्लीनिक ने कई मरीजों का ऑपरेशन करने का कागजी दावा प्रस्तुत किया है. इतना ही नहीं, एक ही डॉक्टर के हस्ताक्षर से एक ही समय में कई मरीजों का ऑपरेशन किया गया. जांच में यह भी पता चला है कि आयुष्मान योजना के तहत इलाज वाले पंजीकृत अस्पताल ज्यादा से ज्यादा बीमा कंपनियों से राशि की निकासी के लिए तरह-तरह के हथकंडे अपना रहे हैं. मोतियाबिंद के ऑपरेशन के नाम पर खूब खेला हो रहा है.

पलामू, गढ़वा में बिना इलाज ऑपरेशन

21 मरीज, जिनका इजाल पलामू में हुआ और ऑपरेशन गढ़वा में किया गया है

केस 2

पलामू में एक अस्पताल द्वारा बीमा क्लेम के आधार पर करोड़ों के वित्तीय अनियमितता का अंजाम देने की बात समाने आ रही है. एक बीमा कंपनी ने एनआईसी की ओर से समर्पित बेनिफीसरी फीडबैक कॉलिंग रिपोर्ट के अनुसार एबी-पीएमजेएसवाई के तहत सूचीबद्ध अस्पताल की ओर से 26 ओप्थल के मरीजों का केस अस्तपाल से ब्लॉक कर उसकी सर्जरी गढ़वा जिला में की गई. जबकि नियमत यह है कि अस्पताल दूसरे जिले में जाकर मोतियाबिंद का आपरेशन नहीं कर सकते हैं. 21 मरीज ऐसे सामने आए है, जिनका इजाल पलामू में हुआ और ऑपरेशन गढ़वा में किया गया है. जांच में यह भी पता चला है कि जिन मरीजों की आंख का ऑपरेशन हुआ, वे कभी पलामू इजाल के लिए आए ही नहीं है. मरीजों के अनुसार गढ़वा के रंका में उनका ऑपरेशन किया गया.

पीएम मोदी के नए 'परिवार' पर झामुमो का कड़ा हमला

मोदी का परिवार डरने वाला है सोरेन का परिवार लड़ने वाला

विशेष संवाददाता। रांची

झामुमो ने पीएम मोदी के नए नारे मेरा परिवार पर कड़ा प्रहार किया. कहा कि समझौता करने वाले लोग ही बन सकते हैं, मोदी परिवार का हिस्सा. तेजस्वी यादव, हेमंत सोरेन ने समझौता नहीं किया, झुके नहीं, इसलिए मोदी परिवार के हिस्सा नहीं हैं. बहुत साल बाद मोदी जी को परिवार का मतलब समझ में आया. मोदी परिवार में अपर्णा, उपेंद्र रावत, पवन सिंह, कुलदीप सेंगर, नीरव मोदी, ललित मोदी, विजय माल्या, बृज भूषण सिंह, कठुआ कांड के दोषी लोग, अडाणी-अंबानी, अजित पवार, शिंदे, प्रफुल्ल पटेल आदि शामिल हैं. मोदी परिवार में चुनावी बॉड से काला धन देने वाले, पूंजीपति साथी और विदेशी ताकतें हैं. जिन्हें क्रिकेट से कोई लेना-देना नहीं, ऐसे लोग बीसीसीआई में अहम पद पर बैठे हैं. ये सब मोदी जी के परिवार के हिस्सा हैं. इनका परिवार डरने वाला है, जबकि सोरेन परिवार लड़ने वाला. अब इस देश में लोग न तो ईडी से डरते हैं, न सीबीआई से, न आईटी से. इस राज्य में भगवान बिरसा मुंडा को जेल भेजा गया, दिशुम गुरु शिबू सोरेन को जेल में रखा गया. क्या संघर्ष थमा, क्या झारखंड झुक गया. इसी तरह हेमंत सोरेन को भी जेल में रखा गया तो क्या संघर्ष थम गया, झारखंड झुक गया. झारखंडी न कभी झुका है, न कभी झुकेगा. ये बातें झामुमो के प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने मंगलवार को झामुमो कार्यालय में आयोजित एक पत्रकार सम्मेलन के दौरान कही.

सीट और प्रत्याशी का एलान नोटिफिकेशन के बाद : एक सवाल के जवाब में सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि झारखंड में इंडिया गठबंधन का स्वरूप और खाका पूरी तरह से तैयार हो चुका है. सीट और प्रत्याशियों का एलान लोस चुनाव के नोटिफिकेशन के बाद कर दिया जाएगा. हम लोग एकजुट हैं. मोदी परिवार को हराना है. राज्यसभा चुनाव में किस दल का प्रत्याशी के सवाल पर कहा कि बस इतना कह सकते हैं कि प्रत्याशी झारखंड का होगा.

बोले सुप्रियो

- समझौता करने वाले लोग ही बन सकते हैं मोदी परिवार का हिस्सा
- बिरसा मुंडा और गुरुजी के जेल जाने के बाद भी झारखंड नहीं झुका था, संघर्ष अनवरत जारी रहा
- काले धन से कितना पैसा आने के खुलासे होने की डर से स्टेट बैंक को कब्जे में लिया गया

चुनावी बॉन्ड का भांडा न फूट जाए, इसलिए मांगा समय

सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को स्पष्ट आदेश दिया था कि आप 13 मार्च तक राजनीतिक दलों के खाते में बॉन्ड से आए चंदे का हिसाब अपनी वेबसाइट पर डाल दे. लेकिन कहते हैं कि चोर, चोरी करने के हजार रास्ते निकालता है. इसी तरह एसबीआई ने शीर्ष कोर्ट में हलफनामा दायर करके 30 जून तक समय मांगा है. मतलब साफ है कि तब तक आम चुनाव हो जाएंगे. इतना ही नहीं केंद्र सरकार ने स्टेट बैंक को कब्जे में ले लिया है. आखिर भाजपा को क्या डर है. 6,500 हजार करोड़ भाजपा के फंड में आए. 1100 करोड़ कांग्रेस और कुछ पैसा टीएमसी के खाते में आया तो इसका खुलासा करने में सरकार या चुनाव आयोग इंडिया को दिक्कत क्या है.

केंद्र सरकार के इशारे पर बैंक ने मांगा जून तक समय : मीर

प्रदेश कांग्रेस प्रभारी गुलाम अहमद मीर ने कहा कि केंद्र के इशारे पर भारतीय स्टेट बैंक ने सुप्रीम कोर्ट से इलेक्टोरल बॉन्ड के मामले में डाटा देने के लिए 30 जून तक का समय मांगा है, ताकि चुनाव निकल जाए और उनके गुनाह चुनाव तक छिपे रह जाएं. सुप्रीम कोर्ट के फैसले का देश के 99 प्रतिशत लोगों ने स्वागत किया. अब यह बताएं कि आज के ऑन लाइन जमाने में इलेक्टोरल बॉन्ड से कितने पैसे आए, इसका हिसाब देने में कितना समय लगेगा. दरअसल इसके पीछे अपना काम निकल जाए, इस कृत्य पर पर्दा डाल देना और दूसरे दलों को आर्थिक दिक्कतों का सामना करना पड़े.

ये बातें मीर ने आयोजित एक प्रेस वार्ता के दौरान कही. मीर ने कहा कि भाजपा के 11 प्रत्याशी तो वास्तव में मैदान में आ गए हैं, मगर इसमें मूलवासी कितने हैं. यह बताएं. उन्होंने कहा कि गठबंधन का खाका तैयार हो चुका है. सीट शेयरिंग पर एक से दो दिनों में पर्दा उठा जाएगा. रही बात प्रत्याशी की तो इसमें हड़बड़ी क्या है. सभी मैदान में उतर चुके हैं. फेज वाइज प्रत्याशियों का एलान होगा. राज्यसभा चुनाव को लेकर पुछे गए सवाल के जवाब में मीर ने कहा कि प्रत्याशी उनके पास भी हैं, हमारे पास भी. मगर इतना तय है कि गठबंधन का एक प्रत्याशी होगा. यह भी एक दो दिनों में तय हो जाएगा.

मांगें पूरी होने तक किसानों का संघर्ष जारी रहेगा

आज दिल्ली कूच, 10 को रोकेंगे रेल

कुमार माधवन

बुधवार को किसान विरोध प्रदर्शन करने दिल्ली पहुंचने वाले है. बीते रविवार को किसानों ने दिल्ली चलो मार्च के लिए नया शेड्यूल जारी किया था, जिसके अनुसार देशभर के किसानों से 6 मार्च को दिल्ली पहुंचने की अपील की गयी थी. साथ ही किसान नेताओं ने 10 मार्च को ट्रेन रोको आंदोलन का भी ऐलान किया है. किसान नेता सरवन सिंह पंढेर ने कहा है कि दूर-दराज के राज्यों के किसान, जो ट्रैक्टर ट्रॉली से दिल्ली नहीं पहुंच सकते, वह ट्रेनों और ट्रांसपोर्ट के अन्य साधनों से दिल्ली पहुंचें. पंढेर ने किसान संगठनों से 10 मार्च को दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक चार घंटे ट्रेन रोकने का भी आह्वान भी किया है.

मांगें पूरी होने तक संघर्ष जारी रहेगा

एक अन्य किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल ने कहा कि किसानों का 'दिल्ली चलो' का कार्यक्रम कायम है. उन्होंने कहा कि हालांकि केंद्र ने उन्हें नए दौर की बातचीत के लिए आमंत्रित नहीं किया है, लेकिन जब भी सरकार ने उन्हें आमंत्रित किया है, उन्होंने बातचीत के लिए कभी मना नहीं किया. डल्लेवाल ने कहा कि शुभकरण सिंह का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा और मांगें पूरी होने तक संघर्ष जारी रहेगा.

किसानों को मिला नाना पाटेकर का साथ

देश में चल रहे किसान आंदोलन में बॉलीवुड एक्टर नाना पाटेकर की भी एंट्री हो गई है. उन्होंने बड़ा बयान दिया है. एक्टर ने किसानों का सपोर्ट किया है. नाना ने किसानों से अपना फैसला लेते हुए सरकार चुनने की बात कही है. नाना का कहना है कि अब वक्त है कि किसान कुछ मांगे नहीं, बल्कि तय करें कि उन्हें देश में किसकी सरकार लानी है. अपना हक मांगने का नहीं छीनने का समय है.

राजनीति

पांच साल में सिर्फ कोयला क्षेत्र में गये गिरिडीह सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी

बाकी जगहों को किया दरकिनार, नहीं पहचानते लोग

सत्य शरण मिश्रा। रांची

भाजपा ने झारखंड के 11 लोकसभा सीटों के लिए प्रत्याशी की घोषणा कर दी है. गिरिडीह लोकसभा का सीट आजसू को मिलना तय है. लेकिन खबर है कि आजसू इस लोकसभा से प्रत्याशी नहीं उतारना चाहती. वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में इस सीट से आजसू के चंद्रप्रकाश चौधरी ने जीत दर्ज की थी.

कुर्मी बहुल लोकसभा क्षेत्र के मतदाताओं में उम्मीद जगी थी कि अब गिरिडीह विकास की राह पर आगे बढ़ेगा. सांसद चौधरी लोगों के दुख-दर्द को दूर करेंगे, लेकिन ऐसा हो न सका. लोकसभा क्षेत्र के 60 फीसदी से अधिक इलाकों के मतदाता आज तक अपने सांसद को ठीक से देख भी नहीं पाये हैं. क्योंकि सांसद कभी अपने लोकसभा क्षेत्र के अधिकांश इलाकों में पहुंचे ही नहीं. पूरा लोकसभा क्षेत्र सांसद प्रतिनिधि और अपने कुछ खास कार्यकर्ताओं के जिम्मे छोड़ कर सिर्फ कोयला क्षेत्रों में आते-जाते रहे. चौधरी का ज्यादातर दौरा गिरिडीह टाउन, फुसरो, बाघमारा, पेटरवार, गोमिया, जरीडीह, डुमरी, कसमार और टुंडी जैसे कोयला क्षेत्रों में ही हुआ.

2019 के चुनाव में इस सीट से आजसू के चंद्रप्रकाश चौधरी ने जीत दर्ज की थी

सांसद से जनता और नेता दोनों हैं नाराज

सांसद की बेरुखी की वजह से लोकसभा क्षेत्र के अधिकांश इलाकों के लोगों में नाराजगी है. भाजपा के कई नेता-कार्यकर्ता भी नाराजगी जताते हैं. चंद्रप्रकाश चौधरी के सांसद बनने के बाद गिरिडीह में मजबूत रही भाजपा कमजोर पड़ गयी. आजसू से गंठबंधन बनाये रखने के बदले भाजपा को अपने तेज-तर्रार रविंद्र पांडेय को खत्म करना पड़ा. चुनाव जीतने के बाद चंद्रप्रकाश चौधरी आजसू के कुछ खास नेताओं से ही घिरे रहे. गिरिडीह लोकसभा के प्रमुख भाजपा नेताओं से उन्होंने दूरी बनाये रखा. यही कारण है कि चुनाव से पहले वो दूसरे सेफ सीट की तलाश करने लगे थे. चर्चा शुरू हुई कि इस बार चंद्रप्रकाश के लिए आजसू हजारीबाग लोकसभा सीट की मांग करेगी. इस चर्चा पर तब विराम लग गया जब पहली लिस्ट में भाजपा ने हजारीबाग सीट से विधायक मनीष जायसवाल के नाम की घोषणा कर दी. अब अगर आजसू को कोई एक सीट मिलता है, तो वह गिरिडीह के अलावा कोई और नहीं हो सकता. क्योंकि चतरा और धनबाद को भाजपा किसी भी कीमत पर दूसरे दल को दे नहीं सकती.

रिम्स ओपीडी

विभाग — डॉक्टर का नाम

- मेडिसिनः डॉ बिंदे कुमार
- सर्जरीः डॉ विनय प्रताप
- न्यूरोसर्जरीः डॉ सीबी सहाय
- ऑर्थोपेडिकः डॉ जीके गुप्ता
- कार्डियोलॉजीः डॉ पीके श्रीवास्तव
- टीबी एवं चेस्टः डॉ ब्रजेश मिश्रा
- नेत्रः डॉ दीपक लकड़ा
- ऑब्स गायनीः डॉ अतीमा भारती
- ईएनटीः डॉ जेडएम खान
- सीटीवीएसः डॉ राकेश कुमार
- सायकेट्रीः डॉ अजय बाखला
- पीडियाट्रिक सर्जरीः डॉ अभिषेक कुमार सिंह
- न्यूरोलॉजीः डॉ सुरेंद्र कुमार

सदर अस्पताल

- मेडिसिनः डॉ बीएन पोद्दार, डॉ रुचिका
- ऑब्स एंड गायनीः डॉ वसुधा, डॉ वीणा विनायक
- शिशु रोगः डॉ संतोष
- हेमाटोलॉजीःडॉ अभिषेक रंजन
- यूरोलॉजीः डॉ प्रशांत कुमार
- कार्डियो डायबिटिकः डॉ एके झा
- गैस्ट्रोएंटरोलॉजीः डॉ जयंत घोष
- अंकोलॉजीः डॉ गुंजेश कुमार

शहर में आज

1. कैबिनेट की बैठक, विधानसभा में दिन के 11 बजे
2. इंटरनेशनल ट्रेड फेयर मोरहाबादी मैदान में दिन के 11 बजे
3. पीजीटी अभ्यर्थियों का धरना, राजभवन के समक्ष दिन के 11 बजे
4. शहर के अन्य हिस्सों में कार्यक्रम दिन के 10 बजे से

सूचना: शहर में होनेवाले कार्यक्रम, सेमिनार, प्रतियोगिता सहित अन्य गतिविधियों और खबरों से संबंधित जानकारी दैनिक शुभम संदेश के वाट्स ऐप नं 8102917469 पर दे सकते हैं.

ब्रीफ खबरें

कांग्रेसी मंत्रियों को चुनावी तैयारी में जुटने के निर्देश

रांची। आलाकमान की कड़ी हिदायत के बाद कांग्रेस के चारों मंत्री दिल्ली से लौट आए हैं. आलाकमान ने मंत्री डॉ. रामेश्वर उरांव, आलमगीर आलम, बादल पत्रलेख और बन्ना गुप्ता को दिल्ली बुलाया था. वहां कांग्रेस के मंत्री पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, पार्टी महासचिव केसी वेणुगोपाल से मिले. खड़गे ने कांग्रेस के मंत्रियों से दो टूक कहा कि पार्टी ने उन पर भरोसा किया है, इसका यह मतलब नहीं है कि अन्य विधायक इसके लिए योग्य नहीं हैं. विधायक, पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं की शिकायतों को वहीं निबटाएं. आगे कोई शिकायत दिल्ली में उनलोगों तक नहीं पहुंचे. मंत्रियों से पूरी मजबूती के साथ लोकसभा चुनाव की तैयारी में जुट जाने का निर्देश भी दिया गया. इस दौरान झारखंड प्रभारी गुलाम अहमद मीर, प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर आदि मौजूद थे.

झामुमो ने जनजातियों का अपमान किया: प्रतुल

रांची। भाजपा ने झामुमो पर पलटवार किया है. प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने कहा कि देश के गौरव भगवान बिरसा मुंडा से भ्रष्टाचार के आरोपी हेमंत सोरेन की तुलना करना पूरे देश के जनजातीय समाज का अपमान करने जैसा है. 10 वर्ष तक बिना छुट्टी लिए हर त्यौहार को सैनिकों के साथ मनाने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का परिवार देश के 140 करोड़ देशवासी हैं. पीएम मोदी का परिवार वे किसान, वेबहनें, वे युवा, वे छोटे व्यवसाय हैं जिनके लिए उन्होंने कुछ ना कुछ कल्याणकारी योजना अवश्य चलाई है.

एचईसी में 49वें दिन भी श्रमिकों का आंदोलन जारी, अब बदली आंदोलन की रूपरेखा

5 यूनियन प्लांट के अंदर और 2 यूनियन मुख्यालय के बाहर, किया प्रदर्शन

संवाददाता। रांची

एचईसी में 49 वें दिन भी मजदूरों का आंदोलन जारी रहा, लेकिन आंदोलन की रूपरेखा बदल गई है. पहले एचईसी बचाओ मजदूर जन संघर्ष समिति के बैनर तले सात यूनियन एक साथ एक मंच पर प्रदर्शन कर रही थीं. धरना-प्रदर्शन एचएमबीपी गेट के सामने सामूहिक रूप से हो रहा था.

मंगलवार को पांच यूनियन समर्थकों (हटिया मजदूर लोक मंच, एचईसी लिमिटेड श्रमिक कर्मचारी यूनियन, हटिया कमगार यूनियन एटक, एचईसी श्रमिक संघ, जनता मजदूर यूनियन) ने प्लांट के अंदर प्रदर्शन किया. वहीं, हटिया मजदूर यूनियन और सप्लाई संघर्ष समिति के समर्थकों ने एचईसी मुख्यालय के सामने प्रदर्शन किया.

आज करेंगे सांसद का पुतला दहन : एचईसी बचाओ मजदूर जन संघर्ष समिति के दो यूनियनों के समर्थकों ने मंगलवार को मुख्यालय के सामने प्रदर्शन किया. इस दौरान एचईसी परिसर में रैली निकाल कर प्रबंधन विरोधी नारे लगाए. मौके पर महेंद्र कुमार, दीपक कुमार, भवन सिंह, हरेंद्र यादव समेत सैकड़ों मजदूर मौजूद थे. वहीं, बुधवार सुबह दोनों यूनियन मुख्यालय से धुर्वा गोलचक्कर तक रैली निकाली जाएगी. इसके बाद रांची सांसद संजय सेठ का पुतला दहन करेंगे.

भवन सिंह ने पांचों यूनियनों को आड़े हाथों लिया

हटिया मजदूर यूनियन के भवन सिंह ने पांचों यूनियनों को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि इन लोगों को जाना ही था और प्रबंधन के आगे सरेंडर ही करना था, तो कर देते. मगर मजदूरों से झूठ क्यों बोला कि लॉक आउट हो जाएगा, इसलिए कारखाना में घुस रहे हैं. क्या ये लोग कोई भी ऐसी चिट्ठी प्रबंधन या श्रम विभाग का दिखाएंगे. जिसमें प्रबंधन ने श्रम विभाग को लॉक आउट करने हेतु परमिशन मांगा हो? श्रम विभाग को नोटिस था, तभी तो उप मुख्य श्रमायुक्त ने धनबाद में संघर्ष समिति के साथ 1 मार्च को बैठक बुलायी थी. लेकिन ये डरपोक यूनियन वहां नहीं गए. गुपचुप तरीके से आंदोलन से वापस जाने का प्लान बनाया और मजदूरों की एकता में फूट डाल कर, मजदूरों में भय पैदा कर मैदान छोड़ भाग खड़े हुए. उन्होंने यह भी कहा कि प्रबंधन स्थायी और सप्लाई मजदूरों में विभेद तो पहले से ही करना चाहती थी, लेकिन हर बार मात खाती रही थी.

मजदूरों ने तीन प्लांट के अंदर किया प्रदर्शन

एचएमबीपी में शनि कुमार, जेएस मुखर्जी, एमपी रामचंद्रम, संजय सिन्हा के नेतृत्व मे स्थायी एवं ठेका मजदूरों ने मिल कर प्रदर्शन किया. वहीं एचएमटीपी और एफएफपी में प्रकाश कुमार, विमल महली, सन्त सुजीत सुजान के नेतृत्व में मजदूरों ने प्रदर्शन किया. इस दौरान वेतन भुगतान, 2023 से फरवरी 2024 तक ठेका का नियमितीकरण, ईएसआई के बकाये पैसे का भुगतान, 2018 में बहाल किए गए कर्मचारियों का अविलंब प्रमोशन एवं बकाया वेतन का भुगतान करने की मांग की गई.

प्रत्याशी घोषित के पूर्व कांग्रेस प्रभारी ने नापी कार्यकर्ताओं की नब्ज

भाजपा को उखाड़ फेंकेंगे: मीर

- प्रदेश कांग्रेस प्रभारी गुलाम अहमद मीर ने रांची एवं खूंटी लोकसभा समन्वय समिति के साथ की बैठक

विशेष संवाददाता। रांची

लोकसभा चुनाव और चुनाव में प्रत्याशी घोषित करने के पूर्व प्रदेश प्रभारी गुलाम अहमद मीर ने कार्यकर्ताओं का नब्ज नापने का काम किया. प्रभारी मीर ने अपने झारखंड दौरे के पहले दिन रांची और खूंटी लोकसभा समन्वय समिति के साथ बैठक की, जिसमें पार्टी के नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए. इस दौरान मीर ने कार्यकर्ताओं में उत्साह भरते हुए वोट के प्रतिशत पर ध्यान दिलाया.

उन्होंने कहा कि जहां भाजपा को सिर्फ 38 प्रतिशत वोट मिले हैं, वहीं इंडिया गठबंधन को 62 प्रतिशत वोट मिले हैं. उन्होंने आश्वस्त किया है कि लोकसभा से प्रत्याशियों के चुनाव में मूलवासी, युवा चेहरा, महिला एवं अनुभवी वरिष्ठ कांग्रेसजनों को भी ध्यान में रखा जाएगा. कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि अगर आप ठान लें, तो भाजपा को उखाड़ फेंकेंगे, क्योंकि आप उनसे कहीं ज्यादा मजबूत हैं.

कार्यकर्ताओं को उचित मान-सम्मान मिले : ठाकुर

रांची लोकसभा समन्वय समिति की बैठक मंगलवार को रांची में हुई. अध्यक्षता करते हुए प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर कार्यकर्ताओं से कहा कि बूथ का प्रबंधन हर हाल में मजबूत होना चाहिए. उन्होंने प्रदेश प्रभारी को अवगत कराया कि कार्यकर्ताओं को उचित मान-सम्मान मिले, ताकि उनका मनोबल बढ़ा रहे और जोश के साथ चुनाव समर के लिए कमर कस लें.

पार्टी के उम्मीदवार को जिताएंगे : सुबोधकांत

पूर्व मंत्री सुबोधकांत सहाय ने कहा कि पार्टी जिस किसी को भी रांची से अपना उम्मीदवार बनाएगी, उसको जीत दिलाने के लिए अपनी पूरी भूमिका निभाएंगे. कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की ने कहा कि भाजपा सरकार आदिवासी विरोधी होने के साथ-साथ जल, जंगल और जमीन को अडानी के हाथों में सौपने की तैयारी में है. कृषि मंत्री बादल पत्रलेख ने कहा कि रांची लोकसभा पूरे झारखंड की दिशा और दशा तय करती है. विधायक राजेश कच्छप ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने देश में सूई से लेकर जहाज बानाने तक के काम किए हैं, जिसे आज भाजपा सरकार बेचने का काम कर रही है. बैठक में सरायकेला खरसांवा जिलाध्यक्ष अंबुज कुमार, अनादि ब्रह्म, रमा खलखो, कुमार राजा, राकेश किरण, अमूल्य नीरज खलखो, सुंदरी तिर्की, नीतू देवी, शिवटहल नायक, सतीश पॉल मुंजनी, मानस सिन्हा, मदन मोहन शर्मा, संजय पांडेय, सोनल शांति, लाल प्रेम प्रकाश शाहदेव, चंचल चटर्जी, अजय नाथ शाहदेव, सुरेंद्र सिंह एवं आभा सिन्हा आदि मौजूद थे.

ईवीएम हटाओ देश बचाओ के नारे के साथ पैदल मार्च

रांची। संयुक्त मोर्चा के द्वारा मंगलवार को मोरहाबादी से राजभवन तक ईवीएम हटाओ देश बचाओ के नारे के साथ पैदल मार्च किया गई. इस मार्च में लोग ईवीएम हटाने के स्लोगन, तख्ती, बैनर के साथ चल रहे थे. साथ ही बैलेट पेपर से चुनाव कराने की मांग कर रहे थे. संयुक्त मोर्चा के सदस्यों ने राज्यपाल के माध्यम से राष्ट्रपति और चुनाव आयोग को ज्ञापन सौंपा और बैलेट पेपर से चुनाव कराने की मांग की. मोरहाबादी से पैदल मार्च करते हुए राजभवन के समक्ष सभा को संबोधित करते हुए मुख्य संयोजक आरपी रंजन ने कहा कि ईवीएम मशीन से वोटों की चोरी होती है, इसलिए ईवीएम मशीन को प्रतिबंधित कर पलेट पेपर से चुनाव कराया जाए. ऐसा नहीं होने पर मोर्चा झारखंड में जोरदार आंदोलन करेगी उन्होंने सरकार और चुनाव आयोग की चुनौती देते हुए कहा कि पूरे देश में ईवीएम के खिलाफ जनता सड़क पर आंदोलनरत है फिर भी सरकार और चुनाव आयोग चुप्पी साधे हुए हैं.

राज्यपाल से मिले रिम्स निदेशक डॉ. राजकुमार

रांची। रिम्स के निदेशक सह सीइओ डॉ राज कुमार ने मंगलवार को राजभवन में राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन से मुलाकात की. इस दौरान रिम्स निदेशक ने रिम्स में उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी भी दी. राजभवन ने इसे शिष्टाचार भेंट बताया है.

रौनियार समाज को चतरा लोस का टिकट देने की मांग

संवाददाता। रांची

अखिल भारतीय रौनियार वैश्य महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं प्रदेश अध्यक्ष अपनी पूरी टीम के साथ प्रेस वार्ता की. उन्होंने मांग की कि हमारे समाज के लोग देश की आजादी के बाद आज तक भाजपा को वोट देते आ रहे हैं. लेकिन भाजपा द्वारा पूरे भारत में किसी भी रौनियार समाज को न विधानसभा और ना ही लोकसभा का टिकट दिया गया. पिछली बार तत्कालीन मुख्यमंत्री रघुवर दास द्वारा आश्वासन दिया गया था कि 2024 के लोकसभा और विधानसभा चुनाव में समाज के प्रतिनिधि को टिकट मिलेगा. निर्णय लिया गया कि 8 मार्च को ओडिशा के राज्यपाल रघुवर दास से मिलकर ठोस निर्णय लेंगे. समाज ने भाजपा से मांग की कि चतरा लोकसभा और चार विधानसभा का टिकट रौनियार समाज को दिया जाए.

आदिवासी रैयती जमीन को माइनिंग के लिए लीज पर देने का मामला

कमिश्नर जांच कर छह महीने में देंगे रिपोर्ट

विशेष संवाददाता। रांची

आदिवासी रैयती जमीन को माइनिंग लीज पर दिए मामले की जांच सरकार कराएगी. वित्त मंत्री और राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव ने दिया है. कोल्हान के प्रमंडलीय आयुक्त 45 दिनों के अंदर जांच करके अपनी रिपोर्ट छह महीने में सरकार को सौंपेगी. यह मामला बहुत दिन से चल रहा है औक कई बार आंदोलन भी हो चुके हैं.

झामुमो विधायक लोबिन हेंब्रम ने उठाया था मामला : बता दें कि झामुमो विधायक लोबिन हेंब्रम ने बीते दिनों विधानसभा में यह मामला उठाया था. उन्होंने कहा था कि राज्य के संथाल परगना प्रमंडल में एसपीटीए एक्ट 1949 की धारा 20 में आदिवासी का जिक्र है. जिसमें कहा गया कि भूमि की लीज, बंदोबस्ती या किसी भी प्रकार का हस्तांतरण, खरीद और बिक्री पूर्णतः प्रतिबंधित है. इस धारा के विरुद्ध किसी भी कोर्ट में सुनवाई तक नहीं हो सकती है. मगर लगातार इस एक्ट का उल्लंघन हो रहा है. इसी प्रकार सीएनटी-1908 की धारा 46 के प्रावधानोंके विपरीत कोल्हान प्रमंडल के पश्चिमी सिहंभूम जिले के सभी प्रखंडों और अंचलों की आदिवासी रैयती भूमि पर आयरन ओर, मैगनीज, लाइम स्टोन, डोलामाइट केयनाइटआदि को लीज पर दे दिया गया. यह एक बेहद गंभीर मसला है.

इतना ही नहीं यह सीएनटी की धारा 48 का उल्लंघन कर आदिवासी लैंड की खरीद-बिक्री एवं प्रकृति को बदला जा रहा है. लोबिन हेंब्रम ने कहा था कि धार्मिक भूमि, भुईंहरी, डाली कतारी, सरना दोन की जमीन लूटी जा रही है.

दिया आदेश

- यह मामला बहुत दिनों से चल रहा है, आंदोलन भी हुआ है
- एसपीटीए एक्ट 1949 की धारा में 20 आदिवासियों का जिक्र है

झामुमो का उपवास 19वें दिन भी जारी रहा

हेमंत सोरेन को झूठे मुकदमे में फंसाने का लगाया आरोप

विशेष संवाददाता। रांची

हेमंत सोरेन को लेकर झामुमो का उपवास 19 वें दिन भी जारी रहा. रांची के मोरहाबादी मैदान स्थिति गांधी वाटिका के समक्ष मंगलवार को इसका नेतृत्व पूर्वी सिंहभूम जिला के केंद्रीय सदस्य मोहन कर्मकार ने किया. इस मौके पर रांची जिला अध्यक्ष मुस्ताक आलम भी शामिल हुए. मोहन कर्मकार ने कहा एक छोटे से मामले को बड़ा बनाकर बिना कोई ठोस सबूत के हमारे नेता हेमंत सोरेन को जेल भेजा गया है.

हमें न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है कि उन्हें न्याय मिलेगा और निश्चित तौर पर वह जल्द हमारे बीच होंगे. अगर चुनाव की हम बात कहें तो आज निश्चित तौर पर झामुमो का हर एक-एक कार्यकर्ता हेमंत सोरेन बन चुका है. रांची जिला अध्यक्ष मुश्ताक आलम ने कहा हेमंत सोरेन को न्याय दिलाने के लिए पार्टी के कार्यकर्ता हर पंचायत में न्याय यात्रा भी निकाल रहे हैं. लगातार अपना विरोध दर्ज कर रहे हैं. केंद्र की तानाशाह मोदी सरकार को आगामी चुनाव में निश्चित ही जवाब मिलेगा.

कार्यक्रम में राजू गिरि, मनोज यादव, शंकर चंद्र हेंब्रम, आदित्य प्रधान, ललित मार्डी, समनूर मंसूरी, वकील हेंब्रम, राकेश मुर्मू, पप्पू उपाध्याय, रामचंद्र हेंब्रम, उमा नाथ झा, जगन टुडू, चंद्रावती महतो, हीरामणी मुर्मू, नीता सरकार आदि शामिल थे.

संदेशखाली में महिलाओं के शोषण के विरोध में एबीवीपी का धरना, कहा

कार्रवाई नहीं हुई, तो आंदोलन

संवाददाता। रांची

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा मंगलवार को संदेशखाली में महिलाओं के साथ हुए शोषण की जघन्य घटना के विरोध में जिला मुख्यालय के बाहर धरना प्रदर्शन किया गया. मौके पर मौजूद विद्यार्थी परिषद के जिला संयोजक अमर सिंह ने कहा कि पश्चिम बंगाल के उत्तर चौबीस परगना जिले के संदेशखाली में तृणमूल कांग्रेस नेताओं द्वारा महिलाओं के साथ सामूहिक बलात्कार, जमीन कब्जाने तथा अपराध से भयमुक्त वातावरण निर्माण कर स्थानीय हिंदू परिवारों को पलायन करने को मजबूर किया गया है. इसके विरोध में राज्य के सभी जिलों में कार्यकर्ताओं ने जिला मुख्यालय के बाहर धरना प्रदर्शन कर राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन दिया हैं.

वहीं महानगर मंत्री ऋतुराज शाहदेव ने कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार भ्रष्टाचारियों व अपराधियों का संरक्षण कर रही है. आज आम जनमानस तुष्टीकरण की नीति से त्रस्त है. एक ओर राज्य सरकार के द्वारा संरक्षित भ्रष्टाचारी हर ओर भ्रष्टाचार कर आम लोगों का हक मार रहे हैं. वहीं, दूसरी ओर कानून व्यवस्था की जर्जर स्थिति से अपराधियों के हौसले बुलंद हैं.

पश्चिम बंगाल में कानून व्यवस्था की जर्जर स्थिति से अपराधियों के हौसले बुलंद हैं. संदेशखाली में जिन पीड़िताओं के साथ ज्यादती हुई, उनमें से अधिकांशतः पिछड़े वर्ग तथा अनुसूचित जाति वर्ग की महिलाएं हैं. अति शीघ्र संदेशखाली के अपराधियों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई की जाए, अन्यथा विद्यार्थी परिषद आंदोलन के लिए बाध्य होगी. मौके पर विद्यानंद राय, शुभम पुरोहित, अभिनव जीत, कार्तिक गुप्ता, साक्षी गुप्ता, मनीष सिंह, किरण कुमारी, सिद्धांत श्रीवास्तव, सोनी कुमारी, सतीश केशरी, यश चौरसिया, संजना सिंह, गोपाल चौहान, गुड्डू राय, तुषार दुबे, सचिन सिंह, कृष्णा कुमार एवं अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे.

खोला मोर्चा

- प. बंगाल सरकार पर अपराधियों को संरक्षण देने का लगाया आरोप
- संदेशखाली के अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग

शहरी क्षेत्र के मतदाताओं को जागरूक करेगा नगर निगम

संवाददाता। रांची

आगामी लोकसभा चुनाव को देखते हुए नगर निगम द्वारा पूरे शहर में व्यापक मतदान जागरूकता अभियान चलाया जाएगा. इसके लिए मंगलवार को अपर प्रशासक कमलाकांत गुप्ता की अध्यक्षता में डे एनयूएलएम शाखा के पदाधिकारियों और सामुदायिक संगठनकर्ताओं के साथ बैठक की गई. इसमें आम निर्वाचन से संबंधित तैयारियों और रांची नगर निगम की सहभागिता के साथ मतदान करने के लिए सभी मतदाताओं को प्रेरित करने के लिए अपर प्रशासक द्वारा कई दिशा-निर्देश दिए गए.

अपर प्रशासक कमलकांत गुप्ता ने कहा कि मतदान करना हम सबका अधिकार और कर्तव्य है. इसलिए निगम क्षेत्रांतर्गत सभी लोग इसे लेकर जागरूक हो, यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है. तय किया गया कि मतदान से संबंधित विभिन्न प्रचार प्रसार हेतु स्वयं सहायता समूह की महिलाएं समय-समय पर बैठक कर लोगों को जागरूक करने का कार्य करेंगी. निगम से जुड़े सभी महिला समूह अपने क्षेत्रों में चुनाव का पर्व, देश का गर्व के जागरूकता हेतु घर-घर जा कर सभी मतदाताओं को मतदान करने हेतु प्रेरित करेंगी. सभी कूड़ा संग्रहण करने वाली गाड़ियों में मतदान से संबंधित जिंगल बजाए जाएंगे. सभी वार्ड में स्वयं सहायता समूह की महिलाएं समय-समय पर जागरूकता रैली, विभिन्न गतिविधियां, पंपलेट्स का वितरण इत्यादि कार्य भी करेंगी. निगम के सभी जोनल सुपरवाइजर एवं वार्ड सुपरवाइजर अपने अपने वार्ड में स्वच्छता विंडो अभियान के साथ साथ मतदान से संबंधित जागरूकता अभियान चलाएंगे.

चुनाव जागरूकता

- मतदान करने के लिए सभी मतदाताओं को प्रेरित करेंगे
- मतदान करने के लिए सभी मतदाताओं को प्रेरित

समीक्षा बैठक

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत झारखंड में चल रहे विभिन्न कार्यक्रमों की समीक्षा

20 लाख सिकल सेल मरीजों की जांच का रखा लक्ष्य

संवाददाता। रांची

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत झारखंड में चल रहे विभिन्न कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक संयुक्त सचिव आराधना पटनायक की अध्यक्षता में मंगलवार को नेपाल हाउस में की गई. इस दौरान आराधना पटनायक ने कहा कि आईएमआर, एमएमआर, एनएमआर, यूएमआर के स्वास्थ्य सूचकांक लक्ष्य के अनुरूप कार्य करते हुए राष्ट्रीय स्वास्थ्य सूचकांक के समकक्ष लाना है.

राज्य में सिकल सेल के मरीज बहुत हैं, लेकिन सिकल सेल की स्क्रीनिंग कम हो रही है. उन्होंने पीओसी किट आने के बाद तेजी से काम करने का निर्देश दिया. इसके साथ ही 20 लाख सिकल सेल मरीजों की जांच का लक्ष्य रखा गया है. प्रदेश में अब तक 3104 आयुष्मान आरोग्य मंदिर कार्यरत हैं, शेष आयुष्मान आरोग्य मंदिर को शीघ्र क्रियाशील करने का निर्देश दिया गया. इसके अलावा हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर का नाम बदल कर आयुष्मान आरोग्य मंदिर करने के निर्देश दिए गए.

सीएचओ से इसमें जल्द से जल्द भर्ती एवं प्रशिक्षण कार्य सुनिश्चित करने को कहा गया. टेलीमानस को टेलीकंसल्टेशन से जोड़ने का निर्देश आयुष्मान आरोग्य मंदिर में होने वाले 12 तरह की जांच के लिए अलग-अलग आईईसी बनाने का निर्देश दिया गया. भ्रमण के दौरान आराधना पटनायक ने खूंटी जिला के कालामाटी तथा सपारोम आयुष्मान भारत आरोग्य मंदिर का भ्रमण किया.

उन्होंने आयुष्मान भारत आरोग्य मंदिर में सभी आवश्यक दवाएं रखने का निर्देश भी दिया. मरीजों की ऑनलाइन प्रविष्ट पोर्टलों को अपडेट करने का निर्देश दिया. उन्होंने स्वास्थ्य, योग और स्वस्थ आहार पर ध्यान देने को कहा. साथ ही स्वास्थ्य सेवाओं के सभी 12 पैकेज आयुष्मान भारत आरोग्य मंदिर में सुनिश्चित करने को कहा. बैठक में विभागीय अधिकारी मौजूद थे.

विभागीय कवायद

- झारखंड में सिकल सेल के मरीज ज्यादा, स्क्रीनिंग कम
- अब हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर का नाम आरोग्य मंदिर होगा

लघु उद्योग भारती, झारखंड का प्रतिनिधिमंडल उद्योग सचिव से मिला

पीसीसी में उचित प्रतिनिधित्व की मांग

संवाददाता। रांची

लघु उद्योग भारती, झारखंड का प्रतिनिधिमंडल प्रांतीय अध्यक्ष विजय कुमार छापड़िया के नेतृत्व में उद्योग सचिव जितेन्द्र सिंह से मिला. प्रतिनिधिमंडल ने झारखंड स्थित विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों के अधिसंरचनाओं विशेष कर बोकारो, आदित्यपुर एवं रांची के हालात पर ध्यान देने का आग्रह किया. सचिव को सड़क, सफाई, कानून व्यवस्था आदि के बारे में ध्यान आकृष्ट कराया.

इसके अलावा प्रोजेक्ट क्लीयरेंस कमेटियों (पीसीसी) में लघु उद्योग भारती को उचित प्रतिनिधित्व देने, राज्य स्थित स्टेट फैलिसिटेशन कौन्सिल की लंबित बैठक को जल्द करने व उसमें लघु उद्योग भारती के सदस्यों को भी को नामित करने का आग्रह किया गया. सरिता पांडे ने राज्य में आयोजित होने वाले उद्योग मेला में लघु उद्योग भारती की महिला सदस्यों के लिए स्टाल आवंटन में प्राथमिकता देने का निवेदन किया. इन सभी विषयों पर सकारात्मक विचार करते हुए सचिव ने जल्द अनुमोदन का आश्वासन दिया. इसी क्रम में रातू रोड स्थित झारक्राफ्ट कार्यालय में नवनियुक्त महानिदेशक कृतिश्री से भी प्रतिनिधिमंडल ने शिष्टाचार भेंट की. प्रतिनिधिमंडल ने झारक्राफ्ट के विभिन्न कार्यकलापों में लघु उद्योग भारती के महिला सदस्यों को भी अवसर देने व प्रोत्साहित करने का विनम्र आग्रह किया.

तापमान
27.4° | 16.2°
अधिकतम | न्यूनतम

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

पेज 10

www.lagatar.in | बुधवार 06 मार्च 2024 ● फाल्गुन कृष्ण पक्ष 11 , संवत 2080 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~6~~ ● वर्ष : 1, अंक : 318 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

ब्रीफ खबरें

गौशाला न्यास के ट्रस्टी हरिकृष्ण बजाज नहीं रहे

रांची। गौशाला न्यास के ट्रस्टी हरिकृष्ण बजाज नहीं रहे.

मंगलवार को उनका निधन हो गया. सेवा सदन में स्व. बजाज का इलाज चल रहा था. वे पुत्र रवि बजाज सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गये हैं. उनके निधन से मारवाड़ी समाज मर्माहत है. भाई श्यामकृष्ण बजाज ने बताया कि बुधवार को मुक्तिधाम, हरमू में उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा.

एक घंटे से ज्यादा ठप रहा फेसबुक-इंस्टाग्राम

रांची। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक और इंस्टाग्राम मंगलवार रात अचानक डाउन हो गए. इससे लोग परेशान हो गये. हालांकि एक घंटे बाद सबकुछ अपने आप ठीक हो गया. इस संबंध में फेसबुक और इंस्टाग्राम की तरफ से कोई अधिकृत जानकारी नहीं दी गयी है.

बिजली करंट लगने से पिता पुत्री की मौत

इटकी। चिनारों पुरियो पंचायत के सौका गांव के ग्राम प्रधान संजय लकड़ा और उसकी 6 वर्षीय बेटी की बिजली का करंट लगने से मौत हो गई. संजय अपनी बेटी के साथ खेत देखने गए थे. तभी बच्ची बिजली के तार की चपेट में आ गई. बच्ची को बचाने के लिए दौड़े पिता को भी करंट ने चपेट में ले लिया. काफी देर तर जब दोनों घर नहीं लौटे तो खोजबीन हुई, तो लोग खेत पहुंचे जहां दोनों मृत पाए गए. पुलिस ने शवों का पोस्टमार्टम करवा कर घर वालों को सौंप दिया. बाद में दोनों शवों का अंतिम संस्कार कर दिया गया.

रिम्स परिसर से डॉ. बिंदे की कार चोरी

रांची। रिम्स में मेडिसिन विभाग के प्रोफेसर डॉ. बिंदे कुमार की ऑल्टो कार परिसर से चोरी हो गयी. डॉ. बिंदे ने कहा कि मैं ड्यूटी के लिए सुबह रिम्स पहुंचा. जब मैं दोपहर में कार देखने गया तो गायब थी. सहयोगियों के साथ परिसर में कार ढूंढ़ी, लेकिन मिली नहीं. सीसीटीवी में पता चला कि एक व्यक्ति 9:34 पर आया है और गाड़ी लेकर फरार हो गया. इसके लिए पुलिस की ओर से पूरे इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगाला जा रहा है.

पंडरा में चोरी का हुआ खुलासा, 3 गिरफ्तार

रांची। पंडरा के ओझा मार्केट की बर्तन की दुकान में चोरी का पुलिस ने खुलासा किया है. कोतवाली डीएसपी के नेतृत्व में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए चोरी में शामिल अमृत, नीरज और सूरज को गिरफ्तार किया है. उनके पास से चोरी किया कांसे का बर्तन मिला है. गौरतलब है कि बीते चार मार्च को दुकान के मालिक कौशल कुमार ने चोरी की शिकायत पंडरा ओपी में किया था. दर्ज कराई गई शिकायत में कहा था कि दुकान में करकट काटकर अज्ञात चोरों ने लगभग डेढ़ लाख रुपए कीमत के बर्तन की चोरी कर ली थी.

भारी उद्योग मंत्रालय के निर्देश पर भेल ने एचईसी के रिवाइवल योजना पर शुरू किया काम

एचईसी की खाली जमीन की करायी जा रही है जीआईएस मैपिंग

विशेष संवाददाता। रांची

भारी उद्योग मंत्रालय के निर्देश पर भेल ने एचईसी के रिवाइवल योजना पर काम शुरू कर दिया है. भेल की एक विशेष टीम एचईसी के खाली जमीन का ब्योरा तैयार कर मंत्रालय को सौंपेगा. इसके लिए एचईसी के जमीन की ज्योग्राफिकल इंफोर्मेशन सिस्टम (जीआईएस) से मैपिंग कराने की प्रक्रिया शुरू हो गई है. मैपिंग के बाद एचईसी कंपनी की जमीन का पूरा ब्योरा भारी उद्योग मंत्रालय, एचईसी प्रबंधन के पास उपलब्ध होगा. वर्तमान में एचईसी के पास कुछ पुराना नक्शा, दस्तावेज को छोड़ जमीन से संबंधित कोई रिकॉर्ड नहीं है. जमीन का नक्शा बिहार से मांगा गया था, मगर अबतक एचईसी को उपलब्ध नहीं हो पाया है.

मैपिंग के बाद मिलेगा जमीन का सारा ब्यौरा

जमीन की वास्तविक स्थिति का चल जाएगा पता

एचईसी के जमीन की मैपिंग के लिए भेल की एक विशेष टीम काम कर रही है. वह टीम जीआईएस मैपिंग से पता लगाएगा कि एचईसी की कितनी जमीन खाली है. कितने में निर्माण हुआ है. कंपनी की जमीन कहां-कहां है. झारखंड सरकार को दिए गए जमीन पर कितने प्रोजेक्ट पर काम चल रहा है. कंपनी के कितने जमीन पर अवैध कब्जा है. आवासीय परिसर में कितनी जमीन खाली है. कितने में एचईसी प्लांट है, प्लांट के लिए ली गई जमीन का वर्तमान में क्या पोजिशन है, यह सब जीआईएस मैपिंग के बाद पता चल जाएगा.

विशेष स्पॉट से दर्शाया जाएगा कंपनी परिसर का अतिक्रमण

भारी उद्योग मंत्रालय ने एचईसी की जमीन से संबंधित पूरा ब्योरा तैयार कराने में इसरो से भी सहयोग लेने की बात कही है. वहीं जमीन की मैपिंग में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (मैपकॉस्ट) भी सहयोग करेगा. जीआईएस मैपिंग रिपोर्ट में एचईसी की जमीन पर कहां-कहां अतिक्रमण है, वैसे स्थान को एक विशेष स्पॉट से दर्शाया जाएगा. हर 25 मीटर पर स्पॉट के माध्यम से एचईसी की जमीन पर कब्जा दिखाया जाएगा.

क्या है जीआईएस मैपिंग

इसका फुल फॉर्म ज्योग्राफिकल इन्फॉर्मेशन सिस्टम मैपिंग है. इसके तहत हाई रेजोल्यूशन सेटेलाइट कैमरे की मदद से शहर की या फिर संबंधित स्थानों की मैपिंग कराई जाती है. इसमें प्रत्येक क्षेत्र का विस्तृत ब्योरा दिया जाता है. उसमें सड़क, आवासीय इलाका, पानी, नाला, स्लम बस्ती, खाली जगह, एंगल, डिग्री, संभावना सभी चीजों पर विस्तृत रिपोर्ट बनाई जाती है.

गौशाला की जमीन बेचे जाने से आहत है मारवाड़ी समाज

जिसकी थी हिफाजत की जिम्मेदारी उसने ही बिकवा दिया

प्रवीण कुमार। रांची

रांची गौशाला न्यास समिति की संपत्ति सुरक्षित रहे, हिफाजत में रहे, इसकी जिम्मेदारी जिनके ऊपर थी, उन्होंने ही जमीन बिकवा दी. समिति की 15.95 एकड़ जमीन बहुत ही कम कीमत पर प्रभावशाली लोगों को बेच दी गईं. इस घोटाले के उदभेदन के बाद गौशाला न्यास समिति के सदस्य आहत हैं. मारवाड़ी समाज के लोग अचंभित हैं. उन्हें ऐसा लग रहा है कि उनकी नजर के सामने डकैती हो गई और वह बस देखते रह गए. कुछ कर नहीं पाए. जानकारी के मुताबिक गौशाला न्यास समिति के ट्रस्टी की देख-रेख में ही गौशाला संचालित होती है. गौशाला की जमीन समेत अन्य संपत्ति की सुरक्षा की जिम्मेदारी भी ट्रस्टी में शामिल लोगों की है. लेकिन जरूरी प्रक्रिया पूरी किये बिना ही ट्रस्टी राजकुमार केडिया को बाढ़ू मौजा स्थित गौशाला कि गोचर जमीन बेच दी गई. इस वजह से यह घटना सबको खटक रहा है. 28 फरवरी को मोरहाबादी स्थित मान्या पैलेस में हुई आमसभा में इस बात को लेकर जमकर नोंक-झोंक हुई थी. मामला गरमाता देख अध्यक्ष पुनीत पोद्दार ने समय पूर्व ही धन्यवाद ज्ञापन करा कर सभा समाप्त करा दी थी. बावजूद इसके सभा हॉल से बाहर देर तक इस बात को लेकर विरोध होता रहा.

जमीन बेचने की बात हुई थी बेचा नहीं गया था

समिति के एक सदस्य का आरोप है कि बाढ़ू गांव स्थित गौशाला की जमीन बेचने का फैसला वर्ष 2020 के बाद लिया गया. गौशाला न्यास से जुड़े सदस्य बताते हैं कि उस वक्त फंड की कमी के कारण गौशाला के संचालन में दिक्कत आ रही थी. इस कारण उक्त जमीन को बेचने का फैसला लिया गया था. दिवंगत प्रह्लाद सिंघानिया ने भूमि खरीदने के लिए चेक के माध्यम से एडवांस पेमेंट भी कर दिया था. लेकिन ट्रस्टियों के प्रयास से आर्थिक संकट दूर हो गया तो जमीन बेचने का फैसला भी वापस ले लिया गया था. प्रह्लाद जी को यह कहते हुए चेक लौटाया दिया गया कि अब गौशाला की भूमि बेचने की जरूरत नहीं है, जब भी भविष्य में उक्त भूमि को बेचा जायेगा तो आप या आपके परिवार को पहला अवसर दिया जायेगा. विगत 28 फरवरी को हुई आम सभा में भी इस बात को उठाया गया था. स्व. सिंघानिया के पुत्र कमल सिंघानिया ने जोरदार ढंग से अपनी बात रखी थी. इसी बात पर उनका विवाद समिति के अध्यक्ष पुनित पोद्दार से हुआ था.

गुपचुप से सौदा करना ठीक नहीं : अमित अग्रवाल

गौशाला की जमीन का सौदा करने में पारदर्शिता नहीं बरती गयी. गुपचुप तरीके से कौड़ी के भाव में सौदा कर दिया गया. ऐसे में संदेश होना जायज है. इससे हम आहत हैं. यदि मुझे पता चला होता तो मैं भी उस दाम पर जमीन ले कर वापस गौशाला को दान कर देता. अमित अग्रवाल बताते हैं कि गौशाला में देशी गाय की जगह जर्सी गाय का दूध बेच जा रहा है. यह आने वाली पीढ़ी के लिए भी ठीक नहीं है. गौशाला में ब्रिडिंग करा कर देशी गाय के चलन को बढ़ावा दिया जाना चाहिए. जर्सी गाय के दूध का सेवन करना रोग को न्यौता देने जैसा है. अमित बताते हैं कि पुनीत पोद्दार के अध्यक्ष बनने से विकास के कई काम हुए हैं, लेकिन कुछ लोगों के भरमाने के कारण उनकी छवि भी खराब हो रही है. पुनीत अच्छे व्यक्ति हैं, उनके मार्गदर्शन में सुधार की दिशा में बेहतर काम किया जाना चाहिए.

गलत किया तो कार्रवाई हो : निर्भय शंकर हारित

गौशाला की भूमि औने-पौने दाम में बेचना उचित नहीं है, जो गलत किये, उनपर कार्रवाई हो. सदस्य बनाने के बाद भी सदस्यता नहीं दी गयी. पैसा लेकर बाहर का रास्ता दिखा दिया. कुछ लोग जानते हैं कि जुझारू लोग आएंगे तो गलत फैसले का विरोध करेंगे, काम करने वालों को सदस्यता नहीं दी जा रही है.

पूर्वजों का नाम डुबा रहे : धर्मचंद्र पोद्दार

मारवाड़ी समाज धर्म सेवा और गौ माता की सेवा करता है. गौशाला की जमीन का सौदा कर ये लोग पूर्वजों का नाम डुबा रहे. टाटा में रह रहा हूं, लेकिन जन्म में ही हुआ. युवा थे तो गौशाला का बहुत काम किया था, अब गौवंश संवर्धन के लिए ली गयी जमीन को गलत तरीके से बेचे जाने की बात सुन कर दु:ख हो रहा है.

ट्रांसफर के बाद भी जमे हैं रांची भू-अर्जन कार्यालय के सीआई

नवपदस्थापित सीआई को नहीं सौंप रहे पदभार

संवाददाता। रांची

आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर झारखंड राजस्व सेवा संवर्ग के नव प्रोन्नत अंचल निरीक्षक सह कानूनगो का दूसरे जिले में पदस्थापन किया गया था. इस संदर्भ में राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग, झारखंड सरकार द्वारा बीते 5 फरवरी को कार्यालय आदेश जारी कर 55 कानूनगो का पदस्थापन किया गया था. इसके बावजूद अब तक कई सीआई को विरमित नहीं किया गया है. इस कड़ी में राजधानी रांची के जिला भू-अर्जन कार्यालय में पूर्व में पदस्थापित अंचल निरीक्षक सह कानूनगो सुधांशु पाठक अब तक अपने पुराने कार्यालय में ही योगदान रहे हैं. इनका पदस्थापन गढ़वा जिले के मंझिआंव किया गया है. लेकिन, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी, रांची द्वारा अब इन्हें विरमित नहीं किया गया है. दूसरी ओर विभाग द्वारा जारी आदेश में भू-अर्जन कार्यालय, रांची में इस पद पर नवप्रोन्नत अंचल निरीक्षक सह कानूनगो पंकज कुमार सिन्हा को पदस्थापित किया गया था. उन्होंने एक सप्ताह पूर्व ही जिला भू-अर्जन कार्यालय, रांची में योगदान दे दिया है. इसके बावजूद निवर्तमान कानूनगो द्वारा उन्हें अब तक पदभार नहीं सौंपा गया है.

सुधांशु पाठक, निवर्तमान सीआई.

जिम्मेदार कौन

- एक माह पूर्व गढ़वा के मझिआंव में हुआ पदस्थापन
- रांची कार्यालय से अब तक नहीं किए गए हैं विरमित

क्या कहते हैं नये सीआई

नये पंकज सिन्हा से पूछे जाने पर बोले मैंने एक हफ्ते पूर्व ही यहां योगदान दिया है. हालांकि अब तक पुराने सीआई ने पदभार नहीं सौंपा है. इस बाबत वरीय अधिकारियों ने कहा था कि फरवरी का वेतन लेने के बाद वह विरमित कर दिए जाएंगे. लेकिन, फरवरी माह बीतने के पांच दिन बाद भी उन्हें विरमित नहीं किया गया है. ऐसे में वह नये कार्यालय में बिना पद के योगदान दे रहे हैं. उन्होंने यह भी कहा, पुराने पदस्थापन कार्यालय, धनबाद से उन्हें विरमित नहीं किया गया है. वहां आवेदन देने के बाद भू-अर्जन कार्यालय रांची में एक सप्ताह से योगदान दे रहे हैं.

बोलने से बच रहे बड़े अफसर

हैरत की बात यह है कि रांची भेजे गए नये सीआई भी धनबाद से विरमित नहीं किए गए हैं. हालांकि, वो कहते हैं कि उन्होंने एक सप्ताह पूर्व ही रांची कार्यालय में योगदान दे दिया है. दोनों अफसरों को उनके कार्यालयों से नहीं भेजा जाना कार्यशैली पर सवाल खड़ा करता है. बहरहाल, इस मामले में वरीय अधिकारी कुछ बोलने से बचते नजर आ रहे हैं.

सीएम आज वृद्धावस्था पेंशन योजना की करेंगे शुरुआत

- चंपाई खेलगांव में आयोजित कार्यक्रम में करेंगे शुभारंभ

रांची। मुख्यमंत्री वृद्धावस्था पेंशन योजना की शुरुआत बुधवार को होगी. इसमें 50 से 60 वर्ष की सभी महिलाओं एवं एससी/एसटी वर्ग के पुरुषों को पेंशन मिलेगी. खेलगांव के टाना भगत स्टेडियम में एक कार्यक्रम में सीएम चंपाई सोरेन लाभुकों के खाते में राशि भेज कर इस योजना का शुभारंभ करेंगे. इस आयु वर्ग के 1,58,218 लाभुकों को 31.6 करोड़ की राशि दी जाएगी. यह फरवरी-मार्च-2024 की राशि है. महिला एवं बाल विकास विभाग के सचिव मनोज कुमार व निदेशक शशि प्रकाश झा ने बताया कि योजना के लिए अभियान चला था, जिसमें 5,68,821 लोगों के आवेदन मिले थे. इनमें 5 मार्च तक 2,22,523 लाभुकों को मंजूरी मिली. पूर्व में 60 वर्ष से अधिक के लोगों को ही एक हजार पेंशन मिलती थी. अब सभी महिलाओं एवं एससी/एसटी पुरुषों को 50 वर्ष से ही पेंशन मिलेगी.

1650 बकाएदारों को नोटिस

झारखंड में 24000 करोड़ कर वसूली का लक्ष्य
अफसरों की कमी से वसूली का काम धीमा

विशेष संवाददाता। रांची

वाणिज्य कर विभाग ने वर्ष 2023-24 में जेपीटी, जीएसटी, जेवैट और ईडी सहित कुल वसूली का लक्ष्य 24000 करोड़ निर्धारित किया है. इसमें से दिसंबर 23 तक राजस्व वसूली करीब 59 प्रतिशत तक हो चुका था. फरवरी 24 में वसूली का ग्राफ बढ़ कर तकरीबन 80 प्रतिशत तक पहुंचने की बात कही जा रही है. निर्धारित लक्ष्य को हासिल करने के

लिए विभाग ने प्रदेशभर में करीब 1650 कंपनियों को बकाया भुगतान के लिए नोटिस भेजा है. इनपर करीब 300 करोड़ रुपए बकाया है. बकाएदारों की सूची में भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल), टाटा मोटर्स, सेंट्रल कोल फील्ड्स ऑफ इंडिया आदि कंपनियां भी शामिल हैं.

झारखंड कर सामाधान योजना से हो मामले का निष्पादन : सीसीएल के 45, टाटा मोटर्स के 10 और नुवोको विस्टास कॉरपोरेशन के 20 मामले लंबित है. विभाग बकाएदारों से बकाया राशि वसूली के लिए प्रयास कर रहा है. अधिकारियों की मानें, तो कई संस्थान राशि जमा कराने की दिशा में पहल कर रहे हैं. बड़े बकाया को निष्पादित करने के लिए वाणिज्य कर विभाग ने झारखंड कर समाधान योजना पहले ही शुरू कर रखा है. इसके तहत बकाएदारों को कई तरह की रियायत दी जा रही है. इसके लिए आवेदन करना होता है. झारखंड कर समाधान योजना के तहत बीसीसीएल समेत कई बकाएदार मामले के निष्पादन के लिए आवेदन दे रहे है. निष्पादन को लेकर प्रक्रिया भी चल रही है.

अफसरों के 199 पद रिक्त

विभाग में अफसरों की कमी है. जिससे लोग अतिरिक्त कार्य कर रहे. इससे कर वसूली में दिक्कतें हो रही हैं. विभाग में वसूली के लिए 443 पद स्वीकृत हैं, लेकिन 244 लोग ही काम कर रहे.199 पद खाली हैं. रिक्त पदों को भरने की प्रक्रिया चल रही है. रिक्त पदों पर योग्य अफसरों को प्रोन्नत करने के लिए विभाग में प्रक्रिया चल रही है.

राजनीति भाजपा की नयी पहल, कार्यकर्ता लेंगे एक गांव और एक बूथ को गोद

भाजपा का गांव बूथ फॉर्मूला : हर बूथ पर 370 वोट बढ़ाने का लक्ष्य

सत्य शरण मिश्रा। रांची

लोकसभा चुनाव में पार्टी के खाते में अधिक से अधिक वोट लाने के लिए भाजपा कई अभियान और कार्यक्रम चला रही है. गांव चलो अभियान के बाद अब पार्टी ने चुनाव को लेकर गांव प्लस बूथ का फॉर्मूला तैयार किया है. इसके तहत मजबूत कार्यकर्ताओं को एक गांव और एक बूथ गोद लेना है. गांव और बूथ को गोद लेने वाले कार्यकर्ता को वहां संगठन को मजबूत करना है. पार्टी के पक्ष में अधिक वोट आये यह सुनिश्चित करना है. हर बूथ पर कम से कम 370 वोट बढ़ाने का लक्ष्य तय किया है. कार्यकर्ताओं को हर बूथ पर पिछले चुनाव में मिले वोट से 370 वोट बढ़ाने का टास्क मिला है.

चुनाव प्रबंधन समिति बूथों पर रखेगा नजर

भाजपा ने चुनाव प्रबंधन समिति की बैठक में पदाधिकारियों को एक गांव, एक बूथ फॉर्मूले को राज्य के सभी बूथों और गांवों में अमलीजामा पहनाने का निर्देश दिया है. प्रमंडल, जिला और मंडल स्तर की बैठकों के बाद यह अभियान तेज हो जाएगा. कार्यकर्ता जो भी बूथ या गांव गोद लेने की इच्छा जताएंगे संगठन उन्हें उस गांव और बूथ का दायित्व देगा. गोद लेने के बाद कार्यकर्ता बूथों में संगठन को कितना मजबूत कर रहे हैं, इसकी भी निगरानी चुनाव प्रबंधन समिति की ओर से की जाएगी.

लाभुकों से किया जाएगा संपर्क

इस कार्यक्रम के तहत भाजपा के कार्यकर्ता केंद्र सरकार की उज्ज्वला योजना, स्वच्छ भारत मिशन के तहत शौचालय निर्माण, अटल पेंशन योजना, आयुष्मान योजना, स्वनिधि योजना और प्रधानमंत्री आवास जैसी योजनाओं के लाभुकों से मुलाकात भी करेंगे. इसके जरिये मतदाताओं को यह बताने की कोशिश की जाएगी कि जिस योजना ने उनकी जिंदगी में अहम बदलाव लाया है वह नरेंद्र मोदी सरकार की देन है. इसलिए देश और राज्य के विकास और गति देने के लिए फिर से मोदी की सरकार बनाएं.

केंद्र सरकार की योजनाओं के साथ घर-घर दस्तक

गांव और बूथ को गोद लेने वाले कार्यकर्ता की जिम्मेदारी इलाके में भाजपा को मजबूत करने की होगी. केंद्र सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के बारे में लोगों को बताने के साथ-साथ असहाय लोगों को उन योजनाओं का लाभ भी दिलाना होगा. हर जाति, समुदाय में भाजपा की पकड़ मजबूत बनाने के लिए मोदी सरकार की योजनाओं और मोदी सरकार के कार्यों को लेकर घर-घर दस्तक देना है. इसके साथ ही अधिक से अधिक युवाओं और महिलाओं को पार्टी से जोड़ने की भी जिम्मेदारी दी गई है.

झारखंड डिप्लोमा स्तरीय संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा का रिजल्ट जारी

रांची। झारखंड राज्य कर्मचारी चयन आयोग ने डिप्लोमा स्तरीय संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा-2023 का परिणाम मंगलवार को जारी कर दिया. इसमें खान निरीक्षक, कनीय अभियंता, स्ट्रीट लाइट इंस्पेक्टर के पदों पर मेधा सह विकल्प के आधार पर अनुक्रमांकवार परीक्षाफल प्रकाशित किया गया है. जिसमें खान निरीक्षक का 30, कनीय अभियंता (कृषि) का 9, स्ट्रीट लाइट इंस्पेक्टर का 41, पाइप लाइन इंस्पेक्टर का 9, कनीय अभियंता (विद्युत) ऊर्जा विभाग का 6, कनीय अभियंता (विद्युत) नगर विकास एवं आवास विभाग के 33 अभ्यर्थियों ने बाजी मारी है. परीक्षा परिणाम को झारखंड राज्य कर्मचारी चयन आयोग की वेबसाइट पर देखा जा सकता है.

रांची की स्वाति ने अंबानी की प्री-वेडिंग सेरेमनी में किया परफॉर्म

संवाददाता। रांची

जामनगर में आयोजित अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की तीन दिवसीय प्री वेडिंग सेरेमनी में देश-विदेश के नामी हस्तियों ने शिरकत की. इस दौरान विदेशी कलाकार रेहाना काफी चर्चा में रही. इनमें से एक नाम रांची की स्वाति प्रसाद का भी है. स्वाति ने भी अपनी प्रस्तुति से सबका मन मोह लिया. पेशे से पार्श्व गायिका स्वाति ने वेद, श्लोक और अन्य गीतों की भव्य प्रस्तुति दी. लगभग एक माह से वृंदावन, मुंबई और जाम नगर में रिहर्सल के बाद स्वाति की टीम ने परफॉर्म किया. अनंत और राधिका की प्री वेडिंग में दुनियाभर के कई दिग्गज कलाकारों ने परफॉर्म किया. लेकिन स्वाति एक मात्र कलाकार थीं, जिसे जामनगर के इस

ऐतिहासिक आयोजन में प्रस्तुति देने का मौका मिला. स्वाति प्रसाद के कई गीत काफ़ी प्रसिद्ध हैं, जिनमे रांची के छोरे, जोर लगा रे, छठी मईया सुनी न बिध के बतायी हो आदि है.

रेलवे के अधिकारी बंगले पर खाना बनवाने से लेकर घर का कराते हैं सारा काम

46 अफसरों के बंगले में कैद है 141 रेलकर्मियों की जिंदगी

राजा गुप्ता । धनबाद

धनबाद रेल मंडल के 46 अधिकारियों के बंगले में 141 रेलकर्मियों की जिंदगी कैद है. जिससे रेलवे के वरीय व कनीय अधिकारी बंगले पर खाना बनवाने से लेकर कपड़ा धुलवाना, बागवानी कराना, बाजार से राशन समेत खाने-पीने की सभी प्रकार की सामग्री मंगाना, कपड़े का आयरन कराना व छुट्टी में बाहर जाने पर आने-जाने के दौरान अधिकारियों के लगेज ढोने का भी काम करते हैं. सूत्रों के अनुसार रेलवे के अधिकारी और उनकी पत्नी रेलकर्मियों से घर का सारा काम कराते हैं. विरोध करने पर पिटाई के साथ सस्पेंड करने, चार्ट देने, बर्खास्त करने और नक्सल प्रभावित क्षेत्र में छोटे स्टेशनों या हॉल्ट में तबादला धमकी करने की देते हैं. यह सभी कर्मचारी चतुर्थवर्गीय है, जो ट्रैकमैन, गेटमैन, पोर्टर, खलासी आदि पद पर कार्यरत है. रेलवे के सेफ्टी विभाग से जुड़े होने के बावजूद उससे बंगले में काम कराया जाता है. रेलवे के अधिकारी संरक्षा को पहली प्राथमिकी देने की बात करते हैं, वहीं दूसरी ओर संरक्षा विभाग से जुड़े कर्मियों को उससे संबंधित विभागीय काम कराने की बजाय बंगले में काम करवा कर सुरक्षा के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं.

रेलवे बोर्ड ने 2003 में ही बंगले पर काम नहीं कराने के लिए जारी किए थे निर्देश

सूत्रों के अनुसार रेलवे बोर्ड के चेयरमैन ने वर्ष 2003 में ही बंगले पर काम नहीं कराने के लिए निर्देश जारी किए थे. उस समय धनबाद से लेकर 74 रेल मंडलों के अधिकारियों में हड़कंप मच गया था. आननफानन में कुछ दिनों के लिए बंगले से कर्मियों को हटा दिया गया था. रेलवे बोर्ड से जांच टीम भी आई थी. फिर कुछ दिनों के बाद मामला शांत होते ही रेलवे बोर्ड के निर्देश का असर ठंडा पड़ गया. संरक्षा विभाग में एक-दो कार्यरत चतुर्थवर्गीय कर्मी ही कहते हैं कि वे लोग खुद रेलवे अधिकारी के बंगले में काम करते हैं. वे लोग अपने ऑफिस में ज्वानिंग के समय एक-दो महीने के लिए गए थे. उसके बाद वर्षों से संबंधित अधिकारी के बंगले पर ही काम करते हैं. वर्ष 2000 से पहले अधिकारी बंगलों पिउन के नाम पर एक-दो बाहरी लोगों को रखकर काम कराते थे.

विरोध करने पर पिटाई के साथ सस्पेंड और नक्सल क्षेत्र में तबादला करने की देते हैं धमकी

सीसीटीवी में छिपा है रेलकर्मी पवन राउत की मौत का राज, जांच की मांग

जानकारों का कहना है कि तेतुलतल्ला निवासी रेलकर्मी पवन कुमार राउत की मौत का राज सीनियर डीओएम के बंगले में लगे सीसीटीवी फुटेज में ही छिपा है. धनबाद थाना की पुलिस अगर बारीकी से मामले की जांच करे तो दूध का दूध और पानी का पानी साफ हो जाएगा. पवन कर्ज में डूबा जरूर था, लेकिन आत्महत्या करने के लिए अधिकारी के बंगले के गैराज को क्यों चुना. बंगले के भीतर कोई ऐसी घटना घटी है, जिससे पवन की मौत हुई है. पोस्टमार्टम रिपोर्ट में भी हैंगिंग से मौत का खुलासा नहीं हुई है. बिसरा रिजर्व रखा गया है. सिर्फ दम घुटने से मौत की चर्चा है. फांसी लगाने के अलावा कई कारणों से दम घुट सकती है. रेलवे के अधिकारियों की पूरी फौज जिला पुलिस के अधिकारियों से सेटिंग कर मामले को दबाने में लगे हैं. जिस रेलवे अधिकारी के बंगले पर घटना घटी है .

ब्रीफ खबरें

मोदी की गारंटी रथ को किया रवाना

नामकुम। विकसित भारत मोदी की गारंटी रथ को सांसद समाधान केंद्र सदाबहार चौक से मंगलवार को रवाना किया गया. उक्त रथ को खिजरी विधानसभा के लिए खिजरी विधानसभा सांसद प्रतिनिधि प्रमोद कुमार सिंह झण्डा दिखाकर रवाना किया. साथ में मंडल के महामंत्री गोरखनाथ सिंह, वरीय उपाध्यक्ष सहदेव सिंह, ओबीसी मोर्चा के अध्यक्ष दिलीप साहू ,एनपी सिंह एवं रथ के संचालक धर्मजीत व अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहें .

आईजी ने किया महिला थाने का निरीक्षण, दिए निर्देश

रांची। जोनल आईजी अखिलेश झा ने मंगलवार को महिला थाना रांची का निरीक्षण किया. यहां उन्होंने थाने के रिकार्ड की जांच की. इसके बाद अधिकारियों व महिला थाना प्रभारी को महिला सुरक्षा के प्रति अलर्ट रहने को कहा. आईजी ने कहा कि शहर में गश्त करें और जो मनचले युवतियों पर कमेंट कसते हैं, उन पर कार्रवाई करें. कॉल को समय पर अटेंड करें और हर कॉल की जांच करें, ताकि किसी को कोई परेशानी न हो, निरीक्षण के दौरान सभी अनुसंधानकर्ताओं के कार्य की बारीकी से विवेचना की. जिनके लंबित मामले पर पड़े थे, उन्हें समय पर काम करने को कहा.

बैंक के समीप हिंडाल्को कर्मी से 5 लाख की लूट

सिल्ली /मुरी। मुरी ओपी अन्तर्गत बड़ा मुरी बस स्टैंड के समीप यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के पास मंगलवार को 3:40 बजे के लगभग पांच लाख रुपए की लुट हो गई. तुलिन बंग्लाटांड़ निवासी किरण महतो अपनी बहन की शादी के लिए पैसे निकालने बैंक आए हुए थे. जैसे ही पैसे निकाल कर बैंक से निकले अपनी बाइक के पास गए तो देखा की बाइक पंचर है. और उसके सामने कुछ रुपए भी गिरा हुआ था. किसी अज्ञात व्यक्ति ने कहा कि आपका रुपया गिरा हुआ है. जैसे ही वह रुपए उठाने गया अज्ञात लुटेरा उसका पैसे से भरा बैग लेकर फरार हो गया.

आंदोलनकारियों को राजकीय मान-सम्मान मिले: पुष्कर महतो

राहे। झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा रांची जिला के तत्वावधान में प्रजापति मैरिज हॉल में झारखंड आंदोलनकारियों का सम्मान समारोह का आयोजन किया गया. सम्मान समारोह में राहे प्रखंड 110 चिन्हित आंदोलनकारियों को सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया. इस अवसर पर मुख्य अतिथि झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा के संस्थापक एवं प्रधान सचिव पुष्कर महतो ने कहा कि झारखंड आंदोलनकारियों के राजकीय मान-सम्मान से ही पूरे राज्य का सम्मान है. झारखंड आंदोलनकारियों के राजकीय मान-सम्मान से कोई समझौता नहीं होगा.

कांके में सड़क हादसा समाजसेवी की मौत

कांके। थाना क्षेत्र के मिल्लत कॉलोनी निवासी अब्दुल बारीक उर्फ दुल्लू (52 वर्ष) पिता स्व. अब्दुल मनान की होचर स्थित रिंग रोड पर सड़क दुर्घटना में मौत हो गयी.घटना मंगलवार दोपहर 2.30 बजे की है.घटना के संबध में पुलिस ने बताया कि टुल्लू अपने दोस्त शरमत आलम की स्कूटी संख्या जेएच 01 इओ 4155 को लेकर रिंग रोड गया था.वह रिंग रोड पर स्कूटी लेकर खड़ा था.इसी बीच अज्ञात वाहन ने आकर उसे धक्का मार कर कुचल दिया.जिससे टुल्लू का सिर टायर की चपेट में आने से क्षत विक्षत हो गया.जिससे घटना स्थल पर ही मौत हो गयी.ग्रामीणों की सूचना पर पंहुची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिये रिम्स भेजा.

लॉटरी बेचकर दर्जन भर खुद बन गए करोड़पति

खरीदने वालों की बिक गई गाड़ियां

अमीरी का सपना भुखमरी की सौगात

- बंगाल से लॉटरी लाकर बेचने वाले अब खुद की ब्रांड की बेच रहे लॉटरी, एक- एक शातिर के पास 200 से अधिक हॉकर
- पुलिस को मिलती है चुप रहने की कीमत, हजारों घर की बर्बादी में खाकी भी जिम्मेवार .
- धनबाद ब्रांड के अवैध लॉटरी की झारखंड के कई जिलों में हो रही बेखौफ बिक्री

रिजवान शम्स । धनबाद

कुछ दिन पहले तक उसकी मुर्गी की दुकान थी, एक गाड़ी थी, ऑर्डर मिलने पर वो अपनी गाड़ी से मुर्गियां लेकर डिलीवरी करता था, आज दुकान बंद हो चुकी है, गाड़ी भी बिक चुकी है, दुकानदार का पूरा परिवार निराशा का युग जी रहा है, ये मामला भले ही भागा मोड़ की एक दुकान से जुड़ा है, लेकिन धनबाद के सैकड़ों परिवार आज इस जैसे हालात से जूझ रहे हैं, शातिरों की एक पूरी फौज अमीरी का सपना दिखा कर खून पसीने की कमाई करने वालों के बच्चों की थाली से निवाला तक छीन ले रहे हैं. और माध्यम है लॉटरी.

अवैध लॉटरी.....

गरीब तबके के लिए बन गया नासूर

धनबाद के मिडिल क्लास से लेकर गरीब तबके के लिए नासूर बन चुके अवैध लॉटरी के कारोबार की जड़ें अब काफी मजबूत हो चुकी है, अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि हजारों लोग अब लॉटरी बेचने का काम करने लगे हैं. हर गली मुहल्ले में आपको लॉटरी बेचने वाले मिल जायेंगे,चाय की दुकानों से लेकर दफ्तर के अंदर तक बेखौफ लॉटरी की डिलीवरी होने लगी है. ऐसे में जो भी इस दलदल में एक बार गिरा तो फिर बाहर निकलना बहुत ही मुश्किल हो जाता है.

ये हैं कंगाल बनाने वाले लुटेरे....

धनबाद में करीब एक दर्जन लोग अवैध लॉटरी का कारोबार करते हैं, ये पहले बंगाल से लॉटरी लाकर बेचते थे, अब ये अपने ब्रांड की लॉटरी बेच कर रोज लाखों की कमाई कर रहे हैं, इन शातिरों की लॉटरी झारखंड के हर जिले में पहुंच बना चुकी है. इन शातिरों में गोविंदपुर का सलाहुद्दीन, झरिया का समीर और शबीर, जामाडोबा का तनवीर, झरिया का निक्की, गोविंदपुर का किस्मत, गांधी नगर का लाल बाबू सिंह समेत कई अन्य हैं, डेहरी का रहने वाला पवन झुनझुनवाला भी एक काफी पुराना नाम है, जो गोविंदपुर के गेसिंग माफिया से भी दो कदम ऊपर की चीज है.

कौन कर रहा सफेदपोश बनने का ढकोसला

धनबाद : लॉटरी का अवैध कारोबार करने वालों के खिलाफ शुभम संदेश ने मुहिम शुरू की है, इस मुहिम में लॉटरी के अवैध कारोबारियों की पोल खोली जाएगी, कैसे एक गेसिंग धंधेबाज चोला बदल कर दुनिया के सामने सफेदपोश बनने का ढकोसला कर रहा है, इस शातिर का बंगाल कनेक्शन क्या है, कैसे झरिया की गलियों में घूम घूम लॉटरी बेचने वाला अब करोड़ों में खेल रहा है, गरीबों को लूटकर इसने कहां और कितनी संपत्ति खड़ी की है, कैसे कैसे प्लान के साथ ये शातिर आम लोगों के साथ ठगी कर रहे हैं, खाकी की जेब गर्म करने में कितने गांधी जी के दर्शन कराने होते हैं.....और प्रिंस के दरबार में कितनों की हाजरी लग चुकी है.

लकड़ा व्यवहार कुशल, कर्तव्यनिष्ठ व ईमानदार भी बने रहे : कंचन उरांव

संवाददाता। लापुंग

लापुंग प्रखंड मुख्यालय सभागार में मंगलवार को भव्य समारोह आयोजित कर लापुंग प्रखंड के नये प्रखंड विकास पदाधिकारी उषा मिंज का गर्मजोशी के साथ स्वागत किया गया वहीं दूसरी ओर निवर्तमान प्रखंड विकास पदाधिकारी इमानुएल जयवीरस लकड़ा को भावभीनी विदाई दी गई. इस मौके पर प्रखंड के पदाधिकारी, सरकारी कर्मचारियों पंचायत प्रतिनिधियों सहित अन्य लोगों ने बुके व उपहार भेंट कर नये का स्वागत व निर्वतमान को विदाई दी गई. मौके पर नये प्रखंड विकास पदाधिकारी उषा मिंज ने सभागार में उपस्थित प्रखंड कर्मी , पंचायत प्रतिनिधि, विधायक प्रतिनिधि व अन्य को संबोधित करते हुए कहा कि लापुंग प्रखंड को जिस प्रकार निवर्तमान बीडीओ ने विकास की रफ्तार को आगे बढ़ाया है उससे कहीं ज्यादा उनके द्वारा प्रयास किया जाएगा. उन्होंने कहा कि प्रखंड के विकास के लिए आप सभी को मिल जुलकर सहयोग करना होगा. वहीं निवर्तमान बीडीओ इमानुएल जयबिरस लकड़ा ने कहा कि आप सभी के सहयोग से सरकार द्वारा चलाए गए योजनाओं को गांव में पहुंचाने का काम किया है. इसके पूर्व प्रखंड प्रमुख कंचन उरांव ने कहा कि बीडीओ इमानुएल जयवीरस लकड़ा जितने ही शालीन और व्यवहार कुशल रहे उतने ही वे कर्तव्यनिष्ठ और ईमानदार भी रहे. इस मौके पर कार्यक्रम का संचालन करते हुए मनरेगा के बीपीओ मोहम्मद इम्तियाज खलील, उप प्रमुख विश्वनाथ मुंडा, कांग्रेस पार्टी के प्रखंड अध्यक्ष जयंत बरला, पूर्व पंचायत समिति सदस्य नसीम आलम, पंचायत लोगों ने अपने संबोधन में बीडीओ इमानुएल जयवीरस लकड़ा की प्रशंसा कर उनके स्थानांतरण पर शुभकामनाएं दी.

साझा संकल्प-साझी सुरक्षा प्रोजेक्ट की हुई पहली कार्यशाला

नामकुम। शिशु हत्या और असुरक्षित परित्याग पर ग्राम पंचायतों को जागरुक करने के उद्देश्य से साझा संकल्प-साझी सुरक्षा प्रोजेक्ट की पहली कार्यशाला हुई. कार्यशाला का आयोजन नामकुम ब्लॉक के लाल खटंगा ग्राम पंचायत भवन में किया गया. पालोना और ऊर्जा एरोहैड ने मिलकर इस कार्यशाला का आयोजन किया. कार्यशाला में नामकुम ब्लॉक की करीब 15 पंचायतों के मुखियाओं ने भाग लिया. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पत्रकार व पालोना की संस्थापक मोनिका आर्य ने शिशु हत्या जैसे जघन्य अपराध पर विस्तार से प्रकाश डाला. इससे जुड़े आंकड़ों के जरिए उन्होंने मुद्दे की भयावहता उजागर की. लगातार हो रही इन घटनाओं को कैसे रोका जाए, इसे रोकने को लेकर किस प्रकार के कदम उठाए जाने चाहिए. इस अपराध को रोकने में पंचायत प्रमुखों की भूमिका पर जोर दिया. वहीं, ऊर्जा एरोहैड की निदेशिका ऋचा चौधरी ने कहा कि संविधान की 11 अनुसूची में पंचायतों को 29 विषयों पर कार्य करना है. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रांची सीडब्लूसी की सदस्य अरुणा कुमारी ने सरकार की विभिन्न योजनाओं, जैसे एडॉप्शन, फॉस्टर और स्पॉसरशिप केयर के बारे में विस्तार से जानकारी दी.

झारखंड की सभी 14 लोस सीटों पर चुनाव लड़ेगी पार्टी : रोशन

संवाददाता। कांके

लोकहित अधिकार पार्टी की प्रदेश स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन होचर रिंग रोड में सम्पन्न हुई. सम्मेलन का संचालन प्रदेश उपाध्यक्ष हरिनाथ साहू ने किया. मुख्य अतिथि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष रोशन लाल गुप्ता , विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय महासचिव सतीश गांधी , राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सह झारखण्ड प्रदेश प्रभारी डाक्टर जगन्नाथ प्रसाद एवं प्रदेश अध्यक्ष सुनील साहू की गरिमापूर्ण उपस्थिति रही .सम्मेलन को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष रोशन लाल गुप्ता ने कहा कि लोकहित अधिकार पार्टी बहुत कम समय में झारखण्ड प्रदेश की एक मजबूत पार्टी बन कर उभरी है . आज के सम्मेलन में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि पार्टी झारखण्ड के सभी 14 सीटों पर चुनाव लड़ेगी .राष्ट्रीय महासचिव सतीश गांधी ने कहा कि हमारी पार्टी आम जनता को शिक्षा और चिकित्सा पुरी तरह निःशुल्क देना चाहती है. राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सह झारखण्ड प्रदेश प्रभारी डाक्टर जगन्नाथ प्रसाद ने कहा कि झारखंड के सभी लोकसभा क्षेत्र से बड़ी संख्या में आकर सम्मेलन को सफल बनाने के लिए आप सभी को बहुत बहुत धन्यवाद. सामाजिक न्याय मिलने तक पार्टी का अभियान जारी रहेगा. सम्मेलन को संबोधित करने वालों में मुख्य रूप से प्रदेश उपाध्यक्ष सह रांची लोकसभा प्रभारी हरिनाथ साहू , प्रदेश उपाध्यक्ष सह मीडिया प्रभारी मो. अजहर आलम , पलामू लोकसभा प्रभारी सनन राम भूईयां , हजारीबाग लोकसभा प्रभारी कुंज बिहारी साहू , राजमहल लोकसभा प्रभारी इंद्रदेव मंडल आदि शामिल थे.

आयोजन डिस्ट्रिक्ट स्किलिंग इकोसिस्टम विजनिंग कार्यशाला एवं योजना को लेकर बैठक

स्किल डेवलपमेंट कर रोजगार के नए अवसर प्रदान करें : डीसी

संवाददाता। रांची

रांची के उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा द्वारा मंगलवार को समाहरणालय में डिस्ट्रिक्ट स्किलिंग इकोसिस्टम विज़निंग कार्यशाला एवं योजना को लेकर बैठक का आयोजन किया गया. बैठक में डीसी को यूएनडीपी प्रमुख लव भारद्वाज ने पूरी जानकारी दी. उन्होंने बताया कि झारखंड कौशल विकास मिशन सोसाइटी रांची ने झारखंड में कौशल विकास और रोजगार के क्षेत्र में उद्यमी और युवाओं की सक्रिय भागीदारी को बढ़ाने एवं प्रदत्त सुविधा को ज्यादा रोजगार अनुरूप बनाने के साथ जिला स्तर पर संस्थागत क्षमता निर्माण को समावेशी बनाने के उद्देश्य से संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) के साथ साझेदारी की है। जैसा कि ज्ञात है

कि प्रत्येक जिला एवं क्षेत्र की औद्योगिक एवं आर्थिक गतिविधियां भिन्न-भिन्न परिस्थितियों पर निर्भर करती हैं. उससे स्किल गैप को भरने तथा संबंधित क्षेत्र की औद्योगिक जरूरतों के अनुरूप कौशल विकास प्रोग्राम को संचालित करने के लिए जिला कौशल समिति के सदस्यों एवं विभिन्न विकास संगठन, युवा एवं उद्यमियों के बीच सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से स्किल विजनिंग वर्क शॉप का आयोजन किया गया है. श्रम अधीक्षक -सह-कौशल विकास पदाधिकारी रांची अविनाश कृष्ण ने बताया कि जिला स्तर पर युवाओं को कौशल प्रशिक्षण से जोड़ कर उन्हें आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाने के उद्देश्य से कार्यशाला का आयोजन किया गया है.

हुनरमंद हाथों की ज्यादा आवश्यकता

डीसी ने कहा कि आज के इस दौर में हुनरमंद हाथों की ज्यादा आवश्यकता है, इसके लिए जरूरी है, की अपने हाथों में हुनर ला कर नए-नए रोजगार से जुड़ा जाए जिससे उनका आर्थिक सामाजिक विकास हो सकें. उपायुक्त रांची ने विशेष रूप से सम्बंधित सभी अधिकारियों को कहा की जिला में लोगों का स्किल डेवलपमेंट कर रोजगार के नए अवसर प्रदान करें ताकि लोगों को नए-नए रोजगार के अवसर उपलब्ध हो सकें. आपको जानकारी हो की राज्य के 80 प्रखण्डों में प्रशिक्षण शुरू किया गया है. प्रमंडलों में भी प्रशिक्षण देकर राज्य के युवक- युवतियों को विभिन्न कंपनियों में रोजगार देने का काम किया गया है. जून 2024 तक राज्य के क़रीब 20 हज़ार युवक- युवतियों को रोज़गार से जोड़ने का काम किया जायेगा. बैठक में डीसी ने दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना (डीडीयू-जीकेवाई) के बारे में सम्बंधित अधिकारी से जानकारी लेते हुए कहा कि गरीब ग्रामीण युवाओं को नौकरियां मिलें. इसके लिए उनका कौशल विकास कर ग्रामीण आजीविका को बढ़ावा देने के उपाय किए जाए. उन्होंने सभी सम्बंधित पदाधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि प्रखंडों में भी कौशल विकास के लिए ट्रेनिंग सेंटर चिह्नित करके उसमें कौशल विकास के कार्यक्रम चलाएं.

न्यूज अपडेट

आजसू खलारी प्रखंड का कार्यकर्ता सम्मेलन संपन्न

डकरा। आजसू पार्टी की बैठक अम्बेडकर पार्क डकरा में प्रखंड अध्यक्ष विकास कुमार चौहान की अध्यक्षता में संपन्न हुई. बैठक में पार्टी के केंद्रीय प्रवक्ता डॉ देवशरण भगत, विधानसभा प्रभारी डॉक्टर अशोक नाग,केंद्रीय महासचिव पार्वती देवी,रांची जिला अध्यक्ष संजय कुमार महतो,खलारी प्रखंड प्रभारी रंजीत गंझु मुख्य रूप से उपस्थित थे. कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि देवशरण भगत ने कहा की पार्टी के मजबूत स्तंभ पिलर मेंबर और चूल्हा प्रमुख होता है. कार्यक्रम के पूर्व सभी नेताओं ने डॉ भीमराव अंबेडकर के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुरूआत किया. कार्यक्रम का संचालन इम्तियाज अंसारी ने किया. इस मौके पर नागेश्वर महतो, अर्जुन महतो, इकबाल खान, अमृत भोक्ता, मुकद्दर लोहार, रामविलास, प्रभात गिरी, राजकुमार गुप्ता, बाबूलाल गंझु, सदन महतो, प्रकाश महतो, रमेश गंझु सहित पार्टी के सैकड़ो कार्यकर्ता मौजूद थे.

राहे में पीसीसी सड़क निर्माण कार्य का हुआ शिलान्यास

राहे। प्रखंड क्षेत्र के बंसिया गांव और तिलिमिंगसेरेंग गांव में विधायक सुदेश कुमार महतो ने मंगलवार को विधायक निधि 9 लाख की लागत से बनने वाले दो पीसीसी सड़क का शिलान्यास किया. बंसिया गांव में 350 फीट और तिलमिसेरेंग में 350 फीट पीसीसी निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया. इस दौरान आयोजित शिलान्यास समारोह में विधायक ने कहा की गांव में आधारभूत संरचनाओं को मजबूत करते हुए विकास की गति को तेज किया जाएगा. हमारा संकल्प हर घर में शुद्ध पेयजल पहुंचने की है. बच्चों को रोजगार आधारित उन्नत शिक्षा देने की है. हर गांव में खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने की और इस प्रयास में हम काम कर रहे हैं. गांव में जेनरेशन ग्रोथ को बढ़ाना है. हम लोगों की बीपीएल से एपीएल की ओर ले जा रहे हैं. मौके पर प्रभारी संजय सिद्धार्थ, मुखिया नव कृष्णा लोहारा सहित काफी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे.

कुच्चू के बड़ा तालाब में सोलर लाइट व फेवर ब्लॉक का उद्घाटन

ओरमांझी। प्रखंड क्षेत्र के कुच्चू पंचायत के बड़ा तालाब में सीसीएल के एसीआर मद से नवनिर्मित सोलर लाइट एवं फेवर ब्लाक रोड का उद्घाटन मंगलवार की संध्या राज्य सभा सांसद आदित्य प्रसाद साहू, पूर्व सांसद रामटहल चौधरी, किसान मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष अमरनाथ चौधरी, पूर्व विधायक रामकुमार पाहन, एसटी मोर्चा के मंत्री कमलेश राम ने संयुक्त रूप से नारियल फोड़ फीता काट कर उद्घाटन किया. इस अवसर पर आदित्य प्रसाद साहू ने कहा कि तालाब के सुंदरीकरण हो जाने से आसपास के किसानों सहित आम जनों को काफी सुविधा मिलेगी. उन्होंने कहा कि इस तालाब से लोगों का आस्था जुड़ा हुआ है जिसको लेकर लोग अपने कई रीति रिवाज को यहां पर आकर संपन्न करेंगे. मौके पर मुख्य रूप से मानकी राजेंद्र शाही,दिलेश्वर साहू, नागेंद्र प्रसाद संजय कुमार अरबिंद कुमार समुंद्र पहन, प्रेम कुमार, अलखनाथ महतो, राजकिशोर साहू, विजय आनंद, चतुर साहू, कृष्णा महतो, अमित राज, प्रमोद महतो, दिलेश्वर साहू कुलदीप साहू, आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे.

मेडिकल साइंस में फार्मेसी की उपयोगिता कार्यशाला आयोजित

नामकुम। सरला बिरला विश्वविद्यालय के फार्मेसी और नर्सिंग विभाग के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार ''मेडिकल साइंस में फार्मेसी की उपयोगिता'' विषय पर एक्सपर्ट टॉक का आयोजन विवि सभागार में किया गया. इसमें मुख्य वक्ता के तौर पर रिम्स के मेडिसिन विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. जे. के. मित्रा शामिल हुए. इस अवसर पर उपस्थित श्रोताओं को संबोधित करते हुए डॉक्टर मित्रा ने प्राचीन काल से ही मेडिसिन के क्षेत्र में फार्मासिस्ट के अमूल्य योगदान पर प्रकाश डाला. उन्होंने एक दवा के साथ दूसरी दवा और इसके अलावा भोजन पर पड़ने वाले इसके प्रभावों के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी. उन्होंने विभिन्न दवाओं के इस्तेमाल पर होनेवाले दुष्प्रभावों पर भी चर्चा की.इस अवसर पर बोलते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. गोपाल पाठक ने इस तरह के टॉक शो के आयोजन की सराहना की. उन्होंने उम्मीद व्यक्त की कि ऐसे आयोजन फार्मेसी और मेडिकल साइंस के बीच सेतु का काम करेंगे. कार्यक्रम में स्वागत भाषण डॉ. शुभ्रजीत मंत्री और कार्यक्रम का संचालन डॉ. आरोही आनंद ने दिया.

सुदेश महतो ने कई योजनाओं का किया शिलान्यास

सिल्ली/मुरी। विधायक सुदेश कुमार महतो ने मंगलवार को सिल्ली में 4 करोड़ से अधिक राशि की लागत से बनने वाली कई योजनाओं का शिलान्यास किया. जिसमें मुख्य मंत्री ग्राम सड़क योजनांतर्गत स्वीकृत 1 करोड़ 34 लाख रुपए की लागत से लोवादाग पंचायत के पाटका से डोमन डीह 1.8 कीमी , पतराहातु पंचायत के पतराहातु ईचाहातु मुख्य पथ से श्री लक्ष्मी विष्णुपद मंदिर तक 33 लाख रुपए की लागत से पीसीसी पथ निर्माण एवं 1 करोड़ 51रुपए लागत राशि से 1.975 कीमी कारियाडीह से आड़ाल नावाडीह पथ शामिल है. विधायक निधि से 10 लाख लागत राशि से दोवाड़ु में विद्यालय परिसर से मुख्य पथ तक 300 फीट पीसीसी एवं मुंडा टोला में 300 फीट पथ, डोमन डीह विद्यालय में चहार दिवारी निर्माण कार्य. एसके अलावे दोवाड़ु में पीएम आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन योजना के तहत 55 लाख की राशि से स्वास्थ्य उपकेंद्र निर्माण कार्य शामिल है. दोवाड़ु में शिलान्यास सभा को सम्बोधित करते हुए विधायक ने कहा कि गांवों के मूलभूत समास्याओं को दूर करते हुए क्षेत्र का लगातार विकास का कार्य किया जा रहा है.

बीडीओ ने आवंटित किया जैव विविधता पर्षद का कार्यालय

बेड़ो। बेड़ो प्रखंड मुख्यालय परिसर में मंगलवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी संग्राम मुर्मू की अगुवाई में झारखंड जैव विविधता पार्षद कार्यालय का धनंजय राय, नवल किशोर सिंह और मुखिया संघ के अध्यक्ष रामेश उरांव द्वारा संयुक्त रूप से फीता काटकर विधिवत उद्घाटन गया. इस मौके पर उपस्थित लोगों ने खुशी का इजहार किया है. ज्ञात हो कि झारखंड बायोडायवर्सिटी बोर्ड यानी जैव विविधता पार्षद के तत्वाधान में झारखंड राज्य सरकार के द्वारा जैव विविधता प्रबंधन समिति का गठन वर्ष 2016-17 में किया गया था और बीच में कोरोना जैसे घातक बीमारी के कारण 3 वर्ष से अधिक समय तक इस बोर्ड के द्वारा कोई भी गतिविधि नहीं किया जा सका. समिति की ओर से दी गई आवेदन की आलोक में प्रखंड विकास पदाधिकारी संग्राम मुर्मू की ओर से जैव विविधता प्रबंधन समिति को प्रखंड परिसर में कार्यालय उपलब्ध कराया गया. मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी संग्राम मुर्मू ने कहा कि यह जरूरी है कि कार्यक्रम की सफल संचालन के लिए समिति को प्रत्येक पंचायत भवन में कमरा मुहैया कराया जाए. समिति के अध्यक्ष धनंजय राय ने बताया कि प्रखंड विकास पदाधिकारी को हमारे टीम ने लिखित आवेदन दिया था जिसके निमित्त आज मंगलवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी के द्वारा एक कमरा मुहैया कराया गया .

मंत्री सत्यानंद भोक्ता ने किया मेले का भ्रमण, उठाया आनंद, चैंबर के प्रयास को सराहा

इंडिया इंटरनेशनल मेगा ट्रेड फेयर देखने को उमड़े रांचीवासी

संवाददाता। रांची

मोरहबादी मैदान में 11 दिवसीय इंडिया इंटरनेशनल मेगा ट्रेड फेयर में हर दिन लोगों की खासी भीड़ उमड़ रही है. मंगलवार की शाम मंत्री सत्यानंद भोक्ता ने मेगा ट्रेड फेयर का भ्रमण कर आनंद उठाया. झारखंड चैंबर व जीएस मार्केटिंग के पदधारियों ने उनका स्वागत किया. मंत्री ने विभिन्न स्टॉलों का भ्रमण कर उत्पादों की जानकारी ली. उन्होंने चैंबर के प्रयास को सराहा. मौके पर महासचिव परेश गट्टानी, उपाध्यक्ष राहुल साहू, आदित्य मल्होत्रा, कोषाध्यक्ष ज्योति कुमारी, प्रवक्ता विकास विजयवर्गीय, संजय अखौरी, कुणाल विजयवर्गीय, सुनील गुप्ता आदि शामिल थे. ट्रेड फेयर के मेले में दुबई, थाईलैंड, ईरान, अफगानिस्तान, बांग्लादेश, तुर्की, मलेशिया समेत 12 देशों और राज्यों के स्टॉल लगे हुए हैं. जहां तरह-तरह के उत्पादों का प्रदर्शन किया गया है. एक ही प्लेटफार्म के नीचे हर आयुवर्ग के लिए उत्पाद उपलब्ध होने के कारण शहरवासी विविध प्रकार की स्टाल में मनपसंद चीजें खरीदने में मशगूल रहे. साथ ही मनोरंजन का भी आनंद उठाया.

स्टॉल धारकों के अनुसार सबसे अधिक बिक्री खाने-पीने के चीजों की और लाइफस्टाइल की वस्तुओं की हुई. इनमें सबसे अधिक साड़ियां, सूट, जूती, सैंडल, मेकअप के सामान आदि वस्तुओं की खरीदारी की. वहीं, गृहिणियां घरेलू सामान एवं आर्टिफिशियल ज्वैलरी खरीदने में व्यस्त रहीं. फेयर में गार्मेंटस, पंजाबी व राजस्थानी जूती, क्रॉकरी तथा घर की साज सजावट के सामान के स्टाल पर खूब रौनक दिखी. बच्चों के खिलौने, पठन पाठन की सामग्री भी बिक रही थी. अफगानिस्तान के स्टॉल में ड्राई फ्रुट का भंडार सजा हुआ है. इसकी खरीदारी में लोगों की भीड़ जुट रही है. मौके पर चैंबर अध्यक्ष किशोर मंत्री तथा महासचिव परेश गट्टानी ने कहा कि ट्रेड फेयर के माध्यम से राज्य के उद्योग व व्यापार को बढ़ावा देने का प्रयास है, अन्य देशों और राज्यों से आये व्यापारियों से स्थानीय लोगों को सीखने का मौका भी मिल रहा है.

खास बातें

- क्रॉकरी व साज सजावट के स्टाल पर दिखी खूब रौनक
- अफगानिस्तान के स्टॉल में सजा है ड्राई फ्रुट का भंडार

अस्पताल के ओपीडी में रोजाना बढ़ती जा रही मरीजों की संख्या

रांची में मिले स्वाइन फ्लू के 3 संदिग्ध मरीज, ऐसे करें बचाव

डॉ शुभम शेखर

तरुण चौबे/ रांची

मौसम के करवट लेते ही बीमारियों ने दस्तक देना शुरू कर दिया है. अस्पताल के ओपीडी में रोजाना आने वाले मरीजों की संख्या बढ़ गई है. ऐसे में अब राजधानी में स्वाइन फ्लू संक्रमण का खतरा एक बार फिर बढ़ता दिख रहा है. मिली जानकारी के मुताबिक, रांची में स्वाइन फ्लू के तीन संदिग्ध मरीज मिले हैं. इन मरीजों को इलाज के लिए रांची के मेडिका अस्पताल में भर्ती किया गया है. भर्ती के तुरंत बाद मरीजों से लिए गए सैंपल को जांच के लिए लैब भेजा गया है. डॉक्टरों ने बताया है कि मांसपेशियों में दर्द और अकड़न, सिर में तेज दर्द, गले में खराश स्वाइन फ्लू के संक्रमण के लक्षण हैं. यह बीमारी संक्रमित है और एक इंसान से दूसरे को हो सकती है. संक्रमित व्यक्ति के छींकने व थूकने से भी दूसरे व्यक्ति में ये संक्रमण फैल सकता है. मालूम हो कि स्वाइन फ्लू एक संक्रामक रोग है, जो एक खास तरह के इन्फ्लूएंजा वायरस (एच1एन1) से फैलता है. प्रभावित लोगों में सामान्य मौसमी सर्दी के समान लक्षण होते हैं.

ये हैं स्वाइन फ्लू के लक्षण

- सर्दी-खांसी
- बुखार आना
- मांसपेशियों में दर्द और अकड़न
- र दर्द, शरीर दर्द, थकान, ठंड लगना, पेट दर्द
- नाक से पानी बहना या नाक बंद हो जाना
- गले में खराश
- कभी-कभी दस्त उल्टी आना

ये हैं बचने के उपाय *इमरजेंसी फिजिशियन डॉ शुभम शेखर ने स्वाइन फ्लू से बचने के लिए अपनी और दूसरों की सुरक्षा के उपाय बताए हैं, जो इस तरह हैं. साथ ही डॉ शुभम ने बताया कि एच1एन1 वैक्सीन, जिसे फ़्लू शॉट के रूप में भी जाना जाता है. इसे लेकर बचाव किया जा सकता है. इसका उपयोग इन्फ्लूएंजा ए (एच1एन1) 2009 वायरस के कारण होने वाले संक्रमण को रोकने के लिए किया जाता है.*

- खांसते और छींकते समय अपनी नाक और मुंह को डिस्पोजेबल टिशू से ढंकें.
- नियमित रूप से साबुन और पानी से हाथ धोएं.
- अगर फ्लू जैसे लक्षण हैं तो दूसरे लोगों से कम से कम 1 मीटर की दूरी बनाए रखें.
- अभिवादन करते समय गले मिलने, चूमने और हाथ मिलाने से बचें.
- उपयोग के तुरंत बाद उपयोग किए गए टिश्यू का उचित तरीके से निपटान करें.
- यदि फ्लू जैसे लक्षण हों तो तुरंत चिकित्सीय सलाह लें.
- यदि फ्लू जैसे लक्षण हैं, तो काम, स्कूल या भीड़भाड़ वाली जगहों से दूर घर पर रहें.
- बिना धोए हाथों से आंख, नाक या मुंह को छूने से बचें.

खुद के लिए क्या करें

- हाइड्रेटेड रहें, पर्याप्त आराम करें.
- **एच1एन1 जोखिम को कम करने के लिए वार्षिक टीके लें.**
- यात्रा के दौरान एन95 मास्क पहनें.
- प्रभावित व्यक्ति से 3-4 फीट दूर रहें.
- **उच्च प्रोटीन वाले खाद्य पदार्थों का सेवन करें**
- कोल्ड ड्रिंक, आइसक्रीम छोड़ें.

इससे करें परहेज

- बस, मॉल, ट्रेन जैसे भीड़भाड़ वाले इलाकों से बचें.
- **स्टेरॉयड न लें क्योंकि इससे वायरस का खतरा बढ़ सकता है.**
- उन खाद्य पदार्थों से बचें जो गले में जलन पैदा करते हैं.
- **रूम हीटर के अत्यधिक उपयोग से बचें, क्योंकि यह म्यूकस मेम्ब्रेन को सुखा देता है.**

आयोजन समिति की तैयारी जोर-शोर से जारी

भोले बाबा की बारात के साथ निकलेंगी आकर्षक झांकियां

संवाददाता। रांची

श्रीश्री शिव बारात आयोजन समिति, इंद्रपुरी, रातु रोड की ओर से महाशिवरात्रि के मौके पर आठ मार्च को भव्य रूप में धूमधाम से शिव बारात निकाली जायेगी. इसकी तैयारी जोर-शोर से की जा रही है. मंगलवार को समिति के अध्यक्ष रमेश सिंह ने पत्रकारों को बताया कि इस बार की शिव बारात राजधानी के लिए ऐतिहासिक होगी. बारात की भव्यता को चार-चांद लगाने के लिए तमाम प्रयास किये जा रहे हैं. उन्होंने देवाधिदेव महादेव के बारात की रूपरेखा को लेकर विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि पौराणिक प्रसंगों को जीवंत करती देवी-देवताओं की मनोहारी झांकियां मन मोहेगी. कलाकारों द्वारा प्रस्तुत भगवान शिव और माता महाकाली का महातांडव देखते ही बनेगा. हनुमान जी सीना फाड़ कर प्रभु श्रीराम का दर्शन करायेंगे. नंदी पर सवार पंचमुखी भोले बाबा के क्या कहने. मनमोहक अंदाज में डम-डम डमरू बजाते महादेव की जीवंत झांकी का अलग आकर्षण रहेगा. कई वाहन में सजे राम दरबार, ज्ञानवापी महादेव, केदारनाथ मंदिर का प्रारूप से बारात गुलजार रहेगा. उन्होंने बताया कि शिव बारात में कई तरह के ढोल और बाजा वाले भक्ति का रंग तो जमायेंगे ही, स्थानीय और बाहर से आये भजन गायक भी यात्रा में रास्ते भर भक्ति गीतों की धारा प्रवाहित करते हुए साथ चलेंगे. रथ और सुसज्जित घोड़े पर सवार बाराती बने श्रद्धालु खूब इठलायेंगे.

पूर्व सीएम बाबूलाल करेंगे अगुवाई

श्रीशिव बाराती बन बारात की अगुवाई पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी, राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश, आशा लकड़ा, आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो करेंगे. हरविंदर सिंह बेदी ,बिंदु भूषण दुबे, विनय कुमार सिंह, विजय कुमार सिंह, मंटू चौबे, राहुल अवस्थी, सुनीता देवी, अशोक यादव, दिलीप गुप्ता, विक्की यादव, संजीव चौधरी, डॉ. अजय छाबरा, चेतराल रामदास, सुजीत सिंह, नंदकिशोर अरोड़ा इसमें खास तौर से भागीदारी निभायेंगे.

पहाड़ी मंदिर में हुई महाकाल की हल्दी रस्म, दिखा उत्साह

संवाददाता। रांची

सोमवार को श्री शिव बारात आयोजन महासमिति पहाड़ी मंदिर की ओर से मंदिर परिसर में सैकड़ों महिलाओं ने हल्दी कूट कर महाकाल की हल्दी-मेहंदी रस्म निभाई. साथ ही ढोल-नगाड़ों की धुन पर सैकड़ों की संख्या में महिलाएं झूमती दिखीं. इससे पूरी रांची शिवमय हो गई. इस दौरान सभी महिलाओं ने एक दूसरे को रंग-गुलाल लगा कर बधाई दी.

इनकी रही मौजूदगी : इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से अध्यक्ष राजेश साहू, गगन कुमार, मेहुल प्रसाद, राजकुमार तलेजा, बादल सिंह, दीपक नंदा, भोलू, उर्मिला चौधरी, पूनम जयसवाल, अर्चना मिर्धा, बेबी गाड़ी, स्वपना चटर्जी, शुभाशीष चटर्जी, आकांक्षा वर्मा, अंशु तिवारी, नीना देवी, समीक्षा शर्मा, कुमकुम गुप्ता, राम सिंह, आरती बागची, नीरा देवी, मीनू देवी, रानी देवी, रंजीता पांडे, साक्षी, दिग्विजय, पीहू, मेधा, मीरा देवी, मोनिका रानी, प्रियांजलि, अमन कुमार समेत कई महासमिति के सदस्य उपस्थित रहे.

खास बातें

- ढोल-नगाड़ों की ताल पर झूमती दिखीं श्रद्धालु महिलाएं
- एक दूसरे को रंग-गुलाल लगा कर दी गयीं बधाइयां

खाटूधाम जानेवाले श्याम निशानों की पूजा आज

रांची। श्री श्याम मित्र मंडल द्वारा हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में फाल्गुन माह की विजया एकादशी के अवसर पर 6 मार्च रात्रि 9:30 बजे से विशेष एकादशी कीर्तन का आयोजन होगा. इस अवसर पर दिव्या राजीव रंजन मित्तल एवं कविता मित्तल श्री गणेश पूजन करके खाटू नरेश की अखंड ज्योति प्रज्वलित करेंगे. संगीतमय भजन संकीर्तन के बीच खाटूधाम जाने वाले पवित्र निशानों का पूजन, स्थापन तथा जागृत करने का पवित्र धार्मिक अनुष्ठान होगा. रविशंकर अग्रवाल के परिजनों द्वारा मंदिर में निर्मित बुनदिया की सवामनी एवं केसरिया पेडा का प्रसाद भोग अर्पित किया जाएगा. मंडल की ओर से मंगलवार को 92 वां श्री सुंदरकांड श्री हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया. सुनील मोदी आशा मोदी के परिवार ने हनुमान जी महाराज की अखंड ज्योति प्रज्वलित किया. इस अवसर पर श्री श्याम मित्र मंडल के अध्यक्ष सुरेश सरावगी, प्रथम महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया, श्रवण ढानढनिया, अनिल नारनौली, स्नेह पोद्दार, पवन केडिया, रतन शर्मा, प्रकाश मोदी, श्याम सुंदर जोशी, अंकित सिंह आदि उपस्थित थे.

पत्रकारों के हेल्थ बीमा व आवासीय कॉलोनी पर राजभवन गंभीर

संवाददाता। रांची

झारखंड के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन राज्य के पत्रकारों के स्वास्थ्य बीमा और उनके लिए आवासीय कॉलोनी बनवाने के लिए संबंधित विभागों से बातचीत करेंगे. रांची प्रेस क्लब के अध्यक्ष सुरेंद्र सोरेन की अध्यक्षता में मिलने गए प्रतिनिधिमंडल की बातों को राज्यपाल ने गंभीरता से सुना और उन्होंने यह आश्वासन दिया. मुलाकात के दौरान डेलीगेशन ने पत्रकार स्वास्थ्य बीमा योजना पर चर्चा करते हुए राज्यपाल को बताया कि लंबे समय से यह मामला पेंडिंग है और अधिक किस्त के कारण पत्रकारों को इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है. इसी तरह पत्रकार पेंशन योजना भी फेल हो रही है, क्योंकि इसके प्रावधानों के कारण वरिष्ठ पत्रकार साथियों को इसका लाभ नहीं मिल रहा है. राज्यपाल ने इसको संज्ञान में लेते हुए उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया. पत्रकारों के लिए आवासीय कॉलोनी बनवाने के मामले में भी उन्होंने अपने प्रधान सचिव नितिन मदन कुलकर्णी से बात की. राज्यपाल ने बताया कि सांसद के रूप में उन्होंने अपने संसदीय क्षेत्र के पत्रकारों के आवासीय कॉलोनी में कई सुविधाएं मुहैया कराई थीं. इसके साथ ही रांची प्रेस क्लब के कॉर्पस फंड के लिए राजभवन द्वारा आर्थिक सहायता देने की मांग पर भी उन्होंने आश्वस्त किया. डेलीगेशन में सुरेंद्र सोरेन के साथ उपाध्यक्ष धर्मेंद्र गिरि, सचिव अमरकान्त, कोषाध्यक्ष कुबेर सिंह और सदस्य मोनू कुमार शामिल थे.

परंपरा रोमन कैथोलिक कलीसिया की शादी क्लास आज से शुरू, 77 जोड़ों को पहले दिन मिलेगी शिक्षा

बताए जाएंगे खूबसूरत ख्रीस्त परिवार बनाने के गुर

संवाददाता। रांची

रांची के पुरुलिया रोड स्थित एसडीसी (सोशल डेवलपमेंट कमेटी) हॉल में बुधवार को रोमन कैथोलिक कलीसिया के 77 जोड़ों को शादी क्लास की पहले दिन की शिक्षा दी जाएगी. इस शादी क्लास के मुख्य संचालक फादर फिलिप मिंज एवं फादर विपिन टोपनो होंगे. शादी क्लास में कुल 77 जोड़ों को ख्रीस्त धर्म की मूलभूत बातें बताई जाएंगी एवं ईश्वर पर विश्वास, प्रार्थना, बाइबल के संस्कार और ईश्वर की दस आज्ञाएं, कलीसिया के सभी नियमों का दृढ़ता से पालन करना है. साथ ही शादी क्लास में विवाहित जीवन की विशेषता, गंभीरता और पवित्र शादी को सही तरीके से जीने की शिक्षा दी जाती है. कलीसिया में शादी से पहले वचन और शादी की तीन पुकार की जाती है एवं शादी क्लास से लड़का और लड़की एक दूसरे को समझ सके एवं समाज में विवाहित जीवन जीने के लिए परिपक्व बन जाए. शादी क्लास के करने के बाद सभी जोड़ों को शादी क्लास की सर्टिफिकेट दी जाती है. रांची में रोमन कैथोलिक कलीसिया के लिए केवल दो ही स्थान पर शादी क्लास कराई जाती है, जिनमें पुरुलिया रोड स्थित एसडीसी हॉल एवं रांची पल्ली पुरोहित द्वारा की जाती है.

शादी क्लास में सिखाई जाती हैं तीन विशेष बातें

पहली शिक्षा फादर पिलिप मिंज के द्वारा दी जाती है, जिसमें ख्रीस्त अध्यात्म के साथ विवाहित जीवन कैसे जीना है एवं परिवार के महत्व को समझकर सुंदर और खूबसूरत ख्रीस्त परिवार बनाना है, बताई जाती है. दूसरी महत्वपूर्ण जानकारी सुनील दत्त खेस और उनकी पत्नी श्वेता खेस द्वारा दी जाती है, जिसमें विवाहित जीवन के संघर्ष एवं चुनौतियों में एक दूसरे का साथ देने की बात शादी क्लास में आए जोड़ों को बताई जाती है. तीसरा यह कि मानव की शारीरिक संरचनाओं एवं स्वास्थ्य से जुड़ी सभी जानकारी डॉ. देवेश खेस और डॉ. दीप्ति खेस देते हैं, जिनमें शारीरिक बदलाव, गर्भधारण के समय के बदलाव एवं अन्य कई बातें शामिल होती हैं.

न्यूज अपडेट

परमात्मा शिव त्रिकालदर्शी हैं : निर्मला बहन

रांची। हरमू रोड चौधरी बगान स्थित प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के तत्वावधान में मंगलवार को कार्यक्रम का आयोजन किया गया. ब्रह्माकुमारी निर्मला बहन ने कहा कि निराकार परमात्मा शिव त्रिकालदर्शी हैं, वे सर्व आत्माओं की जन्मपत्री जानते हैं, ज्योतिस्वरूप परमात्मा शिव प्रजापिता ब्रह्मा द्वारा सतयुगी सृष्टि की स्थापना और शंकर द्वारा कलियुगी सृष्टि का महाविनाश कराते हैं. ब्रह्मा के तन में प्रवेश करके उनके मुख द्वारा ज्ञान-गंगा बहाते हैं, इसलिए शिव को गंगाधर कहते हैं. पांच विकारों को छोड़ने से ही भ्रष्टाचार मिटेगा, भोलेनाथ शिव बाबा की बारात अब जाने ही वाली है.

सीयूजे में सात दिवसीय कार्यशाला प्रारंभ

रांची। सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखंड में मंगलवार को सात दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ हुआ. कार्यशाला की थीम भाषा, स्वदेशी बौद्धिक विरासत और सतत कल्याण से संबंधित है, जिसमें देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों के विभिन्न विषयों से 120 से अधिक प्रतिभागी भाग ले रहे हैं. कार्यशाला की मुख्य अतिथि डॉ. सबिता आचार्य थीं. इस कार्यशाला के उद्घाटन में शामिल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. क्षिति भूषण दास ने कहा कि आदिवासी संस्कृति, भाषा और बौद्धिक विरासत के बारे में विस्तार से जानकारी दी. संकाय की डीन डॉ. श्रेया भट्टाचार्जी ने आदिवासी सांस्कृतिक वास्तविकताओं में भाषा और साहित्य के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला.

पढ़ेंगे, लिखेंगे, तारों जैसा चमकेंगे : आर्चबिशप

रांची। रांची महाधर्मप्रांत के अल्पसंख्यक प्राइमरी विद्यालयों में मंगलवार को रांची महाधर्मप्रांत के ग्रामगुरु शिक्षा विभाग द्वारा 300 से अधिक बच्चों में शिक्षा किट का वितरण किया गया. रांची महाधर्मप्रांत के अल्पसंख्यक शिक्षा विभाग ग्रामगुरु के इंस्पेक्टर द्वारा मंगलवार चार अल्पसंख्यक विद्यालयों में 300 से अधिक बच्चों में शिक्षा किट का वितरण किया. इस अवसर पर आर्चबिशप फेलिक्स टोप्पो ने बच्चों से पढ़ेंगे लिखेंगे और आकाश के तारों के समान चमकेंगें, का नारा लगवाया और पढ़ाई को पूरी लगन से करने का संदेश दिया. इस अवसर पर आर्चबिशप फेलिक्स टोप्पो के अलावा फादर मुकुल कुल्लू, फादर वॉल्टर किस्पोट्टा, फादर सुशील बेक एवं फादर बिनय केरकेट्टा शामिल थे.

वाईएमसीए ने मनाया महिला दिवस, लगायी प्रदर्शनी

रांची। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में मंगलवार को कांटाटोली स्थित वाईएमसीए के व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र में महिला दिवस समारोह का आयोजन किया गया. इस अवसर पर विभिन्न समुदाय के महिला विकास केंद्र उपस्थित थे. उनमें क्लब जगरनाथपुर, इस्लाम नगर, डोम टोली, कडरू पुल टोली, गढ़ा टोली, चुटिया पावर हाउस से महिलाओं ने भाग लिया. समारोह में महिला शिक्षिका, गृहिणी, स्वास्थ्य कार्यकर्ता, वाईएमसीए पब्लिक स्कूल, कांटा टोली, अध्ययन केंद्र के शिक्षक और छात्र और अन्य सामुदायिक महिलाएं मौजूद थीं. महिलाओं ने अपनी कला एवं हस्तशिल्प की प्रदर्शनी लगायी, जिसमें पेंटिग, वॉल हैंगिंग, कपड़े एवं अन्य वस्तुओं का प्रदर्शन किया गया .

डॉ. राजेंद्र हाजरा बने एआईएमए के राष्ट्रीय प्रवक्ता

रांची। आयुष इंटरनेशनल मेडिकल एसोसिएशन (एआईएमए) में एक्यूपंक्चर के राष्ट्रीय प्रवक्ता के रूप में डॉ. राजेन्द्र हाजरा को नियुक्त किया गया है. यह पद एआईएमए के इंटरनेशनल वाइस प्रेसिडेंट, डॉ नितिन राजे पाटिल की मौजूदगी में डॉ. हाजरा को सौंपी गई. इस मौके पर एसोसिएशन के सदस्यों ने पद भार देते हुए उनके कार्यों के बारे में बताया और कहा कि आप हर समय अपनी गतिविधियों और निर्णयों के बारे में एआईएमए नेतृत्व से परामर्श करेंगे और उसे सूचित करेंगे. इस पद के सभी अधिकार आयुष इंटरनेशनल मेडिकल एसोसिएशन-प्रधान कार्यालय नागपुर (एमएस) के तहत सुरक्षित हैं. आपको एआईएमए द्वारा निर्धारित नियमों और विनियमों का पालन करना होगा और यदि इसका अनुपालन न करते हुए पाया गया तो यह नियुक्ति रद्द की जा सकती है.

कल्पना सोरेन की चुनौती

वक्त और हालात की वजह से कल्पना सोरेन ने राजनीति में कदम रखा है. वह राजनीति में तब आयी हैं, जब उनके ससुर बुजुर्ग हो चुके हैं, सास बीमार हैं और उनके पति हेमंत सोरेन जेल में बंद हैं. तमाम परिस्थितियां विपरीत हैं. पार्टी में नेतृत्व की कमी दिख रही है और लोकसभा चुनाव सामने है. वह हिन्दी, अंग्रेजी और संथाली भाषा में बोल सकती हैं. साथ ही झारखंड के संघर्ष और इतिहास के बारे में अच्छी जानकारी रखती हैं. आने वाले दिनों में यह देखना होगा कि वह संगठन पर कितनी मजबूत पकड़ बना पाती हैं और आने वाले लोकसभा चुनाव में एनडीए को कितना नुकसान पहुंचा पाती हैं. राजनीति में आने के बाद कल्पना सोरेन के सामने कई चुनौतियां हैं. उनकी सबसे बड़ी चुनौती लोकसभा चुनाव प्रचार के बागडोर को संभालना और पार्टी को मजबूत नेतृत्व देना है. दूसरी चुनौती हेमंत की गिरफ्तारी के बाद आदिवासी सेंटिमेंट को जगाना. अगर वह ऐसा कर पाती हैं, तो पार्टी को मजबूत स्थिति में पहुंचाने में कामयाब होंगी. तीसरी चुनौती अपने पक्ष में माहौल बनाने को लेकर होगा. सोमवार को गिरिडीह में अपने संबोधन में उन्होंने जिस तरह इमोशन और गुस्से की झलक दिखायी है, अगर उसे आगे भी जारी रख पाती हैं, तो हेमंत की गिरफ्तारी को आदिवासियों के इमोशन से जोड़ करके वह लंबी लकीर खींच सकती हैं, लेकिन इस इमोशन के साथ उन्हें एक माहौल बनाना होगा, ताकि इमोशन को वोट में तब्दील किया जा सके. कल्पना सोरेन के पास शिबू सोरेन और हेमंत सोरेन की बनायी गयी राह तो है. लेकिन मौजूदा दौर में उन्हें अपनी भी राह बनानी पड़ेगी. झारखंड मुक्ति मोर्चा एक क्षेत्रीय दल है. क्षेत्रीय दलों में विरासत की राजनीति देश भर में परवान चढ़ती रही है. राजनीति की राह तो कभी भी किसी के लिए आसान नहीं होती है, राजनीति में नेतृत्वकर्ता अपनी राह स्वयं गढ़ता है, ताकि पार्टी की विचारधारा और संगठन को वह दिशा दे सके. एक कुशल संगठन कर्ता के साथ चुनाव अभियान के संचालन में वे अपने कौशल और दक्षता का कितना प्रदर्शन कर सकेंगी यह तो आम चुनाव के दौरान ही पता चल सकेगा. वे एक मोटिवेटर भी रही हैं, इसलिए लोगों से संपर्क जोड़ने में उन्हें दिक्कत नहीं आएगी. अब तक कल्पना सोरेन घर-परिवार और स्कूल के दायित्व का निर्वहन बखूबी करती रही हैं. लेकिन राजनीतिक क्षेत्र की वास्तविक चुनौती तो गठबंधन के अन्य दलों को साधने की है. झारखंड में झामुमो के नेतृत्व ले गठबंधन सरकार की बागडोर चंपाई सोरेन के हाथ में हैं. कल्पना सोरेन के मैदान में आ जाने से यह तो स्पष्ट हो गया है कि फिलवक्त पार्टी की कमान वे संभालेंगी और सत्ता की कमान चंपाई सोरेन के हाथ में रहेगी. भारत के क्षेत्रीय दलों के राजनीतिक इतिहास में यह अपने आप में अनोखा प्रयोग है. आंदोलन के गर्भ से निकली झारखंड मुक्ति मोर्चा की सबसे बड़ी ताकत झारखंडी अस्मिता, सामाजिक न्याय और चेतना के साथ आम लोगों को गोलबंद करना है. अब कल्पना सोरेन के समक्ष इस विचार यात्रा को आगे ले जाने की चुनौती है.

> **क्षेत्रीय दलों में विरासत की राजनीति देश भर में परवान चढ़ती रही है. राजनीति की राह तो कभी भी किसी के लिए आसान नहीं होती है, राजनीति में नेतृत्वकर्ता अपनी राह स्वयं गढ़ता है, ताकि पार्टी की विचारधारा और संगठन को वह दिशा दे सके.**

सुभाषित

यस्य कस्य प्रसूतोऽपि गुणवान्पूज्यते नरः।
धनुर्वंशविशुद्धोऽपि निर्गुणः किं करिष्यति।।

यदि किसी वंश में जन्म लेने वाला व्यक्ति सदाचारी होता है तो उसका समाज में सम्मान होता है. जैसे गुणवत्ता वाले बांस से बने धनुष से क्या उपयोग किया जा सकता है, अर्थात कोई नहीं. अर्थात किसी व्यक्ति का गुण और व्यावहार ही सम्मान का कारक होता है.

आम चुनाव : विपक्ष की संभावना खत्म नहीं

कांग्रेस ने 21 और सपा ने 23 पर जीत दर्ज कराई थी. यूपी में कांग्रेस का चुनावी नेतृत्व तब राहुल के ही पास था. याद करना ज़रूरी है कि 2014 के 'ऐतिहासिक'चुनावों के पहले अगस्त 2013 में यूपी के मुज़फ़्फ़रनगर में हुए हिंदू-मुस्लिम दंगों में 65 जानें गईं थीं और 93 लोग हताहत हुए थे. 2019 के चुनावों के ठीक पहले पुलवामा हादसा हो गया था. दोनों घटनाओं के कारण उत्पन्न हुए सांप्रदायिक ध्रुवीकरण ने चुनाव परिणामों की सूरत बदल कर रख दी थी. भगवान द्वारिकाधीश की राष्ट्र पर कृपा है कि वैसी कोई विपत्ति उत्पन्न नहीं हुई है.

• देश-काल

श्रवण गर्ग

अरविंद केजरीवाल ने राहुल गांधी की पार्टी के साथ चार राज्यों और चंडीगढ़ की 46 सीटों को लेकर अंततः समझौता कर ही लिया ! चार राज्यों में गुजरात भी शामिल है, जहां 2022 के विधानसभा चुनावों में केजरीवाल ने लगभग तेरह प्रतिशत वोट प्राप्त करके प्रधानमंत्री के 56 इंच के सीने को 156 सीटों में तब्दील करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी. 'आम आदमी पार्टी' के मेयर-पद के उम्मीदवार की धोखाधड़ी के ज़रिए चंडीगढ़ में कराई गई हार ने शायद केजरीवाल का हृदय-परिवर्तन कर दिया. अन्ना आंदोलन का स्मरण करें तो केजरीवाल अब उसी पार्टी (कांग्रेस) के साथ मिलकर मोदी के ख़िलाफ़ चुनाव लड़ेंगे, जिन्हें 2014 में सत्ता में लाने के लिए उन्होंने दिल्ली के रामलीला मैदान से मनमोहन सिंह सरकार की बर्ख़ास्तगी की मुहिम चलाई थी. केजरीवाल को अहंकार हो गया था कि मोदी को सत्ता से हटाने की क्षमता भी सिर्फ़ उनमें ही है. कांग्रेस से समझौते से पहले 'आप' नेता ने पिछले दिनों यहां तक दावा कर दिया था कि मोदी अगर 2024 में फिर सत्ता में आ जाते हैं तो 2029 में वे अकेले (केजरीवाल) ही उन्हें हटा देंगे.

केजरीवाल के उक्त दावे का तब यही अर्थ लगाया गया था कि महत्वाकांक्षी 'आप' नेता भाजपा की बी-टीम की कप्तानी कर रहे हैं.शायद यही कारण था कि 2019 के लोकसभा चुनावों में दिल्ली की सातों सीटों पर कांग्रेस के बाद तीसरे क्रम पर रहने के बावजूद वे अकेले ही लड़ना चाहते थे. कांग्रेस से समझौते के पहले केजरीवाल को खबर लग चुकी थी कि राहुल की रैलियों में किस तरह की भीड़ उमड़ रही है और अखिलेश यादव भी 'मोहब्बत की दुकान' में अपनी कमाई झोंकने की तैयारी कर चुके हैं. कांग्रेस से समझौते के बाद 'आप' नेताओं ने दावा किया कि केजरीवाल को धमकियां मिल रहीं थीं कि विपक्षी गठबंधन में शामिल होने की क़ीमत जेल यात्रा से चुकानी पड़ेगी.

भाजपा के चुनावी रणनीतिकारों ने इतने घातक विपक्षी गठबंधन के अस्तित्व में आ जाने की कल्पना निश्चित ही नहीं की होगी ! गठबंधन की दक्षिण भारत की टीम (स्टालिन+डीके शिवकुमार+रेवंथ रेड्डी+ वाय एस शर्मिला) की चर्चा न करें तो भी उत्तर भारत में अखिलेश+तेजस्वी+सौरेन+केजरीवाल के नेतृत्व में जो ताक़त खड़ी हो गई है वह वैकल्पिक राजनीति की स्थाई इबारत बनाने जा रही है. उत्तर और दक्षिण के इन सभी नेताओं को ठीक से अनुमान है कि उनके लिए इस बार नहीं तो फिर कभी नहीं वाली स्थिति है. कहा जा सकता है कि भाजपा को डर राहुल गांधी से नहीं, बल्कि विपक्ष के इन नए चेहरों से लगाना चाहिये ! तमाम अवरोधों के बावजूद अगर राहुल गांधी मोहब्बत के शहर आगरा में अखिलेश की प्रतीक्षा कर रहे थे तो इसके पीछे के करण को यूं समझा जा सकता है कि चुनाव का कुरुक्षेत्र यूपी ही बनने वाला है. भाजपा को सबसे ज़्यादा चिंता भी इसी राज्य से है. राहुल-प्रियंका की रैलियों में उमड़ी भीड़ और व्यापक युवजन-असंतोष इसका कारण बन सकता है. राहुल-अखिलेश ने यूपी में अगर 2009 दोहरा दिया तो राजनीति में तूफ़ान मच जाएगा. उस वक्त भाजपा को तब सिर्फ़ दस सीटें प्राप्त हुईं थीं . कांग्रेस ने 21 और सपा ने 23 पर जीत दर्ज कराई थी. यूपी में कांग्रेस का चुनावी नेतृत्व तब राहुल के ही पास था. याद करना ज़रूरी है कि 2014 के 'ऐतिहासिक'चुनावों के पहले अगस्त 2013 में यूपी के मुज़फ़्फ़रनगर में हुए हिंदू-मुस्लिम दंगों में 65 जानें गईं थीं और 93 लोग हताहत हुए थे. 2019 के चुनावों के ठीक पहले पुलवामा हादसा हो गया था. दोनों घटनाओं के कारण उत्पन्न हुए सांप्रदायिक ध्रुवीकरण ने चुनाव परिणामों की सूरत बदल कर रख दी थी. भगवान द्वारिकाधीश की राष्ट्र पर कृपा है कि वैसी कोई विपत्ति उत्पन्न नहीं हुई है.

जनता का ध्यान मुंडेरों पर बैठे आलोचकों की इस आशंका की तरफ़ भी आकर्षित किया जाना ज़रूरी हो गया है कि भाजपा को साधारण बहुमत जितनी सीटें भी प्राप्त नहीं होने का जो विश्वसनीय माहौल आंकड़ों की मदद से देश में बनना प्रारंभ हुआ है, वह कहीं विपक्षी गठबंधन को ज़मीनी ज़रूरतों से दूर कर अतिरंजित आत्मविश्वास से नहीं भर दे ? आलोचकों का यह भी पूछना है कि चुनाव जीतने के लिए भाजपा द्वारा अपनाए जा रहे आक्रामक रुख़ का विपक्षी गठबंधन किस तरह मुक़ाबला कर पाएगा ? किसी भी क़ीमत पर चुनाव जीतने को कटिबद्ध भाजपा द्वारा ईजाद किए जा रहे तरीक़े राहुल की 'मोहब्बत की दुकान' के ईमानदार क़ानून-क़ायदों से बिलकुल अलग हैं. उदाहरण के लिए गृहमंत्री अमित शाह ने हाल ही ग्वालियर में पार्टी-कार्यकर्ताओं को चुनाव जीतने का मंत्र दे डाला कि 'कांग्रेस के बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं को चुनाव से पहले भाजपा में लाएं. सांसद, विधायक और बड़े नेताओं को पार्टी में लाने के काम पर नेतृत्व विचार करेगा. अन्य दलों के कार्यकर्ताओं को पार्टी में लाने से डरो मत.' अमित शाह के फ़ार्मूले के क्या अर्थ निकाले जाएं? कि पार्टी अपनी पराजय को लेकर डरी हुई है? कि पार्टी के पास जनता को बताने के लिए अपनी ही सरकारों के कोई काम नहीं हैं ? कि भाजपा विपक्षी दलों को ख़त्म कर देश में सिर्फ़ एक पार्टी की हुकूमत चाहती है?

अमित शाह से चुनाव जीतने के गुर प्राप्त करने के लिए खजुराहो में भाजपा के 23,000 बूथ कार्यकर्ता उपस्थित थे. बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं की इतनी बड़ी उपस्थिति के बावजूद पार्टी में सत्ता के हाथ से चले जाने का डर व्याप्त है और दूसरे दलों के लोगों को तोड़ने का खुला आह्वान किया जा रहा है. ऐसी स्थिति में विपक्षी गठबंधन क्या उम्मीद कर सकता है कि सत्तारूढ़ दल लोकसभा चुनाव 'चंडीगढ़ मॉडल'से नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक तरीक़ों से लड़ने की तैयारी कर रहा है? ऐसा नहीं है तो क्या राहुल गांधी को अपनी तीसरी यात्रा की तारीख़ें भी अभी से घोषित नहीं कर देना चाहिए? जनता की उम्मीदें इस समय यही हैं कि परिस्थितियां अगर 1975 के 'आपातकाल'की तरह की हैं तो नतीजे भी 1977 जैसे ही प्राप्त होना चाहिए !

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

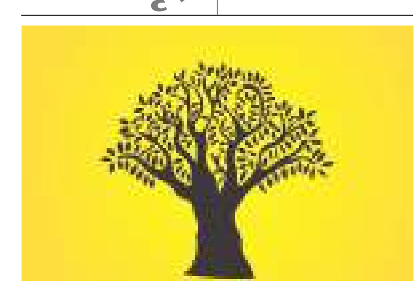

उदारता की कीमत

लोहे का तेजधार कुल्हाड़ा, वन वन भटक रहा था. सहमे से पेड़ डर से थर थर कांपने लगे. एक बूढ़े पेड़ ने सभी को धीरज बंधाई- "यह कितना भी तेज धार कुल्हाड़ा हो, हमारा तब तक कुछ नहीं बिगाड़ सकता जब तक हमारा ही कोई अंग इसका हत्था नहीं बनता. बिना हत्थे के इसमें वह सामर्थ्य नहीं कि हमें नष्ट कर सके." बूढ़े पेड़ की बात सुन शाखाएँ नरम और आश्वस्त होकर विश्राम करने लगी.

कुल्हाड़ा भटकता रहा, वांछित के लिए उसका श्रम जारी था, वह शाखाओं को अपनी अपेक्षा अनुसार सहलाता, किन्तु उलट शाखाओं की नम्रता, उसके उद्देश्य को विफल कर रही थी. सहसा एक सीधी सरल टहनी से कुल्हाड़े का तनाव देखा न गया. दया के वशीभूत उसने उदारता दर्शायी. कुल्हाड़े के दांत चमक उठे. धीमे से उसने अपना काम कर दिया. समय तो लगा पर आखिर कुल्हाड़ा, हत्था पाने में सफल हो गया. बूढ़ा पेड़ विवशता से देखता ही रह गया.

कुल्हाड़ा अट्टहास करने लगा. बूढ़े पेड़ ने कहा- ₹अगर हमारा ही कोई अपना, तेरा साथ न देता तो तू कभी अपने कुत्सित इरादों में सफल नहीं हो पाता.₹ साथ ही उस सीधी सरल टहनी को उपालंभ देते हुए कहा, "तू अपने विवेकहीन सद्भाव पर मत इतरा, एक दिन यह तुझे भी उखाड़ फेंकेगा, किंतु तेरी इस उदारता की कीमत हमारा समग्र वंश चुकाएगा." कुल्हाड़ा, पेड़ दर पेड़ को धराशायी करने लगा. कुल्हाड़ा, वन साफ होने से मिली भूमि पर भी कब्जा करने लगा. उसने वहां अपने लोह वंश विस्तार के उद्योग लगाए. लोहे की सन्तति हरे भरे वनों की जगह फैलती चली गई. अब अधिकांश भूमि पर उसका साम्राज्य था.

उसने अपने आपको विकसित करना सीख लिया था. अब तो बस उसे लकड़ी पर अपनी निर्भरता को समाप्त करना था. कुल्हाडे ने लकड़ी के उस हत्थे को निकाल भट्ठी में झोंक दिया और स्वयं इलेक्ट्रिक शॉ मशीन का रूप धर लिया, विनाश को और भी प्रबल और विराट करने के लिए. अहिंसा के पालन के लिए उदारता बरती जा सकती है किन्तु वह कैसी उदारता जिसमें हिंसक मानसिकता का संरक्षण और हिंसा को समर्थन देने की बाध्यता हो. यदि आप किसी हिंसक को अपने स्वार्थ या उदारता के कारण संरक्षण देते हैं तो यह ध्यान में रहना चाहिए कि वह वर्तमान में भले ही दूसरों का संहार कर रहा है, लेकिन एक समय ऐसा अवश्य आएगा, जब वह आपको भी अपनी हिंसक वृत्ति का शिकार बनाएगा और तब आपके पास पश्चात्ताप का भी अवसर नहीं रहेगा.

दक्षिण भारत में भाजपा की राह आसान नहीं

• राज्यनामा

वेद उनियाल

जब उत्तर भारत की राजनीति में हिमाचल और यूपी में राज्यसभा की सीटों के लिए बिसातें बिछ रही थीं, पीएम मोदी दक्षिण भारत में अपनी सभाओं के जरिए लोगों से संवाद कर रहे थे. बीजेपी अपने उस दक्षिण मिशन पर गंभीर है, जिसकी बदौलत वह एनडीए के चार सौ वाले नारे को धरातल रूप देना चाहती है. निश्चित ही दक्षिण का यह सफर काफी अड़चनों भरा है. लेकिन बीजेपी का यह संकल्प बिना दक्षिण विजय के पूरा नहीं हो सकता. बीजेपी की चुनौती यह भी है कि तमिलनाडु, केरल और आंध्र में उसके संगठन का बहुत विस्तार नहीं हुआ है. बीजेपी के लिए दक्षिण के राज्य कमजोर कड़ी कहे जाते रहे हैं. बीजेपी ने दक्षिण के प्रवेश द्वार कहे जाने वाले कर्नाटक और किसी हद तक तेलंगाना में अपना आधार बढ़ाया है. बीजेपी एनडीए के जरिए दक्षिण में बेहतर परिणाम के लिए संघर्ष कर रही है. कुछ दशक पहले बीजेपी तमिलनाडु-केरल जैसे राज्यों में छोटी-छोटी सभा और बैठकों के जरिए लोगों से जुड़ने की कोशिश करती थी. लेकिन दक्षिण में वह सिमटी ही रही. लेकिन अब खासकर तमिलनाडु, केरल व आंध्र में भी पीएम मोदी की जनसभाओं में उत्तर भारत की तरह नजारा दिखता है. एक समय तमिलनाडु में अन्ना द्रमुक का साथ लेकर भी बीजेपी की जनसभाएं इतना आकार नहीं लेती थीं. लेकिन अब जब वह तमिलनाडु में अकेले खड़ी है, तब उसकी अपनी उपस्थिति झलकती है. नॉर्थ ईस्ट के राज्यों और पश्चिम बंगाल में बीजेपी ने जिस तरह अपना विस्तार किया, उसके पीछे उसकी रणनीति और अभियान को देखा जा सकता है. 2014 से पहले नॉर्थ ईस्ट में बीजेपी की कोई पहचान नहीं थी. लेकिन बीजेपी ने बहुत तेजी से और सधी हुई नीतियों के साथ राज्यों में अपना विस्तार ही नहीं किया, बल्कि अधिकांश राज्यों में सरकारें भी बना ली. कहीं बीजेपी ने वहां की स्थानीय सियासी पार्टियों को साधा तो कहीं वहां के प्रभावी नेताओं को साथ जोड़ा. त्रिपुरा जैसे वामपंथ के गढ़ को उसने ध्वस्त किया. इसी तरह पश्चिम बंगाल में बीजेपी ने पिछले लोकसभा चुनाव में 42 में 18 सीटें हासिल करके अपनी धमक बनाई. इसी तरह विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने 77 सीटों पर जीत हासिल करके चौंकाया था. जिस तरह बीजेपी के लिए नॉर्थ ईस्ट और पश्चिम बंगाल कठिन लक्ष्य थे, उसी तरह दक्षिण भारत की चुनौती भी बड़ी रही है. अब बीजेपी ने रणनीति के साथ दक्षिण के राज्यों के मतदाताओं को प्रभावित करने की रणनीति बनाई है . पीएम मोदी अगर पांच साल में 47 बार नोर्थ ईस्ट के दौरे पर गए तो दक्षिण भारत की ओर भी उनका जहाज समय-समय पर उड़ान भरता रहा है. बीजेपी ने दक्षिण मिशन के लिए संगठन क्षमता को बेहतर करने का प्रयास किया. पीएम मोदी दक्षिण की अपनी जनसभाओं में संसद में स्थापित संगोल का जिक्र करना नहीं भूलते. इसके साथ वह दक्षिण के लोगों से संवाद जोड़ते हैं. वर्ष 2014 के बाद से ही एनडीए सरकार ने कोशिश की है कि दक्षिण की अलग-अलग क्षेत्र की प्रतिभाओं से संवाद किया जाए. यही नहीं पद्म पुरस्कारों के लिए दक्षिण की प्रतिभाओं को आगे लाया गया. इसी कड़ी में इस बार पूर्व पीएम नरसिंह राव और कृषि वैज्ञानिक डॉ. स्वामीनाथन को भारत रत्न का ऐलान होना देखा जा सकता है. दक्षिण मिशन के लिए केवल पीएम मोदी ही नहीं बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने भी कई दौरे किए. काशी तमिल संगम के आयोजनों की श्रृंखला इसी उद्देश्य से है कि किसी तरह दक्षिण और नॉर्थ के बीच संवादों का एक गलियारा तैयार हो. पीएम मोदी दक्षिण में अपने भाषणों की शुरुआत राज्य भाषा की कुछ पंक्तियों से करते हैं. वहां के प्रसिद्ध कवियों की कविताओं की पंक्तियों का उल्लेख करते हैं. पीएम मोदी ने दक्षिण के मठ मंदिर पुरातत्व संग्रहालय हर जगह जाकर लोगों से संवाद जोड़ा है. संसद में पीएम मोदी की शायद ही कोई स्पीच ऐसी हो, जिसमें उन्होंने दक्षिण भारत के संदर्भ में कोई बात न कही हो. बीजेपी ने दक्षिण भारत के राज्यों में भी जनाधार वाले नेताओं पर नजर रखी. साथ ही करिश्माई व्यक्तित्व वाले नेताओं को भी पार्टी से जोड़ने की कोशिश हुई है. असम में हिमंता बिस्वा और पश्चिम बंगाल में सुवेंदु अधिकारी जैसे नेता पार्टी से जुड़े. इसी तरह तेलंगाना में बंदी संजय कुमार पार्टी से जुड़े.

> **बीजेपी एनडीए के जरिए दक्षिण में बेहतर परिणाम के लिए संघर्ष कर रही है. कुछ दशक पहले बीजेपी तमिलनाडु-केरल जैसे राज्यों में छोटी-छोटी सभा और बैठकों के जरिए लोगों से जुड़ने की कोशिश करती थी. लेकिन दक्षिण में वह सिमटी ही रही. लेकिन अब खासकर तमिलनाडु, केरल व आंध्र में भी पीएम मोदी की जनसभाओं में उत्तर भारत की तरह नजारा दिखता है.**

'एमएसपी' को कानूनी दर्जा देने से मजबूत होगी कृषि

• कृषि

केआर सुधामन

कृषि के मामले में स्पष्ट है कि सरकार 23 फसलों पर 'न्यूनतम समर्थन मूल्य' (एमएसपी) घोषित करती है, जबकि 'भारतीय खाद्य निगम' (एफसीआई) के माध्यम से कुछ ही इलाकों में मुख्यतः गेहूं और धान भर खरीदती है. यानी 'एमएसपी' पर उपज खरीदने की सरकारी घोषणा महज कागजी होती है. सरकार की दलील रही है कि यदि वह सभी फसलें खरीदे तो उसका वित्तीय बोझ असहनीय हो जाएगा. ऐसे में इस दलील को परखना जरूरी है. मूल बात यह है कि सरकारी खरीदी एवं निजी बाज़ार-व्यापार साथ-साथ चलते हैं. ये व्यवस्थाएं कॉम्पिटिशन के साथ एक दूसरे की पूरक बन जाती हैं. इन 23 'एमएसपी' फसलों को तीन वर्गों में बांटा जा सकता है. अव्वल तो कुछ फसलें ऐसी हैं, जिनका निजी बाज़ार मज़बूत है, खासकर जिनकी कारखानों के लिए खरीदी होती है. इन फसलों के लिए 'एमएसपी' एक न्यूनतम भाव, यानी मंडी में 'फ्लोर प्राइस' बन सकती है. इसे हम एक उदाहरण से समझ सकते हैं - वर्ष 2023 में फसल आने पर सोयाबीन का भाव 4500 रुपए से 5000 रुपए क्विंटल था. व्यापारी मिलों के लिए सोयाबीन मण्डियों से खरीद रहे थे. 'एमएसपी' का भाव 4600 रुपए क्विंटल था. एक वर्ष पहले यह भाव 6000 रुपए क्विंटल के ऊपर था. यदि विशेष परिस्थितियों में मण्डियों में बोली लगातार 'एमएसपी' के नीचे लग रही हो तो सरकार को दखल देना चाहिए. यह दो तरीकों से हो सकता है. मण्डियों के कर्मचारी यह व्यवस्था सुनिश्चित करें कि किसान के माल की बोली एक निर्धारित गुणवत्ता के अनुसार 'एमएसपी' से कम दाम पर न हो. जहां मिल द्वारा उपज खरीदी जाती है, वह भी 'एमएसपी' से कम पर न हो. यदि भाव को नियंत्रित करना ज़रूरी हो तो अंश-कालिक सरकारी खरीदी खोल देनी चाहिए. कॉम्पिटिशन से निजी बाज़ार पर प्रभाव पड़ेगा और दाम ऊपर आएंगे. कई व्यापारिक फसलें जिनका आमतौर पर बाज़ार भाव 'एमएसपी' के ऊपर रहता है, उनके लिए सरकार को उपार्जन की ज़रूरत नहीं है. कभी-कभी सरकारी खरीदी करना पड़ सकती है. दूसरी सूची उन फसलों की होगी जिनका कटाई के बाद का भाव 'एमएसपी' से 10 से 30 प्रतिशत नीचे रह सकता है. उदाहरण के लिए जब मक्का का भाव कटाई के समय 1750 रुपए क्विंटल था तब 'एमएसपी' का भाव 2090 रुपए क्विंटल था. इस दौरान किसी को भी 'एमएसपी' नहीं मिल रही थी. इस फसल पर निजी बाज़ार 'एमएसपी' के नीचे ही चलता रहा. ऐसी स्थिति में सरकार के लिए केवल 'एमएसपी' के नियम को लागू करने से काम नहीं चलेगा. भाव को ऊपर खींचना होगा. इसके लिए सरकार को विकेंद्रीकृत तरीके से हर जिले में छोटे-छोटे उपार्जन-केंद्र खोलने होंगे और 10 से 40 प्रतिशत फसल खरीदने की व्यवस्था बनानी होगी. उदाहरण के लिए गेहूं को देखें. एक जिले में 50 से अधिक उपार्जन केंद्र हैं. किसान पंजीयन करते हैं और उन्हें पास का केंद्र मिल जाता है. उपार्जन के बाद पैसे उनके बैंक खाते में डाल दिए जाते हैं. इस विकेंद्रीकृत व्यवस्था के कारण 30 से 50 प्रतिशत किसान इसका लाभ ले पाए. बड़ी बात यह रही कि निजी व्यापार पर कॉम्पिटिशन का असर पड़ा और मंडी के भाव 'एमएसपी' के पास या अधिक रहे. उपार्जन ने निजी व्यापार भाव को भी ऊपर उठाया. 40 से 60 प्रतिशत व्यापार निजी बाज़ार से हुआ और किसानों को उचित भाव मिले.नया कानून इसको सुनिश्चित कर सकता है. हर वर्ष 'एमएसपी' की घोषणा के साथ-साथ विकेंद्रीकृत उपार्जन व्यवस्था की घोषणा अनिवार्य होनी चाहिए. हर राज्य के लिए कुछ ऐसी फसलों को (गेहूं और चावल को छोड़कर) चुना जाए जिनका निजी व्यापार या मंडी भाव ऊपर उठाया जा सकता है. यह सार्वजनिक हित में होगा और किसान के लिए प्रोत्साहन बनेगा तथा मिश्रित खेती को भी बढ़ावा मिलेगा. हर राज्य की सूची अलग होगी, पर सभी को मिलाकर देखें तो 23 'एमएसपी' फसलों में अधिकांश को कवर कर पाएंगे. इसे अनिवार्य करने के लिए 'एमएसपी' की घोषणा से उपार्जन को जोड़ना होगा और केंद्र द्वारा संचालित 'एफसीआई' को जिम्मेदारी एवं वित्तीय खर्च उठाना होगा. हर राज्य के लिए गेहूं और धान के साथ चुनिन्दा क्षेत्रीय फसलों पर यह नियम लागू होगा. केन्द्र और राज्य इसे तय करेंगे. कई मायनों में 'एफसीआई' का काम बढ़ेगा. उन्हें उन राज्यों में इंफ्रास्ट्रक्चर या सार्वजनिक व्यवस्था में निवेश करना होगा, जहां आज उपार्जन की व्यवस्था नहीं है.

> **मण्डियों के कर्मचारी यह व्यवस्था सुनिश्चित करें कि किसान के माल की बोली एक निर्धारित गुणवत्ता के अनुसार 'एमएसपी' से कम दाम पर न हो. जहां मिल द्वारा उपज खरीदी जाती है, वह भी 'एमएसपी' से कम पर न हो. यदि भाव को नियंत्रित करना ज़रूरी हो तो अंश-कालिक सरकारी खरीदी खोल देनी चाहिए. कॉम्पिटिशन से निजी बाज़ार पर प्रभाव पड़ेगा और दाम ऊपर आएंगे.**

मीडिया में अन्यत्र

डब्लूटीओ में मामूली आम सहमति

विश्व व्यापार संगठन की 13वीं मंत्रिस्तरीय बैठक या एमसी13 जैसा कि आमतौर पर इसे जाना जाता है- अबूधाबी शहर में मामूली आम सहमति के साथ संपन्न हुई. डिजिटल व्यापार पर शुल्क लगाने की देशों पर लगी रोक दो साल के लिए बढ़ाने पर अंतिम समय में हुए समझौते को ही प्रतिनिधि एक छोटी-सी जीत बता सकते हैं. लेकिन सच तो यह है कि यही एकमात्र अच्छी खबर है. बैठक के बाद जारी घोषणापत्र में यह संकेत दिया गया कि सदस्य देश डब्ल्यूटीओ के कामकाज के लिए आवश्यक सुधारों पर काम करना जारी रखेंगे. यह भारत की सबसे बुनियादी मांगों में से एक है. वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने बिल्कुल सही तरीके से यह बात रखी कि जब तक डब्ल्यूटीओ के बुनियादी कार्यों में सुधार नहीं किया जाता-जैसे कि विवाद समाधान प्रणाली- डब्ल्यूटीओ के दायरे का विस्तार करने के प्रयासों की गुंजाइश बहुत कम है.केंद्रीय तंत्र जिसके द्वारा डब्ल्यूटीओ आगे बढ़ सकता है वह यह है कि अमेरिकी प्रशासन-किसी भी पक्ष का-राष्ट्रों के बीच व्यापार विवादों पर फैसला करने वाले अपील निकाय में नए न्यायाधीशों के नामांकन पर अपनी अभूतपूर्व आपत्ति छोड़ दे. इस निकाय में 2024 तक सुधार करने का लक्ष्य था, लेकिन इस समयसीमा का पालन नहीं हो पाया. इस गतिरोध के जारी रहने की बड़ी जिम्मेदारी वॉशिंगटन में जो बाइडन प्रशासन की ही है. यहां तक कि बुनियादी जुड़ाव की भी कमी सबसे अधिक तब दिखाई दी, जब अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि ने शुक्रवार को मंत्रिस्तरीय वार्ता छोड़कर जाने का फैसला किया, जबकि अन्य लोग समझौता करने की कोशिश करने के लिए रुके रहे. भारत के लिए सरकार की मुख्य प्राथमिकता यही थी कि भारत की अनाज खरीद प्रणाली का बचाव किया जाए, जिसे कि फिलहाल वह घरेलू स्तर पर सुधारने की कोशिश कर रही है. इसने पश्चिमी देशों को उतना परेशान नहीं किया, जितना कि कुछ साथी विकासशील देशों को. ब्राजील ने भारत के खिलाफ आरोप का नेतृत्व किया, जबकि थाईलैंड के प्रतिनिधि ने अनाज भंडारण पर हमला करते हुए इसे वैश्विक खाद्य कीमतों को प्रभावित करने वाला बताया. भारत के विरोध के बाद थाईलैंड को डब्ल्यूटीओ में अपने राजदूत को वापस बुलाना पड़ा. अनाज खरीद को महत्त्व देने के पुराने तरीके पर भारत की कुछ मांगें वस्तुनिष्ठ तरीके की हैं और उनमें सुधार की जरूरत है. इसी तरह मत्स्यपालन के मामले में, जरूरत से ज्यादा मछली पकड़ने पर रोक लगाना भारत के हित में है, खासकर चीन जनवादी गणतंत्र के विशाल बेड़ों द्वारा.

(बिजनेस स्टैंडर्ड)

शब्द चर्चा डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

कमबख्त/कमवक्त

विपिन भाई मजाकिया स्वभाव के हैं. वे अक्सर कहा करते हैं-भाई मैं कमवक्त हूं, क्योंकि मेरे पास वक्त नहीं है. इसीलिए कुछ लोग मुझे कमवक्त कहते हैं. एक दिन उन्होंने ऐसा ही कहा तो नसीम भाई ने उन्हें टोक दिया- कौन कमबख्त आपको कमवक्त कहता है. जरूर उसे भाषा का ज्ञान नहीं होगा. अगर आप उसे अच्छा नहीं लगते तो उसे कमवक्त नहीं, कमबख्त कहना चहिए, जो वह नहीं कर सका. विपिन भाई की तरह बहुत ऐसे लोग हैं, जो कमवक्त और कमबख्त में अंतर नहीं समझते. इन दोनों के बीच बहुत बड़ा अंतर है और वह यह है कि कमबख्त सही शब्द है और कमवक्त गलत. यह तो आप जानते ही हैं कमबख्त एक आम गाली है. यह बात अलग है कि यह जरा प्यारी-सी गाली है. कमबख्त फारसी भाषा मूल का विशेषण शब्द है. वर्धा हिंदी शब्दकोश में इसका मतलब बताया गया है भाग्यहीन, अभागा, हतभाग्य, बदनसीब. इससे बना शब्द है कमबख्ती. यह संज्ञा स्त्रीलिंग शब्द है, जिसका मतलब है बदनसीब, दुर्भाग्य, अभाग्य. यह दो शब्दों के मेल से बना है-कम+बख्त. कम फारसी मूल का ही शब्द है. रेख्ता उर्दू हिंदी शब्दकोश के अनुसार कम का मतलब है, जो उतना न हो जितना साधारणतया होता हो या होना चाहिए. जितना अपेक्षित या आवश्यक हो, उससे घटकर या थोड़ा, घटिया, जरा सा, न्यून. बख्त भी फारसी ही है. इसका मतलब भाग्य, नसीब, किस्मत. पंजाब में बख्त शब्द का प्रयोग कुछ ज्यादा ही होता है. उस प्रांत में लड़कों का नाम बख्तावर सिंह बहुतायत मिल जाता है. बख्तावर का मतलब हुआ भाग्यवान, नसीबोंवाला. वहां बड़े लोग छोटों को पांव छूने पर आशीर्वाद देते हैं-बख्त वाला या बख्त वाली होओ. भाग्य कहें या नसीब या किस्मत या बख्त इसे सकारात्मक यानी अच्छी और उत्तम के अर्थ में ही लिया जाता है, लेकिन जब इसके साथ कम या बद शब्द जुड़ता है तो इसका मतलब कम किस्मत वाला या बुरी किस्मत वाला ही होता है.

आचार, विचार, भ्रष्टाचार, लाचार!

• तीर-तुक्का

एसके पाण्डेय

भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने वालों को यह नहीं भूलना चाहिए कि हम भारतीय हैं. हमारे यहां खाने में आचार, व्यवहार में शिष्टाचार तथा शादी में द्वारचार होता है. और मर जाओ तो उठाने वाले भी चार होते हैं. मतलब हर जगह चार होता है. कुछ करने के लिए और न करने के लिए भी विचार होता है. कुछ करो या न करो पर प्रचार होता है. आज गांव से शहर तक व्यभिचार और दुराचार होता है. कुछ करने लायक न रहो तो लाचार होता है. भगवान ने दो ही आँखे दी हैं पर आँखें चार होती हैं. अतः यदि देश में एक और चार यानी भ्रष्टाचार है तो क्या बुराई है ? क्योंकि चार अपनी संस्कृति से जुड़ा है. अतः हम सब को एक जुट होकर काम करना होगा और इसे भारतीयता की निशानी, पहचान बनाना होगा. अगर हम भारतीय होकर भी भ्रष्टाचार से बिमुख हो जायेंगे तो अपनी पहचान खो देगें. अपनी संस्कृति से यह एक और धोखा होगा. कुछ समय पूर्व भ्रष्टाचारी जी का कुछ लोगों ने अपहरण कर लिया था. जब उन्हें उनके सरगना के सामने पेस किया गया तो वह दौड़कर उनसे गले मिला. और अपने ही लोगों को डांट पिलाई. बोला यह तो अपना भाई है. इसे मार कर हमें क्या मिलेगा ? हमारी और इनकी मंजिल एक है. हम इनके देश को बर्बाद करना चाहते हैं. उसे खोखला कर देना चाहते हैं. और ये खुद अपने देश को खोखला कर रहे हैं. उसे लूट रहे हैं. इस प्रकार ये हमारे सहयोगी हुए. फर्क इतना है, हम बाहर रहकर इनके देश को खोखला करते है और ये अंदर रह कर करते हैं. वह आगे बोला जाओ. और निर्भय होकर रहो. नाहक में सुरक्षा गार्डो की फ़ौज लेकर चलते हो. तुम्हें हम लोगों से कोई खतरा नहीं है. अब देखिये इसी भ्रष्टाचार की वजह से भ्रष्टाचारी जी की जान बच गई. आप लोग चाहते हैं कि भ्रष्टाचार को रोकने के लिए कानून बन जाए. नहीं माने तो बना भी दिया जायेगा. क्योंकि नेता दिल रखना चाहते हैं तोड़ना नहीं. और दिल रखते भी हैं. बड़ा भारी दिल. बिना बड़े दिल के कथनी और करनी को अलग नहीं किया जा सकता. अगर कुछ तोड़ते भी हैं तो ऐसा तोड़ते हैं जो जल्दी जुड़े ही न. तुम लोग अपने को ज्यादा समझदार समझते हो. लेकिन असली समझदारी जनसेवकों के पास ही होती है. समझदारी इन्हीं से शुरू और इन्ही पर खत्म हो जाती है. ये रास्ते बनाने में चूहों को भी मात देने वाले हैं. क्या सोचते हो कि कानून बन जाने से भ्रष्टाचार और भ्रष्टाचारी खत्म हो जायेगें ? बिल्कुल नहीं.

Her Story

"8 मार्च" न ही एक पर्व है न ही "वन डे शो". ये आकलन का दिन है कि कहां तक पहुंची महिलाएं इस दशक में सबसे महत्वपूर्ण बात यह हुई कि महिलाओं के पांव मजबूत हुए हैं और जबान मुखर हुई है. उन्होंने अपनी आवाज को दबाए जाने का विरोध किया है. नतीजा जमाने को अचंभित कर रहा.

बड़ी दूर से चलकर आए हैं

रानी सुमिता

संविधान ने सभी नागरिकों को बोलने की आजादी तो दी पर हमारे पितृसत्तात्मक समाज में हमारी सामाजिक स्थिति हमेशा से कुछ ऐसी रही कि महिलाओं को अपनी बात को परिवार और समाज में रखने की छूट शायद ही मिली. नतीजन उनकी निर्णय शक्ति सही रूप में विकसित नहीं हो पाई. परिवार पर निर्भरता ने उन्हें अपने पंख ठीक से फैलाने ही नहीं दिए और वो लंबे समय तक अनिर्णय की स्थिति से मुक्त ही नहीं हो पाईं. परंतु अब समय ने महिलाओं के पक्ष में करवट ली है. निर्णय लेने की और उस पर बने रहने की जिद आज के दौर की महिलाओं की शक्ति बनी है. जब वे जिद पर आ चुकी हैं तो परिवार की सोच का बदलना भी लाजमी है. यानी बेटियों के निर्णय को स्वीकृति मिलने लगी. ये आज का वो बदलता स्वरूप है जो महिलाओं की अपनी आत्मिक शक्ति के कारण ही सम्भव हो पाया है. लड़कियों ने आगे बढ़ने की जो जिद पकड़ी, सारे समाज-परिवार को उनके आगे झुकना पड़ा.

उपलब्धियों का आकाश

यह सदी महिलाओं की सदी है. वे आर्थिक स्वावलंबन की ओर तेजी से उन्मुख हैं. घर के सीमित दायरे से आगे बढ़ उन्होने अपना वितान विस्तृत किया है. हम गौरवान्वित हैं कि हमारी राष्ट्रपति एक महिला हैं. हमारी महिला वैज्ञानिकों ने चंद्रयान अभियान को ही केवल गति नहीं दी बल्कि देश के युवाओं को एक मार्गदर्शन भी दिया. मध्य प्रदेश की बेटी अवनी चतुर्वेदी जब फाईटर प्लेन उड़ाती हैं तो हम पूरे भारतवासी नाज से भर उठते हैं. वायु सेना की महिला फाईटर पायलटों में बिहार की बेटी भावना कंठ और राजस्थान की बेटी मोहना सिंह पर गर्व से भरा हुआ है हमारा देश. अपने इतिहास को खंगालते हुए हम प्रथम महिला पायलट सरला ठकराल को कैसे भूल सकते हैं जो 1936 में इक्कीस वर्ष की आयु में पायलट बनी थीं. कितना सुखद है कि उनका उदाहरण अब विस्तार ले चुका है. महिलाओं की दुनिया का सुंदर, मधुर और अवसरों से परिपूर्ण होना बदलती सोच और महिलाओं के सशक्त होने का मजबूत उदाहरण है.

बिहार की नीना सिंह सीआइएसएफ की डाइरेक्टर जेनरल बनी हैं. कोई महिला जब अपनी यात्रा में कोई मुकाम हासिल करती है जो पूरा समाज गर्व करता है क्योंकि विचारों का खुलना समाज को बेहतर और परिपक्व बनाता है. रेलवे बोर्ड की चेयरमैन के पद पर जया वर्मा सिन्हा का नियुक्त होना महिलाओं का सशक्त हस्ताक्षर होना है. देश की सबसे उच्च परीक्षा संघ लोक सेवा आयोग में लड़कियों ने लगातार अपना परचम फहराया है. इस वर्ष इस परीक्षा में प्रथम व दूसरे स्थान पर बिहार की क्रमशः ईशिता किशोर और गरिमा लोहिया का काबिज होना ये तय करता है कि बस आप बेटियों को उड़ने दें और उनकी ऊंचाई आपको गर्व से भर देगी. यहां यह याद करना आवश्यक है कि देश की सबसे बड़ी बैंकिंग संस्थान स्टेट बैंक आफ इंडिया की चेयरमैन जब अरुंधती भट्टाचार्य थीं तो संस्थान ने नई ऊंचाईयों को छुआ. महिलाएं न जाने कितनी जिम्मेदारियों को संभालती एक उदाहरण बनती रही हैं, ये हमेशा परदे के पीछे की बात रही. बिहार की रश्मि शिखा एक गृहणी से जिला जज की अविस्मरणीय यात्रा तय करती हैं तो हमें याद रखना होगा कि हमारे देश के कोने-कोने में हर क्षेत्र में ऐसी यात्रा तय करती महिलाओं की अनेक कहानियां बिखरी हुई हैं. लेखन के क्षेत्र में आज जितनी लेखिकाएं मुखर हैं और अपनी कलम चला रही हैं, उस समय को याद दिलाता है जब महिलाओं ने कोयले से घर की दिवारों पर अपनी व्यथा कथा उकेरना शुरू किया था. उस दौर की छटपटाहट आज दौर में बेबाक लेखन तक की यात्रा है.

जमीनी तरक्की

महिलाओं की जब तक जमीनी तरक्की होती न दिखे, महिला दिवस पर बात का औचित्य नहीं. मुझे बेहद खुशी हुई और गरूर हुआ जब मेरी घरेलू सहायिका की पुत्री मैनेजमेंट की पढ़ाई पूरी कर अपने पैरों पर खड़ी हुई. उसने अपनी बेटी के लिए विवाह नहीं पहले पढ़ाई का विकल्प चुना. जब बेटियों के लिए ऐसे निर्णय जमीनी स्तर तक पहुंच गए तो महिलाओं का सम्मान और भविष्य दोनों सुरक्षित समझना चाहिए. यह बात दीगर है कि हर महिला जहां है वहां से ऊपर उठने की कोशिश कर रही.

बड़ी दूर से चली आ रही हैं महिलाएं!

यह कड़वा सच रहा है कि पूरी दुनिया में महिलाओं को दोयम दर्जे का नागरिक ही समझा जाता रहा. एक वक्त उनका बाहर काम करना सम्मान की नजरों से नहीं देखा जाता था. घर परिवार और बच्चों की देखभाल ही महिलाओं का आकाश था. उनकी यात्रा जिसमें अपने वजूद की पहचान बनाना सबसे महत्वपूर्ण रहा और यह संघर्ष सदियों से चलता रहा. आज की यह नारी जो अपनी उपस्थिति से सभी को टक्कर दे रही है, उस लंबे संघर्षों को झेलती हुई आगे बढ़ी है. फिर आज की नारी में जिद्दी स्वभाव जो दृष्टिगत हो रहा वह एक स्वाभाविक और आवश्यक पड़ाव है, उनकी इस लंबी यात्रा का. उनमें खुद को साबित करने की ललक है और अपने निर्णय क्षमता पर डटे रहने का जुनून!

घरेलू कार्यों का सही मूल्यांकन हो

भारत में विवाह संस्था में महिलाओं की आर्थिक सुरक्षा आमतौर पर जीवन साथी पर निर्भर होती हैं. परंतु हकीकत में ऐसी महिलाओं के हाथ में अपना कुछ नहीं होता. अधिकतर घरेलू महिलाओं के कोई अपने अकाउंट तक नहीं होते. मेरे ख्याल से अब वह समय आ चुका है कि घरेलू जिम्मेदारियों को अपने कंधे पर उठाती महिलाओं के घरेलू कार्यों का सही मूल्यांकन हो! उनकी अवैतनिक स्थिति को बेहतर करने की सरकार कोई पहल पर अवश्य विचार करे. जिन भी महिलाओं ने आर्थिक अर्जन किया, वे बेहतर तरीके से समाज में अपनी उपस्थिति बना पाईं और जिंदगी के फैसले ले पाईं.

बहरहाल, इस महिला दिवस पर महिलाओं की तमाम उपलब्धियों को सलाम करने का अवसर है. वे साबित हो रही हैं, साबित कर रही हैं. कई अहम् आश्चर्य से भरे फैसले भी लेती दिख रही . अभी न्यूजीलैंड की प्राईम मिनिस्टर जेसिका आर्डन, जिन्होंने सबसे युवा पीएम के रूप में कार्य भार सम्भाला और एक सफल पीएम रहीं पर उन्होंने अचानक अपना पद त्याग कर आगे एक सामान्य जीवन जीना चाहा. ऐसा अनोखा निर्णय एक महिला ही ले सकती है वरना सत्ता और कुर्सी की ललक से कौन वाकिफ़ नहीं!

अपने तमाम उतार-चढ़ावों को पीछे झटकती, अपनी जिम्मेदारियों से झुके कंधों को मजबूती से संभालती, अड़ती-बढ़ती सभी महिलाओं को सचमुच समय कहां है क्योंकि उन्हें तो समय को पकड़ना है!!

तुम बहो, बदलेगी तभी हवा की दिशा
तुम चलो, मिलेगी तभी मंजिल को जुबां
कितने खाली पन्नों का भरना अभी है बाकी
लिखना है तुमको रोज नई एक कहानी !

वासवी किड़ो
सामाजिक कार्यकर्ता

"सत्ता और संपत्ति में महिला को हक दो, वे खुद ही सशक्त हो जाएंगी. उनके सशक्तीकरण का यह सबसे बड़ा सूत्र साबित होगा. आज सत्ता में वही महिला सहजता से प्रवेश पा रहीं जिनकी पारिवारिक पृष्ठभूमि है. वे सत्ता में न्यूक्लियर प्रेशर नहीं बना पातीं. आम महिलाओं के लिए यहां अवसर कम हैं. आरक्षण की बात भी परिसिमन, जातीय जनगणना में उलझ कर रह गई है, वहीं पिता की संपत्ति में बेटियों को कानून के बावजूद हक नहीं मिल रहा है. इनसबके लिए हल्ला बोलना होगा."

रमा खलखो
पूर्व मेयर, रांची

"गलत के लिए विरोध-प्रतिकार के स्वर बुलंद करना होगा. यह मेरी नजर में महिला सशक्तीकरण का सबसे बड़ा सूत्र है. सबसे पहले तो उन्हें अपने घर-परिवार में गलत के विरुद्ध बोलना होगा और यह शायद सबसे कठीन है. लेकिन समय की मांग है कि हम बोलें...संस्कार और शालीनता के साथ ही भले, पर लब खोलें. हमें खुद जागरूक होना होगा, तभी तमाम नियम कानून व कायदे हमारे पक्ष में होंगे."

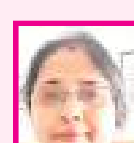

मोनिका आर्या
पत्रकार

"महिलाओं को पॉलिटिकली एजुकेट होने की जरूरत है. उन्हें अपनी राजनीतिक समझ बढ़ानी होगी. इससे न केवल वोट देने बल्कि खुद खड़े होने और चुनकर आने पर भी फर्क पड़ेगा. मुखिया पति और सरपंच पति जैसे मीम्स और चुटकुलों का कारण ही यही है कि वर्तमान में महिलाएं राजनीतिक समझ नहीं रखतीं. पिता, पति, बेटे के कहने पर वोट देना और रिजर्व सीट पर चुनकर आने के बाद उनके कहने पर हस्ताक्षर करना, यह स्थिति दुखद और बहुत हद तक आज की सच्चाई है."

सफर जारी है, मंजिल दूर

किरण

8 मार्च अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस, महिलाओं के संघर्ष के इतिहास में एक प्रतीक दिवस बन गया. विश्वभर की महिलाएं आज के दिन को अपने संघर्षों को याद करने, स्वमूल्यांकन, चिंतन करने, खुशियां मनाने के रूप में मनाती हैं. शोषण अत्याचार के विरुद्ध आवाज उठाती औरतें समानता के लिए संघर्षरत हैं और इस दिन को फिर से अपनी ताकत संजोनें के प्रेरणादायी दिवस के रूप में त्योहारों के समान मनाती हैं.

इस दिवस की एक ऐतिहासिक पृष्ठभूमि रही है. 8 मार्च 1857 को वेस्जिका के सूती वस्त्र उद्योग में कार्यरत हजारों महिलाओं ने काम के 16 घंटों को घटा कर 10 घंटे करने और मजदूरी बढ़ाने की मांग को लेकर व्यापक संघर्ष की शुरुआत की थी. जिसकी सफलता उन्हें 8 मार्च 1908 को ही मिली. इस लंबे संघर्ष में महिलाओं ने अपने अधिकारों को हासिल करने की सामूहिक ताकत को और आगे बढ़ाया. फ्रांस की महिलाओं ने 8 मार्च 1870 में जब पेरिस कम्यून का जन्म हुआ, उस संघर्ष में अपने जुझारूपन का परिचय दिया, अपनी लड़ाई को मुखर बनाया. 8 मार्च 1908 को न्यूयार्क के कपड़ा मिल की हजारों महिला श्रमिकों ने अपनी मांगों के साथ न्यूयार्क की सड़कों पर विशाल प्रदर्शन किया. इस तरह यह न केवल महिलाओं के शोषण-अत्याचार का विरोध दिवस बना वरन श्रमिक वर्गीय चेतना के साथ महिलाओं की लड़ाई का प्रतीक भी बना.

8 मार्च दिवस की ऐतिहासिक घटनाओं को मद्देनजर रखते हुए 1910 के 8 मार्च को एक विशाल रैली को संबोधित करने के दरम्यान महिला नेत्री क्लारा जेटकिन कापेनहेगेन में नेशनल सोशालिष्ट कन्फ्रेंस में इस दिवस को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के रूप में मनाने का प्रस्ताव रखा ताकि आगे आने वाले समयों में यह दिवस महिलाओं के लिए एक प्रतीक दिवस बने जो महिलाओं को अपने संघर्षों को याद करने, आगे बढ़ने की प्रेरणा दें, तबतक जब तक समतामूलक समाज की स्थापना नहीं हो जाती. दुनिया भर में क्लारा जेटकिन के इस प्रस्ताव का स्वागत हुआ और 1911 में पहली बार 8 मार्च महिला दिवस के रूप में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मनाया गया. उस दिन से जो शुरुआत हुई आज तक जारी है.

1915 के 8 मार्च को ही ओस्लों की महिलाओं ने प्रथम विश्व युद्ध के खिलाफ आवाज उठाया था. 1917 में 8 मार्च को रुसी महिलाओं ने शांति और अमन का नारा बुलंद किया. मास्को शहर की सड़कों पर निकला औरतों के जुलुस ने रुस को एक क्रांति का शहर बना दिया.

1937 में स्पेन की महिलाओं ने फ्रेंची तानाशाही और दमन के खिलाफ प्रदर्शन किया. 1943 में इटली की महिलाओं ने मुसोलिनी के फासिस्ट शासन के खिलाफ प्रदर्शन किया. 1979 में इरानी औरतों ने खुमैनी शासन के महिला विरोधी नीतिओं के विरोध में जुलूस निकला और अपना विरोध दर्ज करवाया.

8 मार्च 1981 के दिन यूरोप के विभिन्न देशों में हजारों औरतों ने निःशुल्क और सुरक्षित गर्भपात की व्यवस्था और कानूनी तौर पर गर्भपात की छूट की मांग को लेकर मोर्चे बनाये और प्रदर्शन किये.

भारत में भी महिलायें शोषण, अत्याचार, समाज के पितृसतात्मक चरित्र के विरोध में निरंतर मुखर हैं. न केवल महिला मुद्दे बल्कि हिंसा, युद्ध के खिलाफ भेदभाव की राजनीति के विरोध में, साम्प्रदायिकता, विस्थापन, पर्यावरण, तानाशाही, दलितों आदिवासियों के सवालों की भी महिलाओं ने अपने संघर्ष का मुद्दा बनाया है.

कल को महिला श्रमिकों का अपने काम के घंटों को निर्धारित करने, बेहतर जीवन जीने की मांग से शुरू हुआ संघर्ष आज कई पायदानों को पार कर चुका हैं. और यह दिन महिलाओं के संघर्षपूर्ण जीवन का एक विशेष दिन बन गया हैं. अपने सामूहिक शक्ति को पहचानने, अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करने, अपनी एकजुटता को प्रदर्शित करने का दिन. महिलाओं के संघर्ष का विगुल फूंक चुका हैं, सफर आरम्भ हो चुका हैं. लेकिन मंजिल अभी दूर है. तबतक हमें चलते रहना हैं जबतक कि हम महिलाओं को बराबरी का हक नहीं मिल जाता.

एक-दो होते अगर तो शायद हम चुप बैठते, देश में आधे मरद तो आधी हैं हम औरतें...चुप्पी तोड़ने के लिए संकल्परत है आधी आबादी. कभी परिवार की मर्यादा तो कभी समाज का डर दिखा कर बंद की गई जुबान के ताले खुल रहे हैं. और जब बात खुली तो पुरुषवादी षड्यंत्र की परतें उघरती चली गईं. महिला दिवस एक मौका होता है जब महिलाएं सशक्तीकरण की राहों के संघर्ष को याद करती हैं, चावल-दाल से जैसे कंकड़ चुनती-फटकती हैं, वैसे ही पुरुषवादी षडयंत्र को चुनती-फटकती हैं. साथ बैठ कर बतियाती हैं तो पता चलता है कि देश की हर भाषा-संस्कृति में उनके दर्द साझे हैं और उनसे निबटने के उपाय भी. ऐसे ही कुछ उपाय पर चर्चा कर रही हैं झारखंड की विभिन्न क्षेत्रों में मुकाम हासिल कर चुकी महिलाएं...

यह है महिला सशक्तिकरण का सबसे प्रभावी सूत्र

महुआ माजी
राज्य सभा सदस्य, लेखिका

"इतने वर्षों के संघर्ष, इतने वर्षों की लड़ाई के बाद महिला सशक्तीकरण का अगर एक सूत्र पूछे तो मेरी नजर में यह जागरुकता है. राज्य व केंद्र सरकार की ओर से कई योजनाएं महिलाओं के हित में आईं. कई कानून महिलाओं के हित में बने हैं. अगर महिलाएं जागरुक हों तो अपने हक हासिल कर सशक्त हो सकती हैं."

अन्नपूर्णा देवी
केन्द्रीय शिक्षा मंत्री

"बच्चियों को जन्म लेने दो, उन्हें पढ़ाओ, आगे वे गर्व का अवसर आपको देंगी. प्रधानमंत्री जी का बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ का नारा नारा मात्र नहीं, एक संकल्प है. यही सशक्तिकरण का सूत्र है. आज पंचायत से संसद तक, शिक्षा से रक्षा तक के क्षेत्र में महिलाएं बढ़ चढ़ कर काम कर रही हैं. आधी आबादी का उत्साह, उमंग और जज्बा अद्भुत है. बस उसे पढ़ने का मौका दें, वे हमें गर्वित करेंगी."

डॉ कुमारी उर्वशी
सहायक प्राध्यापिका हिंदी विभाग, रांची विमेंस कॉलेज

"महिला सशक्तीकरण का एक बड़ा सूत्र है अपनी आगे की पीढ़ी को और सशक्त बनाना. आज की पीढ़ी की महिलाएं यही कर रही हैं. अपनी बेटियों को आगे बढ़ने, पढ़ने और आमनिर्भर बनने की राह में बाधा नहीं बन रही हैं. इससे महिलाएं शक्तिशाली बन रही हैं. समाज में उनके वास्तविक अधिकार को प्राप्त करने के लिए उन्हें सक्षम बनाना ही महिला सशक्तीकरण है."

ऋचा संचिता
वरिष्ठ अधिवक्ता झारखंड हाई कोर्ट

"महिला सशक्तिकरण का एक सबसे प्रभावी सूत्र मेरी नजर में शिक्षा है. यदि महिलाएं शिक्षित होंगी तो अपने अधिकार और कर्तव्य, दोनों के प्रति जागरूक होंगी. अधिकार के प्रति जागरूक होंगी तो कमजोर घड़ी में आवश्यकता पड़ने पर न्याय व्यवस्था की मदद ले सकती हैं. वहीं कर्तव्य के प्रति भी जागरूक होंगी और समाज-परिवार में अपने योगदान देंगी और जेंडर समानता के लिए प्रयास करेंगी."

निर्मला पुतुल
साहित्यकार

"महिला सशक्तिकरण के लिए सबसे प्रभावकारी सूत्र है खुद महिलाओं का एकजुट होना. खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में. जब महिलाएं एकजुट होंगी तो पुरुषवादी षड्यंत्र को तोड़ने में सक्षम होंगी. एक महिला को गर अवसर मिलता है तो दूसरी तमाम महिलाएं उनके साथ खड़ी होकर मजबूती दें. महिला मुखिया अगर चयनित हुई हैं तो उनके हाथ बुलंद करें. बेटियों, बहनों को मौका दें आगे बढ़ने के लिए."

डॉ सुनीता कात्यायन
शिशु रोग विशेषज्ञ

"महिला सशक्तिकरण का सबसे बड़ा सूत्र है शिक्षा. एक महिला के शिक्षित होने से उस परिवार-खानदान की सभी महिलाएं सशक्त होती हैं. एक महिला के शिक्षित होने से उस परिवार के पुरुष भी लाभान्वित होते हैं. मेरी मां उस जमाने में पटना साइंस कॉलेज से पढ़ीं और फिर वहां पढ़ाई. इस कारण परिवार की आने वाली पीढ़ी की सभी महिलाओं के मुकाम पाने का रास्ता आसान हुआ."

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

10 रैंकिंग अंक व 14400 डॉलर सुनिश्चित किए नागल ने

- 6-2, 6-2 से सीधे सेटों में जीते सुमित नागल
- अगले दौर में कोरिया के सियोंग से भिड़ेंगे नागल

सुमित नागल ने स्टेफान डोस्टानिच को हराया

इंडियन वेल्स में पदार्पण मैच में जीते सुमित नागल

भाषा। इंडियन वेल्स

भारतीय टेनिस स्टार सुमित नागल ने इंडियन वेल्स मास्टर्स में पहली बार खेलते हुए अमेरिका के वाइल्ड कार्डधारी स्टेफान डोस्टानिच को सीधे सेटों में हराया . नागल ने क्वालीफाइंग के पहले दौर में 6-2, 6-2 से जीत दर्ज की. आठवीं वरीयता प्राप्त नागल को जीतने में 68 मिनट लगे. उन्होंने आखिरी क्वालीफाइंग दौर में पहुंचकर दस रैंकिंग अंक और 14400 डॉलर पुरस्कार सुनिश्चित कर लिया. इस साल वह ऑस्ट्रेलियाई ओपन के दूसरे दौर में पहुंचने वाले एक दशक में पहले भारतीय पुरूष एकल खिलाड़ी बने थे. उन्होंने चेन्नई चैलेंजर्स खिताब भी जीता लेकिन पुणे और दुबई में हार गए. अब दूसरे दौर में उनका सामना कोरिया के सियोंग चान हांग से होगा.

आंकड़ों का दुर्लभ संयोग : धर्मशाला टेस्ट दो खिलाड़ियों के लिए होगा ऐतिहासिक

अश्विन और बेयरस्टो एक साथ पूरा करेंगे टेस्ट मैचों का शतक

भाषा। धर्मशाला

भारत के ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन और इंग्लैंड के बल्लेबाज जॉनी बेयरस्टो गुरुवार को यहां पांच मैचों की शृंखला के आखिरी मैच के लिए जब मैदान पर उतरेंगे तो यह चौथा मौका होगा जब दो खिलाड़ी एक साथ अपना 100वां टेस्ट मैच खेलते दिखेंगे. ऐसा पहला मौका साल 2000 में वेस्टइंडीज और इंग्लैंड के बीच ओल्ड ट्रैफर्ड में खेले गये मैच में आया था जब इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल एथरटन और एलेक स्टीवर्ट ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि को हासिल किया था. दक्षिण अफ्रीका के जैक्स कैलिस, शॉन पोलाक और न्यूजीलैंड के स्टीफन फ्लेमिंग ने 2006 में सेंचुरियन में दक्षिण अफ्रीका बनाम न्यूजीलैंड मैच में अपना-अपना 100 वां टेस्ट खेला था. इकलौता मौका है जब तीन खिलाड़ियों ने एक ही मैच में अपना 100वां टेस्ट खेला था.

इसके बाद 2013 में पर्थ में इंग्लैंड-ऑस्ट्रेलिया एशेज शृंखला में एलिस्टर कुक और माइकल क्लार्क ने टेस्ट मैचों का सैंकड़ा एक साथ पूरा किया था.अश्विन और बेयरस्टो गुरुवार से यहां पांचवें और अंतिम टेस्ट में अपनी-अपनी टीमों का प्रतिनिधित्व करेंगे. यह केवल दूसरा मौका होगा जब प्रतिद्वंद्वी टीमों के दो खिलाड़ी एक ही मैच में अपना 100वां टेस्ट खेलेंगे. अश्विन ने 2011 में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया है. वह हाल ही में खेल के सबसे लंबे प्रारूप में 500 विकेट का आंकड़ा पार करने वाले अनिल कुंबले के बाद दूसरे भारतीय बने. चौतीस साल के बेयरस्टो 100वीं टेस्ट कैप हासिल करने वाले इंग्लैंड के 17वें खिलाड़ी बनेंगे.

2011 में अश्विन ने किया था टेस्ट पदार्पण

2012 में बेयरस्टो ने किया था टेस्ट डेब्यू

टेस्ट में अश्विन

मैच	99
औसत	3.91
विकेट	507

टेस्ट में बेयरस्टों

मैच	99
रन	5974
औसत	6.43
100	12
50	26

साउदी व विलियमसन भी एक साथ खेलेंगे अपना 100वां टेस्ट

भारत-इंग्लैंड मैच शुरू होने के ठीक एक दिन बाद न्यूजीलैंड के कप्तान टिम साउदी और उनके पूर्ववर्ती केन विलियमसन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे मैच के दौरान एक साथ अपना 100वां टेस्ट खेलेंगे. भारत मौजूदा शृंखला में भारत पहले ही 3-1 की अजेय बढ़त हासिल कर चुका है.

2012 शृंखला मेरे लिये निर्णायक थी : अश्विन

भारत के सीनियर आफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने मंगलवार को कहा कि इंग्लैंड के खिलाफ 2012 की शृंखला उनके करियर का निर्णायक मोड़ थी, जिससे उन्हें अपनी गलतियों को सुधारने में मदद मिली. इंग्लैंड ने वह शृंखला 2-1 से जीती थी, जो भारत में 1984-85 के बाद शृंखला में उसकी पहली जीत थी. अश्विन ने अपने सौवे टेस्ट मैच से पहले प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि इंग्लैंड के खिलाफ 2012 की शृंखला मेरे लिये निर्णायक मोड़ थी. इसने मुझे बताया कि मुझे कहां सुधार करना है.

वैगनर को संन्यास लेने पर मजबूर किया गया : टेलर

वेलिंगटन

न्यूजीलैंड के पूर्व स्टार बल्लेबाज रोस टेलर ने कीवी खेमे में परेशानी का संकेत देते हुए कहा है कि तेज गेंदबाज नील वैगनर को संन्यास लेने को मजबूर किया गया. वैगनर ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट से पूर्व जज्बाती प्रेस कांफ्रेंस में संन्यास का ऐलान किया. उन्हें बता दिया गया था कि उन्हें अंतिम एकादश में नहीं चुना जायेगा. 37 वर्ष के वैगनर हालांकि पहले टेस्ट में स्थानापन्न खिलाड़ी के तौर पर उतरे और ड्रिंक्स भी लेकर आये. टेलर ने

ईएसपीएन के 'अराउंड द विकेट' पॉडकास्ट में कहा कि अब समझ में आ रहा है, उसे संन्यास लेने पर मजबूर किया गया. वैगनर की प्रेस कांफ्रेंस सुने तो पता चलता है. वह संन्यास लेने वाला था लेकिन आखिरी टेस्ट के बाद.

दिल्ली चरण में दर्शकों से उत्साह की उम्मीद: मंधाना

नयी दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) की कप्तान स्मृति मंधाना ने मंगलवार को उम्मीद जतायी कि महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के मौजूदा सत्र के पहले चरण में बेंगलुरु में दर्शकों ने जैसा उत्साह दिखाया वैसा ही माहौल टूर्नामेंट के दिल्ली चरण में होगा. डब्ल्यूपीएल के दूसरे सत्र का आयोजन बेंगलुरु और दिल्ली में हो रहा है. बेंगलुरु चरण में सोमवार को सत्र का आखिरी मैच खेला गया, जिसमें आरसीबी ने यूपी वॉरियर्स को 23 रन से हराया. बेंगलुरू के चिन्नास्वामी स्टेडियम में इस दौरान दर्शकों बड़ी संख्या में मौजूद थे.

रणजी ट्रॉफी : मध्यप्रदेश बनाम विदर्भ

रोमांचक मोड़ पर पहुंचा सेमीफाइनल मुकाबला

भाषा । नागपुर

- 141 रन बनाए विदर्भ के यश राठौड़ ने
- 93 रन की दरकार है मप्र को जीता के लिए
- 04 विकेट की जरूरत है विदर्भ को जीत के लिए

रणजी ट्रॉफी 2024 में मध्यप्रदेश और विदर्भ के बीच सेमीफाइल रोमांचक मोड़ पर पहुंच चुका है. चौथे दिन का खेल खत्म होने तक मध्य प्रदेश ने 321 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 6 विकेट खोकर स्कोर बोर्ड पर 228 रन बना लिए हैं. टीम को जीत के लिए 93 रन की दरकार है, जबकि विदर्भ को फाइनल का टिकट कटाने के लिए चार विकेट की जरूरत है. 321 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी मध्य प्रदेश की शुरुआत दूसरी पारी में अच्छी नहीं रही. हिमांशु मंत्री महज 8 रन बनाकर चलते बने. हालांकि, इसके बाद यश दुबे और हर्ष गवली ने मोर्चा संभाला और दूसरे विकेट के लिए शतकीय साझेदारी निभाई. हर्ष ने 67 रन की शानदार पारी खेली और वह यश ठाकुर की गेंद पर आउट हुए. वहीं, यश दुबे ने 212 गेंदों का सामना करते हुए 94 रन बनाए. हालांकि, यश अपना शतक पूरा नहीं कर सके और दिन का खेल खत्म होने से एक ओवर पहले अपना विकेट गंवा बैठे. विदर्भ की ओर से गेंदबाजी में अक्षय वाखरे ने अपना कमाल दिखाया और तीन विकेट चटकाए. वहीं, आदित्य सरवटे की झोली में दो विकेट आए, जबकि एक विकेट यश ठाकुर के नाम भी रहा.

यश राठौड़ ने खेली शतकीय पारी

इससे पहले दूसरी इनिंग में विदर्भ की पूरी टीम 402 रन बनाकर ऑलआउट हुई . टीम की तरफ से यश राठौड़ ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए शतकीय पारी खेली . यश ने 200 गेंदों का सामना करते हुए 141 रन बनाए . वहीं, निचेल क्रम में आदित्य सरवटे ने 21 रन का योगदान दिया .

ओजेकी को हराकर अंजलि मुख्य ड्रॉ में

नागपुर। क्वालीफायर अंजलि राठी ने मंगलवार को यहां जापान की तीसरी वरीयता प्राप्त मिचिका ओजेकी को 6-3, 6-2 से हराकर डब्ल्यू35 नागपुर टेनिस टूर्नामेंट के मुख्य ड्रॉ के लिए क्वालीफाई किया. दूसरे क्वालीफाइंग राउंड में जीत से 18 वर्षीय खिलाड़ी को डब्ल्यूटीए रैंकिंग में तीन अंक के साथ डब्ल्यूटीए टूर्नामेंट के मुख्य दौर में पदार्पण का मौका मिला. राउंड ग्लास टेनिस अकादमी में प्रशिक्षण लेने वाली अंजलि ने कहा कि यह मेरे लिए सिर्फ एक शुरुआत है और मैं यहां से आगे बढ़ना जारी रखना चाहती हूं.

झारखंड के प्लेटोदीप सिंह ने मॉस्को में जीता कांस्य पदक

संवाददाता । रांची

मॉस्को में चल रहे मॉस्को स्टार वर्ल्ड चैंपियनशिप में झारखंड के एल प्लेटोदीप सिंह ने कांस्य पदक पर कब्जा जमाया. वहीं दूसरी ओर मनीष मुंडा सातवें स्थान पर रहे. पिछले वर्ष इसी प्रतियोगिता में झारखंड. की पूर्णिमा लिंडा ने कांस्य पदक जीता था. मॉस्को के मॉस्को पैलेस में आयोजित इस प्रतियोगिता में 30 देशों के खिलाडी भाग ले रहे है. झारखंड ओलंपिक एसोसिएशन के महासचिव डॉ मधुकांत पाठक, प्रदीप वर्मा,चंचल

भट्टाचार्य समेत अन्य लोगों ने प्लेटोदीप को शुभकामनाएं दी.

धर्मशाला में इंग्लैंड को मिल रहा घर जैसा माहौल

भाषा । धर्मशाला

भारत दौरे पर नतीजे इंग्लैंड के अनुरूप नहीं रहे लेकिन उनके प्रशंसकों के समर्थन में कोई कमी नहीं आयी है और इस गुरुवार से शुरू हो रहे पांचवें टेस्ट मैच के लिए बड़ी संख्या में प्रशंसक यहां पहुंचे हैं. टेस्ट मैच शुरू होने से दो दिन पहले ही हजारों की संख्या में प्रशंसक इस पर्वतीय शहर में पहुंच गये है। बार्मी आर्मी ने श्रृंखला के दौरान इंग्लैंड के प्रशंसकों को लगातार सहायता प्रदान की है, लेकिन हिमालय की खूबसूरत पृष्ठभूमि के बीच टेस्ट क्रिकेट देखने की संभावना ने उनके और अधिक

प्रशंसकों को आकर्षित किया है. दिल्ली हवाई अड्डे से धर्मशाला के लिए सुबह की तीन उड़ानें इंग्लैंड के प्रशंसकों से भरी थी. इनमें से एक विमान में भारतीय कप्तान रोहित शर्मा कुछ भारतीय प्रशंसकों के साथ मौजूद थे. गग्गल हवाई अड्डे पर पहुंचने पर इंग्लैंड के प्रशंसक पृष्ठभूमि में बर्फ से ढके पहाड़ों को देखकर आश्चर्यचकित रह गए. साल के इस समय असामान्य रूप से सर्द मौसम इंग्लैंड के प्रशंसकों को घर जैसा महसूस करा रहे है. लिवरपूल से यहां आये एक प्रशंसक ने कहा कि इस तरह का मौसम हम अप्रैल और मई में इंग्लैंड में देखते हैं. यह हमारे लिए गर्मियों की शुरुआत जैसा लगता है और हम इसे पसंद कर रहे हैं. यह जगह बिल्कुल आश्चर्यजनक है. शृंखला अगर 2-2 की बराबरी पर होती तो यह और रोमांचक होता. प्रशंसकों के साथ इंग्लैंड के खिलाड़ियों को भी यह जगह और यहां का मैदान काफी रास आ रहा है. टीम के खिलाड़ी अभ्यास सत्र के बीच में मिलने वाले समय के दौरान यहां के बर्फ से ढके हुए पर्वतों को निहारते दिखे.

खेलो इंडिया नेशनल रैंकिंग वीमेन आर्चरी टूर्नामेंट

रांची की तीरंदाज सावित्री कुमारी ने जीता कांस्य पदक

रांची। राजस्थान में आयोजित खेलो इंडिया नेशनल रैंकिंग वीमेन आर्चरी टूर्नामेंट में रांची की रिकर्व जूनियर तीरंदाज सावित्री कुमारी ने कांस्य पदक जीता. सावित्री ने पंजाब की मानवी शर्मा को 6-0 से हराकर कांस्य पदक पर कब्जा जमाया. इस जीत के लिए सावित्री कुमारी को झारखंड तीरंदाजी संघ के वरीय उपाध्यक्ष नेहा महतो, सचिव द्रोणाचार्य पूर्णिमा महतो , चंचल भट्टाचार्य समेत झारखंड के

खेलप्रेमी व प्रशिक्षकों ने बधाई व शुभकामनाएं दी.

बैडमिंटन फ्रेंच ओपन सुपर 750 टूर्नामेंट में भारतीय खिलाड़ियों प्रदर्शन शानदार

सात्विक-चिराग, त्रिसा-गायत्री ने जीत से किया आगाज

- 21-13, 24-21 से जीती सात्विक-चिराग की जोड़ी
- अगले दौर में वेई व काई की जोड़ी से भिड़ेंगे सात्विक-चिराग

भाषा। पेरिस

सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की स्टार भारतीय जोड़ी मंगलवार को यहां मलेशिया के ओंग यू सिन और टीओ ई यी के खिलाफ कड़े मुकाबले में जीत के साथ फ्रेंच ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के दूसरे दौर में पहुंच गई. विश्व रैंकिंग में शीर्ष पर काबिज भारतीय जोड़ी ने 47 मिनट तक चले कड़े मुकाबले में 21-13, 24-21 से जीत दर्ज की. मलेशिया की इस जोड़ी के

खिलाफ सात्विक और चिराग की यह आठ मैचों में पांचवीं जीत है. साल 2022 की चैंपियन जोड़ी के सामने दूसरे दौर में मान वेई चोंग और काई वुन टी मलेशिया की एक और जोड़ी की चुनौती होगी.

त्रिसा-गायत्री ने अश्विनी-तनीषा को हराया

राष्ट्रमंडल खेलों की कांस्य पदक विजेता त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी हमवतन अश्विनी पोनप्पा और तनीषा क्रेस्टो पर 16-21, 21-19, 21-17 से जीत के साथ ही दूसरे दौर में पहुंच गईं. भारत की यह दोनों महिला जोड़ी पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने की दौड़ में है. तनीषा और अश्विन की जोड़ी 11वें जबकि त्रिसा और गायत्री की जोड़ी ओलंपिक खेलों की रैंकिंग में 14वें स्थान पर हैं.

एशियाई चैंपियनशिप : भारतीय मुक्केबाजों का खराब प्रदर्शन जारी

लक्ष्य ओलंपिक क्वालीफायर से बाहर

भाषा । बस्तो अर्सिजियो (इटली)

मौजूदा राष्ट्रीय चैंपियन लक्ष्य चाहर यहां चल रहे विश्व ओलंपिक मुक्केबाजी क्वालीफायर के पहले दौर में बाहर होने वाले चौथे भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं. पुरुषों की 80 किग्रा स्पर्धा में अपनी चुनौती पेश कर रहे चाहर सोमवार को यहां ईरान के 2021 के एशियाई चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता गेश्लाघी मेसम से हार गए. पहले राउंड में 3-2 से हारने के बाद चाहर ने दूसरे राउंड में 3-2 से जीत दर्ज करके वापसी की लेकिन तीसरे राउंड में वह यह प्रदर्शन बरकरार नहीं रख पाए. मुकाबला खत्म होने में जब केवल 20 सेकंड

का समय बचा था तब मेसम ने आक्रामक रवैया अपनाया और भारतीय मुक्केबाज को नॉकआउट कर दिया. इस तरह से भारत के अभी तक जो चार मुक्केबाज रिंग पर उतरे हैं, उन्हें पहले दौर में ही हार का सामना करना पड़ा. विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता दीपक भोरिया (51 किग्रा), एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता नरेंदर बेरवाल (92 किग्रा से अधिक) और राष्ट्रमंडल खेलों की कांस्य पदक विजेता जैस्मीन लाम्बोरिया (60 किग्रा) सभी पहले दौर से आगे नहीं बढ़ पाए. विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता मोहम्मद हुसामुद्दीन और एशियाई चैंपियनशिप में छह बार के पदक विजेता शिव थापा सहित पांच भारतीय मुक्केबाज अभी भी यहां पेरिस ओलंपिक कोटा हासिल करने की दौड़ में हैं. यहां सेमीफाइनल में पहुंचने पर ओलंपिक कोटा सुरक्षित हो जाएगा.

राशिफल
आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष समय बहुत ही अच्छा है. धर्म-कर्म में मन लगेगा. साथ ही समय अनुकूल लाभ देगा. समय अनुकूल रहेगा. जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें. व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा. आय में निश्चितता रहेगी. नौकरी में कार्यभार बढ़ेगा.

वृषभ किसी से विवाद से मन खिन्न हो सकता है. धर्म कर्म में रुचि बढ़ेगी. व्यापार लाभदायक रहेगा. पारिवारिक सहयोग मिलेगा. घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी. लेन-देन में सावधानी रखें. कोई यात्रा का योग है. इत्र दान करें.

मिथुन किसी से विवाद होगा. साथ ही अचानक खर्च होगा. सत्संग का लाभ मिलेगा. आत्मशांति रहेगी. यात्रा संभव है. व्यापार ठीक चलेगा. नौकरी में चैन रहेगा. दूसरों की जवाबदारी न लें. थकान रह सकती है.

कर्क क्रोध से बचें. जीवनसाथी के सहयोग से कोई शुभ कार्य होगा. किसी भी प्रकार के विवाद में न पड़ें. जोखिम व जमानत के कार्य टालें. व्यापार ठीक चलेगा. आय में निश्चितता रहेगी. मित्रों के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा.

सिंह मौसमी बीमारियों से बचाव जरूरी है. समय बहुत ही लाभ का मौका देगा. पर रोग से बचें. शारीरिक कष्ट संभव है. जल्दबाजी से हानि होगी. जोखिम व जमानत के कार्य टालें. सूर्य को जल दें.

कन्या संतान की समस्या का हल सहज ही प्राप्त नहीं होगा. किसी वरिष्ठ व्यक्ति का सहयोग मिलेगा. भाग्य अनुकूल है. व्यापार-व्यवसाय में वृद्धि होगी. धन प्राप्ति सुगम होगी. शत्रुओं का पराभव होगा. किसी व्यक्ति की बातों में न आएं.

तुला किसी अपने से मनमुटाव होगा. पार्टी व पिकनिक का आयोजन हो सकता है. नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी. जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा. आपके कार्य और प्रभाव से घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी. गणेशजी का ध्यान पूजन करें.

वृश्चिक समय अनुकूल है. नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे. ऐश्वर्य व आरामदायक साधनों पर व्यय होगा. जोखिम व जमानत के कार्य टालें. किसी नये कार्य को लेकर जल्दबाजी से बचें. हनुमानजी का पूजन करें.

धनु मिष्ठान भोजन का दान और सेवन करें. सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी. घर-बाहर पूछ-परख रहेगी. लेन-देन में सावधानी रखें. अपरिचितों पर अंधविश्वास न करें. कारोबार ठीक चलेगा. भाग्य अनुकूल है. समय का लाभ लें.

मकर खर्च में वृद्धि होगी. किसी बड़े काम को करने की योजना बनेगी. आत्मसम्मान बना रहेगा. व्यापार लाभदायक रहेगा. घर-परिवार में किसी मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता है. अन्न दान करें.

कुंभ समय सामान्य है. अधिक प्रयास से लाभ कम होगा. खर्च अधिक होगा, पर समय अनुकूल है. जोखिम व जमानत के कार्य टालें. परिवार के साथ समय प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा. शनिदेव को तिल का तेल अर्पण करें.

मीन सरकारी कार्य में गति मिलेगी. कोई बड़ा कार्य होगा. साथ ही अच्छी खबर मिल सकती है. दौड़धूप से स्वास्थ्य पर असर पड़ सकता है. आय बनी रहेगी. व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा. पीला तिलक लगावें.

युवा नेता दिलीप सिंह नामधारी फिर से लड़ेंगे विधानसभा चुनाव

मेदिनीनगर। युवा नेता सह झारखंड के प्रथम विधानसभा अध्यक्ष सह पूर्व सांसद सह डालटनगंज के विधायक रह चुके इंदर सिंह नामधारी के पुत्र दिलीप सिंह नामधारी डालटनगंज-भंडरिया विधानसभा क्षेत्र से 2024 में चुनाव लड़ने का ऐलान किया है. सोशल मीडिया फेसबुक पर दिलीप सिंह नामधारी ने अपने चुनाव लड़ने की घोषणा करते हुए कहा कि है डालटनगंज-भंडरिया विधानसभा क्षेत्र की जनता, शुभचिंतकों एवं साथियों के आग्रह पर तथा क्षेत्र भ्रमण के दौरान जनता का मिल रहे अपार स्नेह पर उन्होंने 2024 का विधानसभा चुनाव लड़ने का निर्णय लिया है. उन्होंने कहा है कि उनके पिता द्वारा डालटनगंज विधानसभा क्षेत्र में वर्ष 2009 तक किए गए विकास कार्य जो आज तक ठप पड़े हैं, उसे आगे बढ़ाउंगा. वर्ष 2009 एवं 2014 के विधानसभा चुनाव में किस्मत आजमाने के बाद 2019 में दिलीप सिंह नामधारी ने चुनाव नहीं लड़ा था. 2009 एवं 2014 के विस चुनाव में उन्हें हार मिली थी.

2.03 करोड़ रुपये से होगी 3 जिलों में जेलकर्मियों के आवास की मरम्मत

रांची। झारखंड के तीन जिलों में जेल कर्मियों के आवास की मरम्मत और निर्माण कार्य होगा. इसको लेकर झारखंड गृह विभाग ने 2.03 करोड़ की राशि आवंटित की है. जिन जिलों के जेलों में मरम्मति और निर्माण कार्य होगा, उसमें बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार रांची, मंडल कारा लातेहार और उपकारा खूंटी शामिल है. गृह विभाग द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि इस राशि की निकासी और खर्च करने का पदाधिकारी जेल अधीक्षक होंगे, जो संबंधित जिला कोषागार से राशि निकासी कर एक सप्ताह के अंदर झारखंड पुलिस हाउसिंग कॉरपोरेशन के खाते में ट्रांसफर कराएंगे.

जानें किस जिले में कितने की लागत से होगा मरम्मति और निर्माण कार्य

- बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार रांची : 75 .42 लाख
- मंडल कारा लातेहार : 89 .73 लाख
- उपकारा खूंटी : 38 .83 लाख

गढ़वा में पांच बड़ी योजनाओं के लोकार्पण पर सांस्कृतिक कार्यक्रम के रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का किया गया आयोजन

अनूप जलोटा और भरत शर्मा के गीतों पर झूमे दर्शक

संवाददाता। गढ़वा

गढ़वा में पांच बड़ी योजनाओं के लोकार्पण के मौके पर आयोजित चार दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम के तहत सोमवार की संध्या टाउन हॉल के मैदान में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया.

इस दौरान सुविख्यात गजल व भजन गायक अनूप जलोटा, प्रसिद्ध भोजपुरी लोक गायक भरत शर्मा ने कार्यक्रम की प्रस्तुति की. मौके पर गढ़वा विधायक झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता व उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर ने दोनों गायकों व

उनकी टीम को माला पहनाकर, पुष्प गुच्छ देकर एवं शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया. साथ ही इन्हें मां गढ़देवी की तस्वीर भी भेंट की. दोनों कलाकारों ने एक से बढ़कर गजल, भजन व लोकगीत प्रस्तुत किया. इनके गीतों पर श्रोता देर रात तक झूमते रहे.

मौके पर मंत्री श्री ठाकुर ने कहा कि सांस्कृतिक कार्यक्रम से मनोरंजन के साथ-साथ आपसी समन्वय भी बढ़ता है. इन कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को अपनी संस्कृति से भी जुड़ाव होता है. साथ ही संस्कृति के बारे में जानने और समझने का मौका भी मिलता है. इस प्रकार के आयोजन से अपने ही शहर में बड़े कलाकारों को देखने व सुनने का भी अवसर प्राप्त होता है.

अनूप जलोटा ने काशी बदली, अयोध्या बदली, अब मथुरा की बारी है..., मेरी झोपड़ी के भाग्य आज खुल जाएंगे.., दमा दम मस्त कलंदर.., चांदी जैसा रंग है तेरा सोने जैसे बाल.., चिट्ठी आई है आई है चिट्ठी आई है.., कभी राम बन के, कभी श्याम बन के.., जाम चलने लगी, दिल मचलने लगा.. आदि, भरत शर्मा ने के विंध्याचल वाली मईया.., गोरिया चांद के अंजोरिया नियन गोर बाड़ू हो.., खेले मशाने में होली दिगंबर.. आदि सहित एक से बढ़कर एक गीत प्रस्तुत किया.

गायक सम्मानित
- पेयजल मंत्री मिथिलेश ठाकुर ने गायकों को सम्मानित किया
- दोनों कलाकारों ने एक से एक बढ़कर लोकगीत प्रस्तुत किया

अच्छे दिन का सपना तो अधूरा रह गया : विनोद

रांची। भाकपा माले का प्रखंड स्तरीय कार्यकर्ता कंवेंशन मंगलवार को पीपचो कोडरमा में संपन्न हुआ. सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता कनवेंशन में शामिल हुए. कंवेंशन के पूर्व किसान आंदोलन में शहीद किसानों और जनक्षीय पत्रकार पार्टी सदस्य संतोष मिश्रा को श्रद्धांजलि अर्पित की गई. मौके पर माले विधायक विनोद कुमार सिंह ने कहा कि बीते हुए कल के मूल्यांकन से कोडरमा के भविष्य का फैसला लेना होगा. सहिया, ऊर्जा दीदी, जल सहिया, स्वास्थ्य सहिया, पोषण सखी, कृषि मित्र समेत सभी केंद्रीय परियोजनाओं में कार्यरत कर्मियों के उम्मीदों पर केंद्र की मोदी सरकार ने प्रहार किया है. अच्छे दिन का सपना अधूरा ही रह गया.

जेपीएससी ने 24 सालों में मात्र 10 बार ही सिविल सेवा की परीक्षा ली है

विवादों में रहा जेपीएससी का नाता, कई परीक्षाओं की जांच

रजनीश प्रसाद। रांची

झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) ने 24 सालों में 10 बार सिविल सेवा परीक्षा ली है. 11वीं के लिए आवेदन मांगे गये हैं. 7वीं से 10वीं की परीक्षा एक बार में ही हुई थी. दुर्भाग्य यह है कि जेपीएससी ने जितनी बार सिविल सेवा परीक्षा आयोजित की है, हर बार विवाद हुआ. सहायक प्राध्यापक की परीक्षा 15 सालो से कोर्ट में लंबित है. नियमतः सिविल सेवा की परीक्षा प्रत्येक साल होनी है, लेकिन प्रत्येक साल परीक्षा नहीं होती है.

- 2003 में पहली बार जेपीएससी सिविल सेवा परीक्षा के लिए विज्ञापन जारी हुआ था. उस वक्त 64 सीटों के लिए परीक्षा हुई थी. परीक्षा विवादों में चली गई. पहली बार परीक्षा हुई और जांच के घेरे में आ गई.
- 2005 में दूसरी बार सिविल सेवा की परीक्षा ली गई. दूसरी जेपीएससी भी जांच के घेरे में आ गई. बहाल हुए 165 अफसरों को बर्खास्त कर दिया गया. बाद में कैबिनेट से पास कर इन्हें फिर से बहाल किया गया. इसे लेकर भी जांच जारी है.
- 2015 में छठे जेपीएससी के लिए आवेदन मांगा गया. इसकी परीक्षा 2018 में हुई थी. 2020 में रिजल्ट जारी किया गया. कहीं न कहीं यह परीक्षा भी विवादों में रही.
- जेपीएससी ने सहायक प्राध्यापक परीक्षा वर्ष 2008 में ली थी. परीक्षा में गड़बड़ी का आरोप लगा था. आरोपों की जांच सीबीआई कर रही है. फिलहाल यह मामला कोर्ट में हैं. 15 साल बीत जाने के बाद भी इस पर कोई फैसला नहीं आया है. विश्वविद्यालयों में सहायक प्राध्यापक के लगभग 4000 पद रिक्त हैं, बावजूद वैकेंसी निकलती ही नहीं.
- वर्ष 2021 में ली गई सिविल सेवा परीक्षा विवादों में रही. प्रारंभिक परीक्षा का रिजल्ट जारी होने के बाद इस पर विवाद खड़ा हुआ था. बढ़ते विवाद के बाद कटऑफ में संशोधन किया गया था. हालांकि यह पहली सिविल सेवा परीक्षा थी, जिसकी नियुक्ति प्रक्रिया 252 दिनों में पूरी कर ली गई थी.
- **17 साल लग गए नियुक्ति में :** फर्स्ट डिप्टी कलेक्टर के 50 पदों के लिए वर्ष 2005 में विज्ञापन निकली थी. अप्रैल 2006 में परीक्षा हुई. सचिवालय और अन्य विभागों के कर्मी परीक्षा में शामिल हुए थे. परीक्षा के बाद प्रश्नपत्र लीक और धांधली का मामला सामने आया था. तब मामला कोर्ट में चला गया. तत्कालीन राज्यपाल सैयद सिब्ते रजी ने इसकी जांच कराई थी. जांच रिपोर्ट मिलने के बाद परीक्षा को रद्द कर दिया गया. जून 2013 में परीक्षा के लिए फिर से विज्ञापन जारी किया गया. किसी कारण परीक्षा नहीं हो पाई. 2020 में इस परीक्षा को लिया गया. इसका रिजल्ट 2023 में जारी किया गया. इससे पहले कई लोग रिटायर कर चुके थे.

जेएसएससी-पीजीटी परीक्षा 2023

7 विषयों के रिजल्ट जारी करने की मांग को ले राजभवन के सामने धरने पर बैठे अभ्यर्थी

रांची। स्नातकोत्तर प्रशिक्षित शिक्षक प्रतियोगिता-2023 (पोस्ट ग्रेजुएट ट्रेंड टीचर कांपटीटिव-पीजीटी) के अर्थशास्त्र, गणित, हिंदी, संस्कृत, अंग्रेजी, इतिहास और कॉमर्स का रिजल्ट जारी नहीं होने से नाराज अभ्यर्थी आज मंगलवार को राजभवन के पास धरने पर बैठ गए. झारखंड राज्य कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) ने 18 अगस्त से 10 सितंबर तक जेएसएससी-पीजीटी की परीक्षा ली थी. जारी कैलेंडर के अनुसार, रिजल्ट जारी करने के बाद छात्रों की नियुक्ति नवंबर में ही हो जानी थी. लेकिन अब तक केवल चार विषयों के रिजल्ट ही जारी किये गये हैं. सात विषयों के परिणाम अब तक जारी नहीं हुए हैं.

विज्ञापन एक साथ निकाला व परीक्षा भी ली, फिर रिजल्ट क्यों अलग-अलग हुए जारी

धरने पर बैठे अभ्यर्थियों ने कहा कि जिन चार विषयों का रिजल्ट जारी हुआ है, उनको 7 मार्च को नियुक्ति पत्र दिया जाना है. जब विज्ञापन एक साथ निकाला गया. परीक्षा एक साथ हुई. फिर रिजल्ट अलग-अलग जारी क्यों किया जा रहा है. अभ्यर्थियों ने बताया कि रिजल्ट जारी करने की मांग को लेकर वो विधायक, मंत्री, मुख्यमंत्री और जेएसएससी कार्यालय जा चुके हैं. लेकिन सभी ने सिर्फ आश्वासन दिया. अभ्यर्थियों ने कहा कि जब तक रिजल्ट जारी नहीं होता है, तब तक हम लोग राज भवन के सामने धरने पर बैठे रहेंगे.

अवर शिक्षा सेवा के 26 अफसर बदले गए, 7 तक देना है प्रभार

रांची। राज्य सरकार ने अवर शिक्षा सेवा के 26 पदाधिकारियों का तबादला कर दिया है. वहीं शिक्षा विभाग द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि पदाधिकारियों को सात मार्च तक प्रभार सौंप देना है.

नाम	कहां गए	नाम	कहां गए
जयमंगल लोहरा	बुंडू	रीना कुमारी	गिरिडीह
सुमित्रा तिर्की	धनबाद	संत टुडू	देवघर
कुमुदिनी उषा	तमाड़	अहमद हुसैन	बाघमारा
नवल किशोर सिंह	खरसांवा	मुकुंद मरांडी	दुमका
अनिल कुमार वर्मा	प. सिंहभूम	कल्पना तांती	लोहरदगा
लखिंद्र नाथ सोरेन	मनोहरपुर	शांति तिर्की	रांची
नंद किशोर तिवारी	मनोहरपुर	विनोद तिवारी	रामगढ़
रमा पाठक	हजारीबाग	लक्ष्मी वर्मा	बोकारो
डोमन मोची	पलामू	कामेश्वर महतो	धनबाद
कौलेश्वर दास	पलामू	वीणा कुमारी	साहिबगंज
जय कुमार तिवारी	गिरिडीह	मृगेंद्र वायरा	विश्रामपुर
सर्किल मरांडी	जामताड़ा	अरविंदा कुमारी	लोहरदगा
सुभाष प्रसाद	बोकारो	विजया लक्ष्मी	हजारीबाग

अविनाश कुमार बने सीएम के अपर मुख्य सचिव

संवाददाता। रांची

राज्य सरकार ने अविनाश कुमार को सीएम के अपर मुख्य सचिव का अतिरिक्त प्रभार सौंपा है. अपर मुख्य सचिव, ऊर्जा विभाग पद पर पदस्थापित अविनाश कुमार विकास आयुक्त अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक, झारखंड ऊर्जा विकास निगम और प्रबंध निदेशक, झारखण्ड बिजली वितरण निगम के अतिरिक्त प्रभार में भी रहेंगे. मुख्यमंत्री के सचिव अरवा राजकमल नगर विकास एवं आवास विभाग, उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग, प्रबंध निदेशक, जुडको तथा प्रबंध निदेशक, ग्रेटर रॉची विकास एजेंसी के साथ सचिव, गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग, के भी अतिरिक्त प्रभार में रहेंगे. अनुमंडल पदाधिकारी, धालभूम (जमशेदपुर) के पद पर पदस्थापित पीयूष सिन्हा को स्थानांतरित करते हुए अगले आदेश तक अनुमंडल पदाधिकारी हुसैनाबाद (पलामू) के पद पर पदस्थापित किया गया है. अनुमंडल पदाधिकारी, हुसैनाबाद (पलामू) के पद पर पदस्थापित आशीष गंगवार को स्थानांतरित करते हुए अगले आदेश तक अनुमंडल पदाधिकारी, रामगढ़ के पद पर पदस्थापित किया गया है. कार्मिक ने इसका आदेश जारी कर दिया.

भुइयांडीह में नकली शराब बनाते छह लोग गिरफ्तार

संवाददाता। चांडिल

उत्पाद विभाग और चांडिल पुलिस ने संयुक्त छापेमारी अभियान चलाकर नकली शराब बनाने वाली फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है. भुईयांडीह में एक मकान में नकली शराब बनायी जा रही थी. जानकारी देते हुए सरायकेला-खरसांवा के उत्पाद अधीक्षक बिमला लकड़ा ने बताया कि छापेमारी दल ने 26 पेटी शराब बरामद की है. इसमें 235 लीटर शराब है. इसके साथ ही 14 जार में 280 लीटर रंगीन विदेशी शराब भी है. मकान से बड़ी संख्या में कॉर्क, लेबल रेपर, खाली बोतल, क्रैमल आदि मिले हैं. मकान में वर्षों से नकली शराब बनायी जाती था. जानकरी मिलते ही उत्पाद विभाग ने चांडिल थाने की मदद से धंधे का उद्भेदन किया. इस दौरान उत्पाद विभाग और चांडिल थाना की पुलिस ने दौरान छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है. चांडिल थानेदार वरुण यादव ने बताया, नकली शराब बनाने के धंधे में संलिप्त गिरफ्तार सभी लोग मानगो के रहने वाले हैं. जिस मकान में नकली शराब बनाने का धंधा होता था, उसके मालिक का पता लगाया जा रहा है. सरगना कौन है इसकी भी जानकारी जुटाई जा रही है. विदित हो कि चांडिल थाना क्षेत्र में दलमा से सटे इलाकों में एक के बाद एक कई नकली शराब फैक्ट्रियों का उदभेदन किया गया है.

एक्सएलआरआई में आयोजित हुआ उत्साह 2024 का भव्य आयोजन

सांस्कृतिक जागरूकता जरूरी : ऋषभ गर्ग

मुख्य संवाददाता। जमशेदपुर

एक्सएलआरआई के एक्सओएल के पीजीडीएम बैच की ओर से ''उत्साह 2024'' का आयोजन हुआ. इसमें एक्सओएल 24 व 25 बैच के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया. इस दौरान उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता करते हुए अकादमिक डीन डॉ संजय पात्रो ने बताया कि ''उत्साह'' एक प्रकार का सांस्कृतिक आयोजन है, जिसके जरिए छात्रों के बीच टीम वर्क और रचनात्मकता को बढ़ावा देने का प्रयास किया जाता है. बताया कि उत्साह के जरिए आपस में हंसी, सौहार्दपूर्ण माहौल तैयार करने के साथ ही सांस्कृतिक विरासत से परिपूर्ण एक मंच तैयार किया गया है, जहां विद्यार्थी मैनेजमेंट के गुरों के बजाय विभिन्न प्रकार के आयोजनों के जरिये अपनी रचनात्मकता व कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे. इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पूर्वी सिंहभूम जिले के ग्रामीण एसपी ऋषभ गर्ग उपस्थित थे. अपने संबोधन में उन्होंने भविष्य को आकार देने में शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका पर विस्तारपूर्वक अपनी बातों को

रखा. साथ ही कहा कि आज की वैश्वीकृत दुनिया में सांस्कृतिक जागरुकता काफी आवश्यक है. उन्होंने मूल्य आधारित शिक्षा के साथ ही विद्यार्थियों से पर्सनल व प्रोफेशनल जीवन में एथिक्स का पालन करने का आह्वान किया. उद्घाटन समारोह के बाद स्टैंडअप कॉमेडी नाइट का आयोन किया गया. जिसमें सत्यब्रत महापात्र ने अपनी कॉमेडी के जरिये सभी को खूब हंसाया. इससे पूर्व दिन भर आपस में खेल भावना को बढ़ाने के लिए क्रिकेट, बैडमिंटन समेत कई अन्य प्रकार की खेलों का आनंद लिया. उपस्थित लोगों ने रितिक रिलैक्स्ड लॉन गेम्स के माध्यम से बचपन के

लापरवाह दिनों को याद करते हुए, दिल को छूने वाली पुरानी यादों में खो गये. शाम का समापन द बैंडिश प्रोजेक्ट के मंत्रमुग्ध कर देने वाले बैंड प्रदर्शन के साथ हुआ, जिसने हर किसी को संगीत और लय के साथ झूमने पर विवश कर दिया.

पथ निर्माण में कार्यरत उमेश वर्मा गए कोडरमा

शुभम संदेश इंपैक्ट

रांची। लगातार. इन की खबर का एक बार फिर असर हुआ है. सोमवार को पथ निर्माण में पदस्थापित उमेश वर्मा की केंद्रीय चुनाव आयोग और राज्य निर्वाचन आयोग से शिकायत शीर्षक खबर पर संज्ञान लेते हुए पथ निर्माण विभाग ने उमेश वर्मा का कोडरमा जिले में तबादला कर दिया है. इस संबंध में विभाग के अभियंता प्रमुख में पत्र जारी किया है. लगातार.इन पर सोमवार को यह खबर प्रकाशित हुई थी कि केंद्रीय चुनाव आयोग और झारखंड राज्य निर्वाचन आयोग से पथ निर्माण विभाग में कार्यरत उमेश वर्मा की शिकायत की गई है. कहा गया है कि उमेश वर्मा 35 वर्षों से झारखंड सरकार के पथ निर्माण विभाग के अंतर्गत एनएच डिविजन हजारीबाग के कार्यालय में ट्रेसर के पद पर पदस्थापित हैं. इसके अलावा उमेश वर्मा एनएच डिविजन हजारीबाग के कार्यालय में प्रधान लिपिक का कार्य भी कर रहे हैं. उमेश वर्मा अपनी कार्यभार ग्रहण तिथि के बाद से एनएच डिविजन हजारीबाग के कार्यालय में पदस्थापित हैं.

उर्दू शिक्षक संघ | झारखंड शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद को ज्ञापन सौंप कर आपत्ति दर्ज कराई

संघ ने समान अवकाश तालिका का किया विरोध

संवाददाता। रांची

झारखंड राज्य उर्दू शिक्षक संघ ने झारखंड के सभी जिलों के लिए जारी एक समान अवकाश तालिका का विरोध किया है. इस संदर्भ में झारखंड शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, रांची को ज्ञापन सौंप कर आपत्ति दर्ज कराई गई है.

संघ के केंद्रीय महासचिव अमीन अहमद ने कहा कि निदेशक द्वारा जारी पूरे राज्य के सरकारी विद्यालयों के लिए एक समान अवकाश तालिका की अधिसूचना अव्यवहारिक एवं त्रुटिपूर्ण है, क्योंकि यह अवकाश तालिका दो माह बीत जाने के बाद फरवरी में जारी की गई है. अब इसे

शिक्षक नाराज
- अवकाश तालिका दो माह बाद फरवरी में जारी की गई
- रमजान के अलविदा जुमा की छुट्टी नहीं दी गई है

लागू करना अव्यवहारिक होगा, क्योंकि जनवरी एवं फरवरी माह की छुट्टिओं का सामंजन करना कठिन होगा. राज्य के प्रारंभिक विद्यालयों के अवकाश तालिका पूर्व की भांति जिलावार जारी किया जाना बेहतर होगा, क्योंकि अलग-अलग जिलों में कई त्योहारों का विशेष महत्व रहता है, जैसे सोहराय, सरहुल, टुसू पर्व, माघे पर्व, रथ यात्रा, श्रावणी मेला आदि. इसी प्रकार एक समान अवकाश तालिका में रमजान के अलविदा जुमा (रमजान माह का अंतिम शुक्रवार) की छुट्टी नहीं दी गई है. उक्त तालिका में कुल नौ शुक्रवार अलग-अलग पर्व त्योहारों के लिए दी गई है, जबकि उर्दू स्कूलों में शुक्रवार को साप्ताहिक अवकाश रहता है. ऐसे में 9 शुक्रवार का सामंजन उर्दू विद्यालयों के लिए नहीं किया गया है. सामंजन नहीं किए जाने पर उर्दू विद्यालयों में अवकाश कम हो जायेंगे, जो एक समान विकास तालिका के उद्देश्य के विपरीत होगा. अमीन अहमद ने कहा कि जारी की गयी अवकाश तालिका में माह जनवरी एवं दिसंबर में कुल दस दिनों का शीतकालीन अवकाश दिया गया है, जिससे मुख्य त्योहारों की छुट्टियां प्रभावित होंगी.

आदिवासी और स्थानीय पर्व त्योहारों की अनदेखी की गई है. ग्रीष्मकालीन अवकाश सिर्फ 11 दिनों का दिया गया है. जबकि मई माह में प्रचंड गर्मी पड़ती है. शीतकालीन अवकाश को हटा कर 17 दिनों का ग्रीष्मकालीन अवकाश किया जा सकता है. समान अवकाश तालिका में दो अहम त्योहार ईद व बकरीद की छुट्टी सिर्फ एक ही दिन के लिए दी गई है, जबकि उर्दू विद्यालयों में अन्य प्रमुख त्योहारों की तरह कम से कम तीन दिनों की छुट्टी होनी चाहिए थी. संघ के केंद्रीय प्रवक्ता शहजाद अनवर ने कहा कि राज्य में अलग-अलग पर्व त्योहारों एवं सामान्य तथा उर्दू विद्यालयों के लिए पूर्व के जारी किये गये जिलावार अवकाश तालिका के यथास्थिति को ही बहाल रखना बेहतर होगा.

हरि केसरी कोल्हान व बालकिशुन बने दक्षिण छोटानागपुर के कमिश्नर

संवाददाता। रांची

राज्य सरकार ने हरि कुमार केसरी को कोल्हान प्रमंडल का प्रभारी कमिश्नर बनाया है. इससे पहले केसरी खान विभाग में स्पेशल सेक्रेटरी के पद पर तैनात थे. वहीं बालकिशुन मुंडा को प्रभारी प्रमंडलीय आयुक्त दक्षिणी छोटानागपुर की जिम्मेवारी सौंपी गई है. बालकिशुन मुंडा पलामू प्रमंडल के कमिश्नर के भी अतिरिक्त प्रभार में रहेंगे. दोनों ही अफसर स्पेशल सेक्रेटरी रैंक के हैं. कार्मिक ने इसका आदेश जारी कर दिया.

5 आईएएस का ट्रांसफर, सीएम के पीएस पद से हटाए गए विनय चौबे

संवाददाता। रांची

राज्य सरकार ने पांच आईएएस अफसरों का तबादला कर दिया है. एक को अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है. सीएम के प्रधान सचिव (पीएस) विनय चौबे को स्थानांतरित करते हुए पंचायती राज विभाग की जिम्मेवारी सौंपी गई है. ग्रामीण कार्य विभाग के प्रधान सचिव अजय कुमार सिंह को स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेवारी दी गई है. अबु बकर सिद्दिकी को कृषि विभाग से स्थानांतरित करते हुए खान विभाग का सचिव बनाया गया है.

कार्मिक सचिव प्रवीण टोप्पो को उद्योग विभाग की जिम्मेवारी सौंपी गई है. वहीं उद्योग विभाग के सचिव जीतेंद्र सिंह को कृषि विभाग का सचिव बनाया गया है. साथ ही खान आयुक्त का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है. वहीं ग्रामीण विकास विभाग के सचिव चंद्रशेखर को ग्रामीण कार्य विभाग का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है.

नई जिम्मेदारी
- चंद्रशेखर को ग्रामीण कार्य विभाग का अतिरिक्त प्रभार
- अबु बकर सिद्दिकी बनाए गए खान विभाग के सचिव

▼ ब्रीफ खबरें

कार-ट्रक की टक्कर 3 की मौत, 4 घायल

शाहजहांपुर। शाहजहांपुर जिले में बारातियों से भरी एक कार की टक्कर एक ट्रक से हो गयी जिसमें कार सवार तीन लोगों की मौत हो गयी और चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए. एसपी अशोक कुमार मीणा ने मंगलवार को बताया कि थाना कलान क्षेत्र के अब्दुल्ला नगर गांव में रहने वाले लोग एक बारात में मदनापुर गए थे. ये लोग सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात करीब सवा दो बजे वापस अपने घर आ रहे थे तभी नरसुइया गांव के पास उनकी कार तेज गति से आ रहे एक ट्रक से टकरा गयी.

गहरी खाई में गिरी कार, दो की मौत

बनिहाल/जम्मू। जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले में मंगलवार को एक कार सड़क से फिसलकर 150 मीटर गहरी खाई में गिर गई, जिससे कार में सवार दो लोगों की मृत्यु हो गई. अधिकारियों ने बताया कि यह दुर्घटना जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर बैटरी कैशमैन इलाके में हुई. अधिकारियों ने बताया कि कार सड़क से फिसलकर 150 मीटर गहरी खाई में गिर गई और उसमें सवार 25 वर्षीय हाकम दीन और 32 वर्षीय तारिक अहमद को पुलिसकर्मियों और स्थानीय लोगों ने इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया.

मिसाइल हमले में एक भारतीय नागरिक की मौत

यरुशलम। इजराइल की उत्तरी सीमा पर स्थित मार्गलियॉट के समीप एक बाग में लेबनान के हिजबुल्ला आतंकवादियों की ओर से दागी गयी टैंक रोधी मिसाइल की चपेट में आने से सोमवार को एक भारतीय नागरिक की मौत हो गयी और दो अन्य घायल हो गए. एक अधिकारियों ने बताया कि तीनों लोग केरल के रहने वाले हैं. बचाव सेवा मागेन डेविड अडोम (एमडीए) के प्रवक्ता जाकी हेलेर ने बताया कि मिसाइल सोमवार सुबह करीब 11 बजे उत्तरी इजराइल के गलीली क्षेत्र में मार्गलियॉट के एक बाग में जाकर गिरी.

चीन ने दक्षिण चीन सागर में जहाजों को रोका : फिलीपींस

मनीला। चीन के तटरक्षक बल के जहाजों ने मंगलवार को विवादित दक्षिण चीन सागर के तट पर फिलीपीन के जहाजों को रोका जिससे मामूली भिड़ंत हो गयी. फिलीपींन तटरक्षक बल के प्रवक्ता कोमोडोर जय तैरिएला ने बताया कि चीन के जहाजों ने फिलीपींन के दो जहाजों के खिलाफ खतरनाक गतिविधियों को अंजाम दिया जिससे फिलीपींन तटरक्षक के एक जहाज और चीनी तटरक्षक बल के एक जहाज के बीच टक्कर हो गयी. फिलीपींन के जहाज को मामूली नुकसान पहुंचा है.

पंजाब सरकार ने दो लाख करोड़ का बजट पेश किया

चंडीगढ़। पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने मंगलवार को वित्त वर्ष 2024-25 के लिए राज्य का दो लाख करोड़ रुपये से अधिक का बजट पेश किया. उन्होंने कहा कि बजट में मुख्य रूप से स्वास्थ्य और शिक्षा क्षेत्र पर ध्यान दिया गया है. चीमा ने राज्य विधानसभा में बजट पेश करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी सरकार ने दो साल में 40,000 से अधिक नौकरियां दी हैं. उन्होंने कहा कि दो लाख करोड़ रुपये से अधिक के कुल वार्षिक परिव्यय में 16,987 करोड़ रुपये शिक्षा क्षेत्र के लिए रखे गए हैं.

चारों तरफ बर्फ से ढंकी वादियां

मंगलवार को उत्तराखंड के चमोली जिले में भारी बर्फबारी के बाद छह फीट से अधिक बर्फ की परत से बद्रीनाथ धाम ढंक गया. - फोटो : पीटीआई

बेंगलुरु के जेल में कैदियों को कट्टरपंथी बनाने का मामला

सात राज्यों में एनआईए की रेड

भाषा। नयी दिल्ली

एनआईए ने लश्कर-ए-तैयबा के एक आतंकवादी द्वारा बेंगलुरु की जेल में कैदियों को कट्टरपंथी बनाने से जुड़े मामले में मंगलवार को सात राज्यों के 17 स्थानों पर छापा मारा है,. एनआईए के एक प्रवक्ता ने यह जानकारी दी. बेंगलुरु शहर पुलिस ने पिछले साल जुलाई में सात पिस्तौल, चार हथगोले, एक मैगजीन सहित अन्य गोला-बारूद की जब्ती के बाद मामला दर्ज किया था. शुरुआत में पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया था. उनसे पूछताछ के बाद एक और गिरफ्तारी की गयी. इस मामले में कुल छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है. लश्कर-ए-तैयबा का आतंकी टी नासिर इस मामले में जुनैद अहमद के साथ आरोपी है.

पांच लोगों को कट्टरपंथी बनाया था

नासिर ने बेंगलुरु की केंद्रीय जेल में पांच लोगों को कट्टरपंथी बनाया था. जुनैद अहमद फरार है. एनआईए ने पिछले साल अक्टूबर में मामले को अपने हाथ में लिया था और तब जुनैद अहमद के घर सहित कई जगहों पर तलाशी ली थी. एनआईए प्रवक्ता ने बताया कि इसी मामले में आज मंगलवार को सात राज्यों में 17 ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है.

'पेपर लीक कांड' का मामला बार-बार सामने आना बेहद दुखद

युवाओं के लिए अभिशाप बना 'पेपर लीक मामला'

कुमार माधवन

'मलाल है मगर इतना मलाल थोड़ी है,
ये आंख रोने की शिद्दत से लाल थोड़ी है,
बस अपने वास्ते ही फिक्रमंद हैं सब लोग,
यहां किसी को किसी का ख्याल थोड़ी है...'

मशहूर शायरा परवीन साकिर की ये लाइनें देश में तत्काल हो रहे 'पेपर लीक मामले' और उससे परेशान युवाओं की तकलीफ को एकदम सटीक बयां कर रही हैं. एक तरफ जहां भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया में तेजी से आगे बढ़ रही है. भारत ने चांद के साउथ पोल में पहुंचकर दुनिया को चौंका दिया है, कोरोना के संकट में अपने पड़ोसी देशों को मुफ्त में वैक्सीन देकर दुनिया को बताया कि मित्रता धर्म क्या होता है, उस देश में पेपर लीक कांड का मामला बार-बार सामने आना बेहद दुखद है. आज अमेरिका, रूस जैसे ताकतवर देश भी वैश्विक संकट के दौरान भारत की तरफ देखते हैं. ऐसे में दुनिया के सबसे ज्यादा युवा आबादी वाले भारत में 'पेपर लीक कांड' को लेकर सवाल पूछा जाना लाजमी है. इस पेपर लीक जैसे गंभीर विषय पर चर्चा तो रोज हो रही है, लेकिन आजतक इसका स्थायी समाधान नहीं निकल पाया है. यह किसी 'राज्य विशेष' और 'पार्टी विशेष' का मामला नहीं है, यह देश की युवा आबादी के भविष्य से जुड़ा अहम विषय है. बता दें कि आए दिन बिहार, झारखंड, राजस्थान, उत्तराखंड, तेलंगाना समेत देश के अलग-अलग राज्यों से पेपर लीक की खबरें अखबारों की सुर्खियों से लेकर अलग-अलग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म तक देखने को मिलते हैं. एक आकड़े के मुताबिक भारत में पिछले लगभग सात वर्षों में 70 से अधिक पेपर लीक के मामले देखने को मिले हैं. आइए जानते हैं कि अब तक किन-किन राज्यों से पेपर लीक के मामले सामने आए हैं.

'इसरो' भर्ती परीक्षा भी हुई थी रद्द? : पिछले साल विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र ने इसरो भर्ती परीक्षा 2023 को कैंसिल कर दिया था. परीक्षा के दौरान नकल करने पर दो कैंडिडेट्स की गिरफ्तारी के बाद अंतरिक्ष केंद्र ने परीक्षा रद्द की थी. इस परीक्षा का आयोजन तकनीकी स्टाफ पदों पर भर्तियों के लिए किया जा रहा था. बता दें कि केरल में परीक्षा के दौरान यह मामला सामने आया था.

ताजा मामला उत्तर प्रदेश में पुलिस भर्ती का है

17 और 18 फरवरी 2024 को प्रदेश भर में हुई उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती की लिखित परीक्षा का पेपर लीक हुआ था, जिसके बाद देशभर में स्टूडेंट्स जमकर हंगामा किया और फिर योगी सरकार द्वारा परीक्षा कैंसिल कर 6 महीने में दोबारा परीक्षा करने के आदेश दिए गए. वहीं, 11 फरवरी को हुई समीक्षा अधिकारी और सहायक समीक्षा अधिकारी की परीक्षा का पेपर लीक हो गया था. इसके बाद 29 फरवरी को आगरा में इंटरमीडिएट में जीव विज्ञान और गणित का पेपर लीक होने का भी मामला सामने आया था. हालांकि, उत्तर प्रदेश पुलिस आरक्षी भर्ती परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक होने और परीक्षा रद्द करने के बाद उत्तर प्रदेश सरकार ने मंगलवार को उप्र पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड की अध्यक्ष रेणुका मिश्रा को हटा दिया.

खास बातें

- सात वर्षों में ही 70 से अधिक पेपर लीक के मामले
- 2 करोड़ से अधिक छात्रों का पेपर लीक से सपना टूटा
- पेपर लीक मुद्दे का अबतक कोई स्थायी समाधान नहीं

उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग पेपर लीक

वर्ष 2022 में उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की परीक्षा का पेपर लीक होने के बाद हंगामा मच गया था. अभ्यर्थी लगातार परीक्षा रद्द करने की मांग कर रहे थे. इस दौरान कई छात्राओं ने भारी विरोध प्रदर्शन भी किया था. हंगामे की गंभीरता को समझते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने यूकेएसएसएससी पेपर लीक केस को लेकर समीक्षा बैठक की थी और सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए थे.

पेपर लीक मामलों में राजस्थान सबसे आगे

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, राजस्थान में 2019 के बाद से हर साल औसतन 3 पेपर लीक हुए हैं. इससे लगभग 40 लाख छात्र प्रभावित हुए हैं. एक जांच के दौरान पुलिस अधिकारियों ने बताया कि लीक हुए पेपर 5 से 15 लाख रुपये में बिके थे. बता दें कि राज्य में 2011 से 2022 के बीच पेपर लीक के लगभग 26 मामले दर्ज किए गए हैं, उनमें से 14 पिछले चार वर्षों में रिपोर्ट किए गए हैं. पेपर लीक के कारण रद्द की गई परीक्षाओं में ग्रेड–3 लाइब्रेरियन के लिए भर्ती परीक्षा है. इसे दिसंबर 2019 में लीक हुए प्रश्न पत्र के कारण रद्द कर दिया गया था.

झारखंड में पेपर लीक पर लगाम नहीं

झारखंड में भी 28 जनवरी को हुई जेएसएससी सीजीएल की परीक्षा का पेपर लीक हुआ था. जिसके बाद परीक्षार्थियों ने जमकर हंगामा किया. इस मामले में कई संदिग्धों को गिरफ्तार भी किया गया था. वहीं, 1562 से अधिक पदों पर नियुक्ति के लिए डिप्लोमा स्तर (जूनियर इंजीनियर) संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा का विज्ञापन 8 साल बाद दिसंबर 2021 में निकाला गया था. 3 जुलाई 2022 को अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी थी, हालांकि, पेपर लीक की शिकायत के बाद प्राथमिकी दर्ज करने के बाद में परीक्षा रद्द कर दी गई. जबकि, झारखंड सरकार के नकल विरोधी विधेयक में प्रावधान के अनुसार, झारखंड में पहली बार किसी प्रतियोगिता परीक्षा में नकल करते हुए पकड़े जाने पर 1 वर्ष की जेल और पांच लाख रुपये का जुर्माना का प्रावधान रखा गया है. वहीं, दूसरी बार किसी प्रतियोगिता परीक्षा में नकल करते या पेपर लीक करने में शामिल होने पर 3 साल की सजा और 10 लाख जुर्माना का प्रावधान है.

बिहार सिपाही भर्ती परीक्षा लीक मामला

बिहार में 1 अक्टूबर 2023 को 21391 पदों पर सिपाही बहाली की परीक्षा हुई थी. इसका प्रश्न–पत्र परीक्षा के घंटेभर पहले वायरल होने के बाद इसे रद्द करना पड़ा था. परीक्षा रद्द होने के बाद छात्रों ने काफी विरोध प्रदर्शन किया था. बता दें कि यहां के राज्यस्तरीय परीक्षाओं में बीच–बीच में धांधली के आरोप लगते रहे है.

स्पेनिश पीड़िता ने कहा- भारत के लोगों से कोई शिकायत नहीं

भाषा। दुमका

झारखंड के दुमका जिले में पिछले सप्ताह कथित रूप से सामूहिक बलात्कार की शिकार हुई एक स्पेनिश महिला ने मंगलवार को कहा कि उसे भारत के लोगों से कोई शिकायत नहीं है क्योंकि वह देश में लगभग 20,000 किलोमीटर की सुरक्षित यात्रा कर चुकी है.

अपने पति के साथ मोटरसाइकिल पर बिहार के रास्ते नेपाल रवाना होने से पहले पत्रकारों से बात करते हुए उसने कहा कि वह अपना विश्व भ्रमण जारी रखेगी. महिला ने कहा, भारत के लोग अच्छे हैं. मैं लोगों को दोष नहीं देती, बल्कि अपराधियों को दोष देती हूं. भारत के लोगों ने मेरे साथ बहुत अच्छा व्यवहार किया है और वे मेरे प्रति बहुत दयालु थे.

बीते 6 माह से भारत में हूं, कोई समस्या नहीं हुई

पीड़िता ने कहा, हम पिछले छह महीने से भारत में हैं और लगभग 20,000 किमी की यात्रा की है. हमें कहीं भी कोई समस्या नहीं हुई. ऐसा पहली बार हुआ है. भारत से मेरी अच्छी यादें (जुड़ गयी) हैं. महिला ने कहा कि वह अपने पति के साथ अपना दौरा जारी रखेगी. मैं कुछ लोगों, खासकर लड़कियों से कहना चाहती हूं कि वे खुद को ऐसी परिस्थितियों का सामना करने के लिए प्रशिक्षित करें. मैं जानती हूं कि यह कठिन है, इतना आसान नहीं है. आप भूलते नहीं हैं, लेकिन आपको इसे अतीत में छोड़ने की कोशिश करते रहना होगा.

प्रधानमंत्री बनते ही शरीफ ने भारत के खिलाफ उगला जहर

इस्लामाबाद। पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के वरिष्ठ नेता शहबाज शरीफ ने सोमवार को दूसरी बार पाकिस्तान पद की शपथ ली. राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने राष्ट्रपति भवन 'ऐवान-ए-सद्र' में आयोजित एक समारोह में शहबाज को पीएम पद की शपथ दिलाई. इससे पहले शहबाज शरीफ अप्रैल 2022 से अगस्त 2023 तक पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट (पीडीएम) की गठबंधन सरकार में प्रधानमंत्री थे. शहबाज ऐसे समय में पाकिस्तान के पीएम बने है, जब देश आर्थिक बदहाली का सामना कर रहा है. लेकिन, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री बनते ही शहबाज शरीफ भारत के खिलाफ जहर उगलना शुरू कर दिया. नेशनल असेंबली में उन्होंने कहा कि कश्मीर को आजाद कराने की जरुरत है. कश्मीर में बेगुनाह कश्मीरियों का खून बहाया जा रहा है.

भारत ने यूएनएचआरसी में पाकिस्तान पर बोला हमला, कहा-

पाक में है आतंकवाद की फैक्ट्री

भाषा। संयुक्त राष्ट्र/जिनेवा

संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद में जम्मू-कश्मीर का मुद्दा उठाने पर भारत ने पाकिस्तान की आलोचना करते हुए कहा कि उसे अपने बेहद खराब मानवाधिकार रिकॉर्ड पर आत्मनिरीक्षण करना चाहिए. भारत ने कहा कि पाकिस्तान की वैश्विक पहचान दुनिया की आतंकवाद फैक्टरी' के रूप में बन गई है. जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन में अवर सचिव जगप्रीत कौर ने सोमवार को यूएनएचआरसी के 55वें नियमित सत्र में सामान्य बहस में देश के जवाब देने के अधिकार का प्रयोग किया. इससे पहले पाकिस्तान ने इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) की ओर से बोलते हुए अपने बयान में जम्मू-कश्मीर का मुद्दा उठाया था. कौर ने कहा कि हमने इस सत्र के दौरान पूर्व में मंच संभाला था और एक विशेष प्रतिनिधिमंडल द्वारा भारत के बारे में गलत टिप्पणियों का जवाब देने में परिषद का समय बर्बाद करने के प्रति अपनी अनिच्छा से अवगत कराया था. यह प्रतिनिधिमंडल ऐसा इसलिए करता है क्योंकि उसके पास योगदान देने के लिए कुछ भी रचनात्मक नहीं है. पाकिस्तान का नाम लिए बिना, कौर ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि यह देश भारत की आलोचना जारी रखता है.

उत्तर कोरिया ने सैन्य कार्रवाई की धमकी दी

सियोल। उत्तर कोरिया ने अमेरिका और दक्षिण कोरिया के संयुक्त सैन्य अभ्यास को उसके खिलाफ हमले की साजिश बताते हुए मंगलवार को कहा कि वह जवाबी कार्रवाई करने से पीछे नहीं हटेगा. दक्षिण कोरिया और अमेरिका की सेनाओं ने 'फ्रीडम शील्ड' नामक एक 'कंप्यूटर-सिम्युलेटेड कमांड पोस्ट' और युद्ध क्षेत्र में प्रशिक्षण का 11 दिवसीय अभ्यास शुरू किया.सरकारी मीडिया में जारी एक बयान में उत्तर कोरिया के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि वह एक संप्रभु राष्ट्र के लिए सैन्य खतरा पैदा करने की साजिश के लिए अमेरिका और दक्षिण कोरिया के संयुक्त सैन्य अभ्यास की कड़ी निंदा करता है.

द्रमुक नेता ने कहा- भारत कभी एक राष्ट्र नहीं रहा

कांग्रेस ने की विवादित टिप्पणी की निंदा, भाजपा हुई हमलावर

भाषा। नयी दिल्ली

कांग्रेस ने अपने सहयोगी द्रमुक के नेता ए राजा की विवादित टिप्पणी की निंदा करते हुए मंगलवार को कहा कि वह इससे शत प्रतिशत असहमत है. पार्टी की सोशल मीडिया विभाग की प्रमुख सुप्रिया श्रीनेत ने यह भी कहा कि नेताओं को संयमित होकर बात करनी चाहिए. बता दें कि द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के सांसद ए राजा ने कहा है कि भारत कभी एक राष्ट्र नहीं रहा, बल्कि यह एक उपमहाद्वीप है, जहां विभिन्न प्रथाएं और परंपराएं हैं. राजा एक वीडियो में पार्टी द्वारा आयोजित एक बैठक को संबोधित करते हुए दिख रहे हैं, जिसमें वह कथित रूप से कहते हैं, भारत एक राष्ट्र नहीं है. इस बात को अच्छे से समझ लें. भारत कभी एक राष्ट्र नहीं रहा. ए राजा ने कहा कि भारत एक उपमहाद्वीप है. कारण क्या है? यहां कई परंपराएं और संस्कृतियां हैं. वहीं, भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा कि डीएमके नेता कहते हैं कि हम जय श्री राम और भारत माता की जय को कभी स्वीकार नहीं करेंगे. क्या डीएमके अन्य धर्मों के देवताओं के खिलाफ ऐसी अपमानजनक टिप्पणियां कर सकती हैं.

कॅरियर-काउंसिलिंग

लाइब्रेरी साइंस की पढ़ाई कर बना सकते हैं अपना कॅरियर

रजनीश। रांची

लाइब्रेरी साइंस वह विज्ञान है जो मैनेजमेंट, इंफोर्मेशन टेक्नोलॉजी, पेडागोजी एवं अन्य विधाओं के औजारों का पुस्तकालय के संदर्भ में उपयोग करता है. लाइब्रेरी साइंस के अंतर्गत पुस्तकालयों में संपन्न किये जाने वाले कार्यप्रणालियों से सम्बंधित विशिष्ट विधियों, तकनीकियों, एवं प्रक्रियाओं का अध्ययन एवं अध्यापन किया जाता है. लाइब्रेरी साइंस कोर्स के तहत छात्रों को लाइब्रेरी और इंफॉर्मेशन सिस्टम मैनेजमेंट, डॉक्यूमेंटेशन, मैनुस्क्रिप्ट, कैटलॉग, बिबलियोग्राफी आदि के बारे में पढ़ाया जाता है. यह कोर्स छात्रों को लाइब्रेरी को संभालने के प्रबंधकीय और प्रशासनिक पहलुओं का गहन ज्ञान प्रदान करता है. अत: लाइब्रेरी साइंस का दायरा काफी बड़ा हो गया है. आज के समय में यह एक हाईटेक कार्य के रूप में जाना जाता है. इसलिए इसमें कॅरियर के अवसर भी काफी ज्यादा नजर आ रहे हैं.

भारतीय कॉलेज

- दिल्ली विश्वविद्यालय
- बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय
- पांडिचेरी विश्वविद्यालय
- कलकत्ता विश्वविद्यालय
- गुवाहाटी विश्वविद्यालय
- आंध्र विश्वविद्यालय
- श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय
- पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय
- अरुणाचल यूनिवर्सिटी ऑफ स्टडीज
- पटना विश्वविद्यालय
- कश्मीर विश्वविद्यालय
- बैंगलोर विश्वविद्यालय
- कर्नाटक विश्वविद्यालय
- मैंगलोर विश्वविद्यालय
- चौधरी चरण सिंह पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज

लाइब्रेरी साइंस के कार्य

- पाठकों को सामान्य सेवाएं देना जैसे कि पुस्तकों का आदान–प्रदान करना.
- तकनीकी कार्य जैसे किताबों की एंट्री, लिस्ट बनाना या इंडेक्सिंग करना.
- एडमिनिस्ट्रेटिव काम जैसे – लाइब्रेरी की सुविधाएं बढ़ाना और लाइब्रेरी से संबंधित काम को सही रूप से संचालित करने के लिए सीनियर धिकारियों से संपर्क बनाये रखना होता है. इसके साथ ही पुस्तकों की खरीदारी से सम्बंधित कार्य भी देखने पड़ सकते हैं.

लाइब्रेरी कोर्सेज

- डिप्लोमा कोर्सेज
- बैचलर्स डिग्री कोर्सेज
- मास्टर्स डिग्री कोर्सेज
- डॉक्टरेट कोर्सेज

लाइब्रेरी साइंस में स्कोप

- अर्चिवेस्ट
- लाइब्रेरी कंसलटेंट
- असिस्टेंट लाइब्रेरियन
- इंडेक्सर

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)